दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय

CENTRAL UNIVERSITY OF SOUTH BIHAR

www.cusb.ac.in

वार्षिक प्रतिवेदन

ANNUAL REPORT

2019 – 20

वार्षिक प्रतिवेदन

2019 - 20

दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय

संपादकीय समिति

संरक्षक : प्रो. हरीशचन्द्र सिंह राठौर, कुलपति

पर्यवेक्षण : कर्नल राजीव कुमार सिंह कुलसचिव

समायोजक एवं संपादक : मो. मुदस्सीर आलम, जनसंपर्क पदाधिकारी

सदस्य :

- श्री प्रतीश कुमार दास, उप कुलसचिव
- श्री कुमार कौशल, उप कुलसचिव
- श्री प्रवीण कुमार, सहायक कुलसचिव, डेवलपमेंट
- श्री निशांत जोशी, अनुभाग अधिकारी, वित्त एवं लेखा
- श्री मो. जावेद, अनुभाग अधिकारी, वित्त एवं लेखा
- श्रीमती सरिता मिश्रा, कनिष्ठ अनुवादक
- श्री हिटलर प्रसाद, हिंदी टंकक

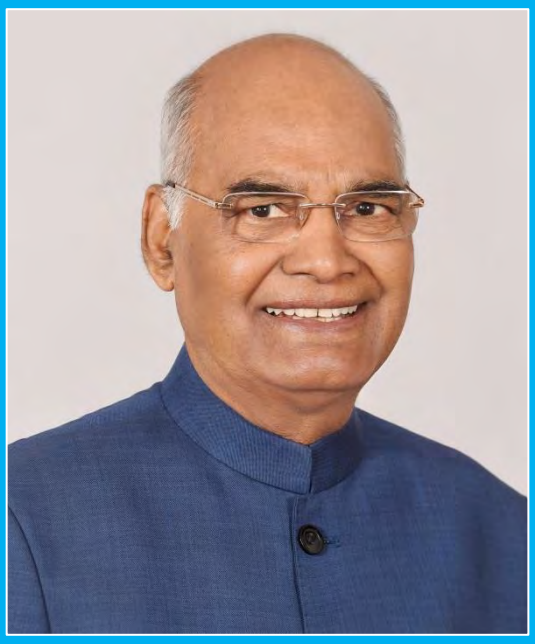

कुलाध्यक्ष
श्री राम नाथ कोविंद
महामहिम, भारत के राष्ट्रपति

कुलाधिपति
डा० सी.पी. ठाकुर

कुलपति
प्रो० एच.सी.एच. राठौर

कुलसचिव
कर्नल आर.के. सिंह

वित्त अधिकारी
श्री गिरीश रंजन

परीक्षा नियंत्रक
श्रीमती रश्मि त्रिपाठी

विषय सूची

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	कुलपति की कलम से	
2	कुलसचिव महोदय का संदेश	
3	प्रमुख उपलब्धियां / कार्यकारी सारांश	**1**
4	सीयूएसबी एक नज़र में	**2-7**
5	स्कूल (विद्यापीठ) एवं केंद्र / विभाग	
	(i) स्कूल ऑफ अर्थ, बायोलॉजिकल एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज़	**8 - 57**
	(ii) स्कूल ऑफ एजुकेशन	
	(iii) स्कूल ऑफ ह्यूमन साइंसेज़	
	(iv) स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज़ एंड लिट्रेचर	
	(v) स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस	
	(vi) स्कूल ऑफ मैनेजमेंट	
	(vii) स्कूल ऑफ मैथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस	
	(viii) स्कूल ऑफ मीडिया, आर्टस् एंड एस्थेटिक्स	
	(ix) स्कूल ऑफ फिजिकल एंड केमिकल साइंसेज़	
	(x) स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज़ एंड पॉलिसी	
6	विद्यार्थी सांख्यिकी	**58 - 74**
7	छात्रवृत्ति / विद्यार्थीवृत्ति	**75 - 78**
8	नियुक्तियां / भर्तियां	**79 - 82**
9	विश्वविद्यालय के सांविधिक निकाय	**83 - 85**
10	सीयूएसबी में आयोजनें / सहपाठ्येतर गतिविधियां	**86 - 89**
11	कार्यशाला, सम्मेलन, वार्ता, इत्यादि	**90 - 98**
12	उपलब्धियां	**99 - 102**
13	फेलोशिप / प्लेसमेंट	**103**

कुलपति की कलम से

प्रो. हरीशचन्द्र सिंह राठौर
(डीएएडी एवं हंबोल्ट फेलो)

वर्ष 2019-2020 की अवधि हेतु दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के वार्षिक प्रतिवेदन को प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है। यह अप्रैल 2019 से मार्च 2020 के दौरान विश्वविद्यालय में हुई अकादमिक वृद्धि, सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों और विकास कार्यों की रिपोर्ट करता है। वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण, बीता वर्ष हमारे लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा लेकिन हमारे कुशल और योग्य संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों तथा समर्पित कर्मचारियों के संयुक्त प्रयासों से हम अकादमिक गतिविधियों को कुशलता से संचालित करने में सफल रहे। हमने महामारी को एक चुनौती के रूप में लिया तथा सुगम्य एवं परेशानी मुक्त संचालन सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय परिवार ने कोई कसर नहीं छोड़ी। संकट के इस क्षण में इंटरनेट हमारे लिए एक वरदान के रूप में आया तथा हमने कार्यालय के काम के साथ-साथ शैक्षणिक कार्यों के सुचारू संचालन के लिए उन्नत तकनीकी उपकरणों का उपयोग किया। निश्चित रूप से, हमारे लिए, सर्वोच्च प्राथमिकता शैक्षणिक कक्षाओं को संचालित करना था जो मुफ्त उपलब्ध डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से संभव हो सका। इसके अतिरिक्त, हमने कोविड-19 के दिशानिर्देशों का पालन करके ऑफ़लाइन परीक्षा आयोजित करने की बड़ी चुनौती ली। कक्षाओं और परीक्षाओं के अतिरिक्त, शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा शोधकर्ताओं के बीच ज्ञान एवं विचारों के आदान-प्रदान के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन और सेमिनार (वेबिनार) वेब के माध्यम से आयोजित किए गए। यहां यह उल्लेखनीय है कि हमारे प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने कार्य की किसी भी प्रकार की हानि न हो, इस हेतु परिसर में अपनी शारीरिक उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए अथक परिश्रम किया है, इसलिए मैं उन्हें इस महामारी की स्थिति में 'योद्धा' कहना चाहूंगा। सीयूएसबी अपनी सामान्य गति को बनाए रखने में सफल रहा तथा शिक्षा मंत्रालय, एनआईआरएफ द्वारा की गई रैंकिंग में अच्छे स्थान प्राप्त करके प्रशंसा भी प्राप्त की तथा शिक्षा विश्व पत्रिका रैंकिंग में शीर्ष स्थान भी प्राप्त किया। कोविड-19 ने हमें बहुत कुछ सिखाया एवं प्रेरित किया है और हमें अपने आदर्श 'शैक्षणिक उत्कृष्टता' की दिशा में तथा भारत के शीर्ष 10 विश्वविद्यालयों में जगह बनाने के लिए अपने जुनून के साथ आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त शक्ति भी प्रदान की है। इन सभी बाधाओं के बावजूद विश्वविद्यालय अपने शैक्षणिक कैलेंडर को बनाए रखने में सफल रहा है।

(प्रो. हरिशचन्द्र सिंह राठौर)

कुलसचिव महोदय का संदेश

हार्दिक अभिनंदन,

वार्षिक प्रतिवेदन 2019-20 की संपादकीय समिति में शामिल होने तथा इसके संकलन में महत्वपूर्ण योगदान देने पर मुझे अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है। कुलसचिव के रूप में प्रमुख पद को धारण करना और परिसर के भीतर विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करना चुनौतीपूर्ण होन के साथ ही संतोषजनक भी था। इस वर्ष, हमें कोविड-19, आमतौर पर कोरोना कहे जाने वाले महामारी के रूप में एक नई चुनौती मिली और हमने माननीय कुलपति प्रो. एच.सी.एस. राठौर के मार्गदर्शन में किए गए विवेकपूर्ण प्रशासनिक निर्णयों के साथ उचित तरीके से इसका मुकाबला किया। संपूर्ण विश्व की तरह, सीयूएसबी परिवार के लिए भी यह अवधि शिक्षा और निर्माण के विकास की गतिविधियों के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रही। लेकिन, हमने खुद पर विश्वास किया और सरकार द्वारा निर्धारित मानदंडों और दिशानिर्देशों का पालन करते हुए अपना कार्य करने में सफल रहे। इस अवधि के दौरान हमारी कई उपलब्धियां हैं जो वार्षिक प्रतिवेदन के इस संस्करण में प्रलेखित हैं, लेकिन मैं विशेष रूप से हमारे परिवार में एक नए संयोजन के बारे में उल्लेख करना चाहता हूं। विश्वविद्यालय में स्थापित एनसीसी (राष्ट्रीय कैडेट दल) की महिला इकाई तथा कैडेट विद्यार्थियों ने कई राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। आने वाले वर्षों में हम एनसीसी को सीबीसीएस प्रणाली में मुख्य विषय के रूप में शामिल करने की योजना बना रहे हैं। विश्वविद्यालय ने दूसरे चरण के भवन निर्माण कार्य, संबंधित सुविधाओं और परिसर विकास के लिए सीपीडब्ल्यूडी (केंद्रीय लोक निर्माण विभाग) के साथ 116 करोड़ रुपए का एक अनुबंध किया है। एमओयू के अनुसार, सीपीडब्ल्यूडी को 64 स्टाफ क्वार्टर, 600 बेड का छात्रावास, केंद्रीय पुस्तकालय, स्वास्थ्य केंद्र, फूड कोर्ट, छोटा शॉपिंग सेंटर और पशु गृह का निर्माण करना है। मैं पूरी तरह से आशावादी हूं कि आने वाले वर्षों में हमारे संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं की टीम सफलता की कई कहानियां लिखेंगे।

राजीव कुमार सिंह

कर्नल राजीव कुमार सिंह

प्रमुख उपलब्धियां / कार्यकारी सारांश

बायोटेक्नोलॉजी विभाग के लिए 58 लाख रुपए की डीएसटी-एफआईएसटी

डीएसटी-एफआईएसटी से 58 लाख रुपए की राशि अनुदान रूप में प्राप्त करने वाला सीयूएसबी बिहार का प्रथम विश्वविद्यालय बना। स्तर - 1 के 143 प्रस्तावों में से मात्र 17 संस्थानों को अनुदान प्राप्त हुआ है, सीयूएसबी का बायोटेक्नोलॉजी विभाग इनमें से एक है। वास्तव में, सीयूएसबी का बायोटेक्नोलॉजी विभाग, जीव विज्ञान के, स्तर - 1 श्रेणी के तहत पूरे बिहार में डीएसटी-एफआईएसटी अनुदान प्राप्त करने वाला प्रथम विभाग है।.

नए शैक्षणिक प्रोग्राम

विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक वर्ष 2019-20 के दौरान स्कूल ऑफ फिजिकल एंड केमिकल साइंसेज़ के केमिस्ट्री विभाग के तहत पीएच.डी. पाठ्यक्रम का संचालन आरंभ किया है।

नए विद्यार्थियों का नामांकन

विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश सीयूसीईटी के माध्यम से, जो कि एक राष्ट्रीय स्तर की संयुक्त प्रवेश परीक्षा है, द्वारा की गई जो 14 केंद्रीय विश्वविद्यालयों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई थी। सेंट्रल यूनिवर्सिटी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीयूसीईटी) - 2019 की परीक्षा शैक्षणिक वर्ष 2019-20 में स्नातक (यूजी), स्नातकोत्तर (पीजी) तथा पीएचडी के विभिन्न विषयों में प्रवेश के लिए 113 परीक्षा केंद्रों पर पूरे भारत में आयोजित की गई थी। प्रवेश परीक्षा 25-26 मई 2019 को आयोजित की गई थी। प्रवेश परीक्षा में योग्यता के अनुसार उतीर्ण होने के उपरांत दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल 924 अभ्यर्थियों ने प्रवेश लिया।

नई नियुक्तियां / पदोन्नतियां

- शिक्षण पद –कुल मिलाकर नियमित आधार पर **44** संकाय सदस्यों की नियुक्तियां की गईं तथा **42** संकाय सदस्यों की पदोन्नति की गई और विभिन्न विभागों में **10** संकाय सदस्यों ने अपने पदों का त्याग कर दिया है। अत:, वर्तमान में संकाय सदस्यों का कुल योग 131 है।
- गैर-शिक्षण पद –नियमित आधार पर **20** गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्तियां की गईं तथा **03** गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की पदोन्नति की गई तथा 10 गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने अपने पदों का त्याग कर दिया है। अत:, वर्तमान में गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों का कुल योग 121 है।

अनुदान

विश्वविद्यालय को वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान सामान्य विकास सहायता के तहत रु. 5.41 करोड़ की राशि प्राप्त हुई है, पिछले वर्ष की रु. 3.36 करोड़ की अव्ययित शेष राशि तथा ट्यूशन फीस एवं अन्य आय से प्राप्त रु.5.55 करोड़ की राशि में से रु.61.57 करोड़ की राशि का उपयोग किया गया।

सीयूएसबी एक नज़र में

विश्वविद्यालय के संबंध में

दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 (2009 की धारा 25) के तहत बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय संशोधित अधिनियम, 2014 के तहत नाम परिवर्तन किया गया) के नाम से हुई। वर्तमान में विश्वविद्यालय गया रेलवे स्टेशन से लगभग 15 कि.मी. दूर गया पंचानपुर रोड पर स्थित पंचानपुर परिसर में कार्यरत है जो कि 300 एकड़ भूमि में फैला हुआ है। विश्वविद्यालय को नैक (एनएएसी) द्वारा 'ए' ग्रेड मान्यता प्राप्त है तथा वर्ष 2016 में एनआईआरएफ रैंकिंग में 94वां स्थान प्राप्त करने में भी सफल रहा। विश्वविद्यालय परिवार तथा इसके शुभचिंतकों के संयुक्त प्रयासों के साथ, सीयूएसबी ने शिक्षण व्यवस्था में अपनी उत्कृष्टता बनाए रखी तथा विभिन्न सरकारी और निजी एजेंसियों द्वारा की गई रैंकिंग में एक सम्मानजनक स्थान प्राप्त किया। विश्वविद्यालय का भव्य प्रवेश द्वार आगंतुकों का स्वागत करता है और आगे आधे विश्व के आकार वाला स्तूप तथा विश्वविद्यालय का सुंदर तथा बहुमंजिला भव्य प्रशासनिक भवन का मनोरम दृश्य है। विश्वविद्यालय परिसर में स्थित स्कूल ऑफ अर्थ, बायोलॉजिकल एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज़ बिल्डिंग जिसका नाम आर्यभट्ट भवन, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज़ एंड पॉलिसी बिल्डिंग जिसका नाम चाणक्य भवन, स्कूल ऑफ एजुकेशन बिल्डिंग जिसका नाम मालवीय भवन, विवेकानंद सभागार परिसर बिल्डिंग, संघराम अतिथि गृह बिल्डिंग, छात्रों के लिए छात्रावास बिल्डिंग जिसका नाम गार्गी सदन तथा छात्राओं के लिए छात्रावास बिल्डिंग जिसका नाम मैत्रेयी सदन है के साथ अन्य भवन आगंतुकों के लिए मनोरम दृश्य प्रस्तुत करते हैं जो कि एक शैक्षणिक संस्थान के परिचालन में उत्तम वातावरण प्रदान करते हैं। विश्वविद्यालय विश्व स्तर के शिक्षकों, उच्च शिक्षक-छात्र अनुपात, विभिन्न कार्यक्रमों में वैकल्पिक पाठ्यक्रम की पूरी संरचना के साथ-साथ विश्वविद्यालय के छात्रों के प्रदर्शन की कुल आंतरिक मूल्यांकन के साथ स्नातक (यूजी) एवं स्नात्कोत्तर (पीजी) में चुनाव आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) प्रदान करता है। छात्रों के समग्र व्यक्तित्व के पोषण के लिए समर्थन प्रणाली और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने के लिए दृष्टिकोण, नवीन शिक्षण, सुव्यवस्थित ढ़ांचागत सुविधाओं और छात्रों के साथ अनुकूल और प्रभावी अनुसंधान उन्मुख वातावरण मुख्य विशेषताएं हैं।

विश्वविद्यालय का उद्देश्य (अधिनियम की धारा 5 में यथा उल्लिखित)

- विद्या के ऐसे क्षेत्रों में, जहां विश्वविद्यालय उपयुक्त समझे, शिक्षण एवं शोध की सुविधा प्रदान कर ज्ञान का प्रचार-प्रसार करना
- अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों के मानविकी, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में संश्लेषित पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रावधान करना
- शिक्षा अर्जन पद्धति तथा अंतरविषयी अध्ययन एवं शोध में अभिनव विचारों को बढ़ावा देने हेतु उपयुक्त उपाय करना
- देश के विकास के लिए जनशक्ति को शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उन्नयन हेतु उद्योग जगत से तारतम्य स्थापित करना
- लोगों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति, उनके कल्याण तथा उनकी बौद्धिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विकास की ओर विशेष ध्यान देना"

विश्वविद्यालय का दृष्टिकोण

विश्वविद्यालय का मूल दृष्टिकोण सामूहिक चिंतन है जो एक बेहतर कल प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है और हम एक ऐसा इको-सिस्टम बनाने का प्रयास करते हैं, जहां उच्च मानवीय और नैतिक मूल्यों को धारण करने वाले श्रेष्ठ दिमाग लगातार फ्रंटलाइन शोध में संपूर्णता प्राप्त करने के लिए बातचीत करते हैं और युवा पीढ़ी को करुणा के साथ मानवता की सेवा करने की उनकी क्षमताओं को साकार करने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं।

विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाएं

अपने विकास और मुट्ठी भर इमारतों के मूल चरण में बुनियादी ढांचे के साथ, विश्वविद्यालय छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए अध्ययन और शोध गतिविधियों के लिए एक उत्तम वातावरण प्रदान करने के लिए सर्वोत्तम प्रयास कर रहा है। एक समृद्ध पुस्तकालय, समृद्ध कंप्यूटर सेंटर जिसमें समकालीन सुविधाओं जैसे वाई-फाई, अत्याधुनिक उपकरणों के साथ हल्के तथा भारी मशीन/उपकरण, स्मार्ट कक्षाएं, सम्मेलन कक्ष इत्यादि पूरी तरह से विश्वविद्यालय को शिक्षा के लिए एक आदर्श स्थान बनाते हैं, जो बाहरी दुनिया को बहुत प्रभावित करता है और देश की विभिन्न एजेंसियों द्वारा की गई रैंकिंग के रूप में प्रशंसा का पात्र भी बनाता है।

सेंट्रल कंप्यूटर सुविधा

संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को पर्याप्त संख्या में डेस्कटॉप / लैपटॉप की सुविधा प्रदान की गई है, जो प्रिंटर / ज़ेरॉक्स सुविधाओं से जुड़ी है। कंप्यूटर प्रयोगशाला संकाय सदस्यों के साथ-साथ छात्रों को उनके अध्ययन कार्यों, परियोजनाओं, शोध प्रबंध और शोध संबंधी कार्यों के लिए एक केंद्रीय कंप्यूटिंग सुविधा प्रदान करती है। कंप्यूटर प्रयोगशाला में, प्रिंटिंग और स्कैनिंग सुविधाएं उपलब्ध हैं। संकायों को उनके व्याख्यान की तैयारी में सहायता करने और उनके शोध को आगे बढ़ाने के लिए पूल प्रिंटर के साथ व्यक्तिगत डेस्कटॉप / लैपटॉप भी प्रदान किया गया है। सभी कंप्यूटर शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करने के लिए नवीनतम और उचित परिचालन प्रणाली और उपयोगी सॉफ्टवेयर से लैस हैं। कंप्यूटर फ़ायरवॉल और कंप्यूटर वायरस, मॉलवेयर और अनधिकृत पहुंच के दूर हैं तथा विश्वसनीय एंटीवायरस सॉफ़्टवेयर द्वारा सुरक्षित हैं। लैन के साथ-साथ वाई-फाई कनेक्टिविटी के माध्यम से इंटरनेट सुविधा विभागों / केंद्रों, पुस्तकालय, कक्षाएं, प्रशासनिक भवन और अन्य अनुभागों को प्रदान की गई है। विश्वविद्यालय की एक पूरी तरह कार्यात्मक वेबसाइट विकसित की गई है। इसे नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है | विश्वविद्यालय में छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के समूह मेल आईडी के साथ प्रबल ई-मेल प्रणाली है।

केंद्रीय पुस्तकालय

पुस्तकालय के पास अद्यतन संस्करण के शीर्षक के पुस्तकों तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स की पर्याप्त वॉल्यूम में संग्रह उपलब्ध है। पुस्तकालय ने 45000 से अधिक पुस्तकों का एक संतुलित संग्रह तैयार किया है जो विभिन्न साइंस एवं सोशल साइंस विषयों में शैक्षणिक गतिविधियां, शिक्षण एवं शोध को परिपोषित करती है। सभी पुस्तकों को डेवी डेसीमल क्लासिफिकेशन स्कीम (डीडीसी) की सहायता से बार कोडित तथा शेल्फस् (आलमारियों) में सजाया जा चुका है। पुस्तकालय ने 181 गुणवत्तापूर्ण प्रिंट जर्नल एवं पत्रिकाओं, 444 जर्नल्स की बाउंड वॉल्यूम तथा 100 प्रोजेक्ट रिपोर्ट के साथ विश्व में नामचीन प्रकाशकों के 8200 से अधिक फुल टेक्स्ट इलेक्ट्रॉनिक जर्नल्स की भी सदस्यता ग्रहण की है। पुस्तकालय सेवाओं में पुस्तकों का परिसंचरण (जारीकरण/वापसी), डेलनेट नई दिल्ली के द्वारा इंटर-लाइब्रेरी लोन, पुस्तकों एवं जर्नल हेतु करेंट अवेयरनेस सर्विस (सीएएस), फोटोकॉपी इत्यादि शामिल हैं। उपयोगकर्ता (यूजर्स) पुस्तकालय में पुस्तकों की उपलब्धता, पुस्तकों की वर्तमान स्थिति, वापसी की नियत तिथि, पुस्तक को रिजर्व होल्ड (पास रखने) की स्थिति को ओपीएसी इस्तेमाल कर जान सकते हैं। विद्यार्थियों संकायों एवं कर्मचारियों को इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक पहुंच विश्वविद्यालय परिसर में उनके कंप्यूटरों पर ही उपलब्ध हैं। इन संसाधनों तक पहुंच को वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) द्वारा 24x7 संदर्भ सेवा में विस्तारित किया गया है।

प्रयोगशालाएं

अधिकतर विभागों के पास छात्रों तथा शोध अध्येताओं के लिए प्रैक्टिकल कक्षा के लिए अद्यतन उपकरणों से लैस अपनी प्रयोगशाला है। बायोटेक्नो लॉजी, लाईफ साइंस, एनवायरनमेंटल साइंस, फिजिक्स , केमिस्ट्री, मास कम्यूनिकेशन, इत्यादि विभागों के पास पूर्णत: समृद्ध प्रयोगशालाएं उपलब्ध हैं।

स्वास्थ्य केंद्र / चिकित्सीय सुविधा

विश्वविद्यालय के पास अपना स्वास्थ्य केंद्र है जो चिकित्सा अधिकारियों के पर्यवेक्षण में परिसर में विद्यार्थियों को सामान्य रोगों में प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराता है।

मनोवैज्ञानिक परामर्श सेवा

शारीरिक स्वास्थ्य की तरह, मानसिक स्वास्थ्य भी दक्षता तथा सृजनात्मकता निर्धारित करता है, जो शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया, रचनात्मकता तथा इसके अनुकूल वातावरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय अपने उचित भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक उन्नत दृष्टिकोण के तहत समय-समय पर या आवश्यकतानुसार विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा कर्मचारियों के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श तथा मार्गदर्शन की व्यवस्था करता है।

छात्रों के लिए विशिष्ट सुविधाएं

विश्वविद्यालय का मानना है कि छात्र देश के भविष्य हैं और वे बिना किसी परेशानी के अपनी पढ़ाई करने के लिए अतिरिक्त देखभाल के पात्र हैं। विश्वविद्यालय छात्रों को सर्वोत्तम संभव सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि वे बेहतर परिणाम के लिए शांत मन के साथ शोध कार्य का अध्ययन कर सकें। विशेष रूप से छात्रों को प्रदान की जाने वाली कुछ सुविधाओं का उल्लेख विभिन्न शीर्षकों के तहत किया गया है।

सत्र प्रणाली :- विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक कार्यक्रमों (पाठ्यक्रमों) में पाठ्यक्रम का स्तर बढ़ाने और सीखने के त्वरित अवसरों को प्रोत्साहित करने के लिए इस प्रणाली का पालन किया जाता है।

विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) :- .यह प्रणाली छात्रों के ज्ञान और समग्र विकास को शीर्षता की सुविधा प्रदान करती है।

मूल्यांकन प्रणाली :- छात्रों के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए संकाय सदस्यों द्वारा विश्वविद्यालय में सतत आंतरिक मूल्यांकन किया जाता है। एंड सेमेस्टर मूल्यांकन के लिए और पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने हेतु विश्वविद्यालय में उपयुक्त तंत्र विकसित किए गए हैं।

गवर्नेंस तथा ई-गवर्नेंस :- विश्वविद्यालय अधिनियम और संविधियों में वर्णित जनादेश को प्राप्त करने के लिए शासन की एक विकेन्द्रीकृत और भागीदारी प्रणाली का पालन कर रहा है। संकाय सदस्य विश्वविद्यालय के निर्णय लेने वाले निकायों में भी शामिल होते हैं, जो छात्रों को उनकी शिकायतों के निवारण के लिए एक उचित तरीके से सहायता करते हैं। विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग में एक विभागीय समिति होती है और यह विश्वविद्यालय के सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्थाओं के समक्ष रखे जाने से पहले प्रारंभिक अवस्था में शैक्षणिक प्रस्तावों के लिए निर्णय लेती है। बोर्ड ऑफ स्टडीज़ (बीओएस) भी विभाग का एक महत्वपूर्ण निकाय है जो विशेष रूप से पाठ्यक्रम विकास के काम को देखता है। साथ ही, विश्वविद्यालय ने प्रणाली में पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ावा देने के लिए अपने प्रशासन में प्रभावशीलता लाने के लिए ई-गवर्नेंस उपकरणों के उपयोग की दिशा में भी प्रयास किया है।

सीयूसीईटी :- विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों (पाठ्यक्रमों) में प्रवेश 14 केंद्रीय विश्वविद्यालयों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाता है और इसे केंद्रीय विश्वविद्यालयों के सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूसीईटी) के रूप में नामित किया जाता है। अपनी पारदर्शिता और राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश प्रक्रिया के साथ, विश्वविद्यालय विभिन्न राज्यों के छात्रों को आकर्षित करने और विविधता और राष्ट्रीय चरित्र को कुशलतापूर्वक बनाए रखने में सफल रहा है।

छात्रवृत्ति योजनाएं :- सभी शोध अध्येताओं (पीएच.डी.) छात्रों को यूजीसी छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित छात्रवृत्ति के साथ विश्वविद्यालय योग्य और जरूरतमंद छात्रों के लिए कई छात्रवृत्ति योजनाएं प्रदान करता है, जिनके नाम हैं, सीयूबीईटी/सेमेस्टर टॉपर हेतु मेधा विद्यार्थी छात्रवृत्ति मेधा-सह-साधन विद्यार्थी छात्रवृत्ति अध्ययन सह उपार्जन (ईडब्ल्यूवाईएल) योजना उपस्थिति आधारित मेधा छात्रवृत्ति |

आवास हेतु छात्रावास सुविधा :- वर्तमान में विश्वविद्यालय में एक बालक तथा एक बालिका छात्रावास है जिसमें कुल 800 विद्यार्थियों के आवास की व्यवस्था है। भुगतान के आधार पर छात्रावासों में रहने वाले छात्रों के लिए मेस सुविधा भी उपलब्ध है।

विद्यार्थी मेडिक्लेम पॉलिसी :- विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थी इस योजना के तहत बीमित हैं। विद्यार्थी मेडिक्लेम विद्यार्थियों के लिए नेशनल इंश्योरेंस कंपनी की एक अनोखी पॉलिसी है जो उन्हें स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत दुर्घटना हेतु बीमा प्रदान करती है। इस योजना के तहत वे अधिकृत अस्पतालों में कैशलेस चिकित्सा सुविधा के पात्र हैं साथ ही साथ अन्य अस्पतालों में 50,000 रूपए की सीमा तक चिकित्सा सुविधा प्राप्त कर प्रतिपूर्ति ले सकते हैं।

कैंपस प्लेसमेंट :- विश्वविद्यालय में एक कैरियर काउंसलिंग और प्लेसमेंट सेल है जो छात्रों के लिए कैंपस प्लेसमेंट और नौकरी के अवसरों का ख्याल रखता है। सत्र 2018-19 के दौरान अजीम प्रेमजी फाउंडेशन, केयर इंडिया (एनजीओ), गांधी फैलोशिप-पीरामल फाउंडेशन, इत्यादि संगठनों में कई छात्रों को नौकरी मिली। मीडिया विभाग के छात्रों को टाइम्स ऑफ इंडिया, हिंदुस्तान टाइम्स, ईटीवी भारत, हिंदुस्तान दैनिक और प्रभात खबर और कई अन्य संगठनों के साथ प्लेसमेंट मिला।

इंटर्नशिप :- प्रैक्टिस बेस्ड लर्निंग / फ़र्स्ट-हैंड इंडस्ट्री के अनुभव की भूमिका को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने ग्रीष्म कालीन छुट्टियों के दौरान छात्रों को इंटर्नशिप के अवसरों की व्यवस्था की है।

खेल और सांस्कृतिक / सह-पाठ्यक्रम संबंधी गतिविधियां :- विश्वविद्यालय में खेल और खेल गतिविधियां समिति, सांस्कृतिक गतिविधियां समिति जैसी समितियां हैं जो वर्ष भर छात्रों के लिए विभिन्न गतिविधियों का संचालन करती हैं। विश्वविद्यालय के छात्र राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों में समितियों की निगरानी में भाग लेते हैं और अपने शानदार प्रदर्शन से सभी को प्रभावित करते हैं।

गुणवत्ता प्रबंधन (आईक्यूएसी) :- विश्वविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईक्यूएसी) है, जो संस्थान के कामकाज की दक्षता में प्रगतिशील सुधार सुनिश्चित करने के लिए है।

प्रॉक्टोरियल बोर्ड :- बोर्ड विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच अनुशासन बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है और यह कुलानुशासक (चीफ प्रॉक्टर) की देखरेख में होता है। प्रॉक्टोरियल बोर्ड, विश्वविद्यालय परिसर में अनुशासन बनाए रखने के लिए निवारक कदम उठाता है, स्थिति के अनुसार नोटिस और चेतावनी जारी करता है।

छात्र कल्याण समिति :- छात्र कल्याण अधिष्ठाता (डीएसडब्ल्यू) कक्षा के बाहर छात्रों के सामान्य कल्याण की देखभाल करने की ज़िम्मेदारी निभा रहे हैं, ताकि उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। डीएसडब्ल्यू का कार्यालय निम्न कर्तव्यों और कार्यों का पालन भी करता है, (i) विश्वविद्यालय के बाहर शैक्षिक भ्रमण और खेल गतिविधियों में प्रतिभागिता की व्यवस्था करना (ii) सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का संचालन (iii) छात्र समितियों का गठन (iv) विद्यार्थी-शिक्षक संबंध का मूल्यांकन (v) जरूरतमंद छात्रों को यात्रा और अन्य सुविधाओं के लिए वित्तीय सहायता के लिए जांच और सिफारिश करना (vi) देश या विदेश में आगे की पढ़ाई के लिए फैलोशिप / छात्रवृत्ति की सुविधा प्रदान करना (vii) छात्र काउंसेलिंग (viii) विकलांग छात्रों या महिला छात्रों को विशेष सहायता (यदि आवश्यक हो) प्रदान करना (ix) छात्र सूचना सेवाएं प्रदान करना पूर्व छात्र संघ का आयोजन करना (x) कुलपति द्वारा अधिकृत और प्रतिनिधि के रूप में प्रमाण पत्र जारी करना।

समितियां एवं प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय ने संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों के कल्याण के लिए विभिन्न समितियों और प्रकोष्ठों का गठन किया है।

समितियां :-

- सांस्कृतिक गतिविधियां समिति
- खेलकूद समिति
- ग़ैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए शिकायत निवारण समिति
- शिक्षकों के लिए शिकायत निवारण समिति
- छात्रों के लिए शिकायत निवारण समिति
- संस्थागत जैव-सुरक्षा समिति (आईबीएससी)
- आंतरिक शिकायत समिति पुस्तकालय समिति
- संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला समिति
- विश्वविद्यालय वेबसाइट तथा इंटरनेट समिति

प्रकोष्ठ :-

- रैगिंग-निषेध प्रकोष्ठ
- कैरियर काउंसेलिंग और प्लेसमेंट प्रकोष्ठ
- सामुदायिक विकास सेल (सीडीसी)
- एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ
- समान अवसर प्रकोष्ठ
- आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)
- विधिक सहायता निदानशाला
- अ.जा. / अ.ज.जा. / अ.पि.व. / अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ
- स्पर्श (एसपीएआरएसएच, यौन उत्पीड़न से संवेदनशीलता, रोकथाम और निवारण) प्रकोष्ठ
- महिलाओं के लिए टास्क फोर्स
- उन्नत भारत अभियान (यूबीए)

स्कूल एवं सेंटर / विभाग

क्रमांक	स्कूल के नाम	सेंटर / विभाग	संचालित पाठ्यक्रम
1	स्कूल ऑफ अर्थ, बायोलॉजिकल एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज़	बायोटेक्नो लॉजी	एमएससी एवं पीएचडी
		बायोइनफॉरमेटिक्स	एमएससी एवं पीएचडी
		एनवायरनमेंटल साइंसेज़	एमएससी एवं पीएचडी.
		लाईफ साइंस	एमएससी एवं पीएचडी
2	स्कूल ऑफ एजुकेशन	टीचर एजुकेशन	4 वर्षीय इंटीग्रेटेड बीए-बीएड, 4 वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएससी-बीएड, एमएड एवं पीएचडी
3	स्कूल ऑफ ह्यूमन साइंसेज़	साइकोलॉजी	एमएससी/एमए एवं पीएचडी
4	स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज़ एंड लिट्रेचर	अंग्रेजी	एमए एवं पीएचडी
		हिंदी	एमए एवं पीएचडी
		भारतीय भाषा केंद्र (उर्दू)	कोई पाठ्यक्रम संचालित नहीं
5	स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस	लॉ	5 वर्षीय इंटीग्रेटेड बीए-एलएलबी (ऑनर्स), एलएलएम एवं पीएचडी
6	स्कूल ऑफ मैनेजमेंट	कॉमर्स	एम.कॉम
7	स्कूल ऑफ मैथेमेटिक्स , स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस	कंप्यूटर साइंस	एमएससी एवं पीएचडी
		मैथेमेटिक्स	एमएससी एवं पीएचडी
		स्टैटिस्टिक्स	एमएससी एवं पीएचडी
8	स्कूल ऑफ मीडिया, आर्टस् एंड एस्थेटिक्स	मास कम्यूनिकेशन एंड मीडिया	एमए एवं पीएचडी
9	स्कूल ऑफ फिजिकल एंड केमिकल साइंसेज़	केमिस्ट्री	एमएससी एवं पीएचडी
		फिजिक्स	एमएससी एवं पीएचडी.
10	स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज़ एंड पॉलिसी	डेवलपमेंट स्टडीज़	एमए एवं पीएचडी
		इकोनॉमिक्स	एमए एवं पीएचडी
		हिस्ट्री	एमए एवं पीएचडी
		पॉलिटिकल साइंस	एमए एवं पीएचडी.
		सोशियोलॉजी	एमए सोशियोलॉजी, एमए सोशल वर्क एवं पीएचडी
11	स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर एंड डेवलपमेंट	31.03.2020 तक सक्रिय नहीं	कोई पाठ्यक्रम संचालित नहीं
12	स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज़	31.03.2020 तक सक्रिय नहीं	कोई पाठ्यक्रम संचालित नहीं
13	स्कूल ऑफ टेक्नो लॉजी	31.03.2020 तक सक्रिय नहीं	कोई पाठ्यक्रम संचालित नहीं
14	स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज़	31.03.2020 तक सक्रिय नहीं	कोई पाठ्यक्रम संचालित नहीं

31.03.2020 तक वस्तुस्थिति

1. स्कूल ऑफ अर्थ, बायोलॉजिकल एंड एनवायरनमेंटल साइंसेज़

बायोटेक्नोलॉजी विभाग

क्रमांक	संकाय सदस्य के नाम	पदनाम	योग्यता
1	प्रो. रिज़वानुल हक़	प्राध्यापक एवं प्रमुख	पीएचडी, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली
2	प्रो. दुर्ग विजय सिंह	प्राध्यापक	पीएचडी, बीएचयू, वाराणसी
3	डॉ. राकेश कुमार	सह प्राध्यापक	पीएचडी, आईआईटी दिल्ली
4	डॉ. नितिश कुमार	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी, सीएसआईआर, भावनगर, गुजरात
5	डॉ. कृष्ण प्रकाश	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी, जेएनयू, नई दिल्ली
6	डॉ. जावेद अहसान	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी, एनसीबीएस, बैंगलूरू
7	डॉ. अंतरेश कुमार	सहायक प्राध्यापक (लियन पर)	पीएचडी, जेएनयू, नई दिल्ली

संकाय उपलब्धियां/गतिविधियां

प्रो. रिज़वानुल हक़, प्राध्यापक एवं अध्यक्ष/ प्रमुख

संगोष्ठी/सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 15.10.2019 को लखनउ- 226026 (उत्तर प्रदेश) में आयुष मंत्रालय के अंतर्गत, यूनानी चिकित्सा में शोध के लिए केंद्रीय परिषद के तहत यूनानी चिकित्सा संस्थान के केंद्रीय शोध संस्थान (सीआरआईयूएम) में 'कैंसर मॉड्यूल में आर्सेनिक की भूमिका', विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया |
- अर्चना चौधरी, नीरज कुमार राय, अंकिता कुमारी, आशुतोष कुमार तथा रिज़वानुल हक। यकृत कैंसर में आर्सेनिक की प्रतिक्रिया में टेलोमेरेस विनियमन। 5-7 नवंबर 2019 को कोलकाता में स्वस्थ/स्वच्छ भारत अभियान के योजना के तहत युवा वैज्ञानिक सम्मेलन के लिए भारत का अंर्तराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएस)।
- 10-12 अक्टूबर, 2019 के दौरान जामिया हमदर्द, नई दिल्ली में सोसायटी ऑफ न्यूरोकैमिस्ट्री, भारत (एसएनसीआई) की 33वीं वार्षिक बैठक में गतिशील चुनौतियां और दृष्टिकोण: फ्रंटियर्स ऑन न्यूरोसाइंस एंड न्यूरोकैमिस्ट्री विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के एक सत्र की अध्यक्षता की।

अन्य गतिविधियां/ उपलब्धियां

- पीएचडी थीसिस, 2019: सुश्री सुकृति गोयल, बनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान - 304022
- पीएचडी मौखिक परीक्षा, 2019: सुश्री स्मितल समीर कुलकर्णी, जैव प्रौद्योगिकी चिकित्सा विभाग, एमजीएम स्कूल ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज़, एमजीएम इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज़, नवी मुंबई, 26 दिसंबर, 2019।
- अक्टूबर 2020 में बैरो न्यूरोलॉजिकल इंस्टीट्यूट, यूएसए से डॉ. सैफ ख़ान द्वारा आयोजित की गई अतिथि व्याख्यान में ईयूईआईए विश्वविद्यालय, लखनउ में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 20 फरवरी, 2020 को नाईपर, हाजीपुर के संकाय मूल्यांकन के लिए समिति के सदस्य रूप में कार्य किया।

प्रो. दुर्ग विजय सिंह, प्राध्यापक

प्रकाशन

- अग्रवाल एस, जेना एस, पांडा एस, शर्मा एस, धवन बी, नाथ जी, सिंह एनपी, नायक केसी, सिंह डी वी (2019) एंटीबायोटिक संवेदनशीलता, पौरूष प्रतिरूप और भारत में विभिन्न प्रकार के संक्रमणों से पृथक (अलग) स्टॉफिलोकोकस ऑरियस स्ट्रेन की टाइपिंग।माइक्रोबॉयोलॉजी में फ्रंटियर्स (आईएफ-4.285) 10: 2763. डीओआई: 10.3389/एमएमआईसीबी.2019.02763
- मिश्रा एम, बारिक एस, पांडा एस, सरकार ए, सिंह डी वी, महापात्र एच (2020) एंटीबॉयोटिक प्रतिरोध प्रोफाइल, बाहरी झिल्ली प्रोटीन, विषाणु कारक और जीनोम अनुक्रम विश्लेष्ण से पता चलता है कि एंटीबॉयोटिक के नैदानिक अलगाव पर्यावरणीय आइसोलेट्स की तुलना में संभावित रोगजनक हैं । सेलुलर और संक्रमण माइक्रोबायोलॉजी (आई एफ 518) में फ्रंटियर्स 10: 54. डीओआई: 10.3389/एफसीआईएमबी.2020.00054
- साहा एस, सिंह डी वी (2020) एंटीबॉयोटिक प्रतिरोध और विब्रियो कोलेरा की रोगजनकता का तंत्र। अध्याय 16, इन : माइक्रोबियल पैथोजेनिसेस, बायोफिल्म फॉर्मेशन और एंटीमाइक्रोबियल ड्रग डिस्कवरी, सिद्धार्थ बी, दयावैया एम, सैयद ए (ईडीएस) स्प्रिंगर, सिंगापुर, (2020), पृष्ठ 273-299। आईएसबीएन: 978-981-15-1694-8।

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 20-24 नवंबर, 2019 के दौरान त्रिवेंद्रम में आयोजित नई क्षितिज बॉयोटेक्नो लॉजी (एनएचबीटी-2019) और बॉयोटेक रिसर्च सोसाइटी (भारत) के 16वें अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत की।
- 17-18 जनवरी 2020 के दौरान बीएचयू, वाराणसी में महामना के दर्शन के आलोक में उच्च शिक्षा विषय पर आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया।

अन्य गतिविधियां/ उपलब्धियां

- केआईआईटी (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), भुवनेश्वर में आयोजित पीएचडी मौखिक परीक्षा में बाह्य परीक्षक के रूप में भाग लिया।
- बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय), लखनउ तथा एम जी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पीएचडी थीसिस के मूल्यांकन हेतु बाह्य परीक्षक के रूप में कार्य किया।

डॉ. राकेश कुमार, सह प्राध्यापक

प्रकाशन

- शिखा रानी, राकेश कुमार, सोया प्रोटीन आइसोलेट फिल्म की सामग्री और एंटीमाइक्रोबियल गुणों की समीक्षा। जर्नल ऑफ पॉलीमर्स तथा पर्यावरण (आईएफ-2.765), वॉल्यूम 27, पृष्ठ संख्या 1613-1628, 2019.
- राकेश कुमार, रेश्मा प्रवीण, शिखा रानी, के शर्मा, के. पी. तिवारी, के. दिनेश कुमार जेडएनएसई **(ZNSE)** नैनोपार्टिकल्स ने बायोपॉलिमर सोया प्रोटीन आइसोलेट फिल्म को लागू किया। जर्नल ऑफ रिन्यूएबल मैटिरियल्स (आईएफ - 1.42), वॉल्यूम 7, पृष्ठ संख्या 749-761, 2019.
- राकेश कुमार, कहकशां नेयज़ अंजुम, शिखा रानी, के. शर्मा, के.पी. तिवारी, के. दिनेश कुमार, सोया प्रोटीन आइसोलेट बॉयोपॉलीमेरिक फिल्म के गुणों से समाहित जेडएनएस **(ZNs)** नैनोपार्टिकल्स के तत्व गुण। प्लासटिक्स रबड़ तथा कम्पोजिटस् (आईएफ-**1.25**) वॉल्यूम 48, पृष्ठ संख्या 448-455, 2019.

- राकेश कुमार, पूजा कुमारी, प्रियरागिनी सिंह, के. दिनेश कुमार, पॉलीलैक्टिक एसिड के निर्माण में बैक्टीरियल सेलूलोज़ का पालन फ्लैक्स फैब्रिक बायोकंपोजिटस् बायॉकैटालिस्ट तथा एग्रीकल्चरल बायोटेक्नो लॉजी (स्कोपस) द्वारा, वॉल्यूम 21, अनुच्छेद संख्या 101 277, 2019.
- प्रियरागिनी, राकेश कुमार, अध्याय 13, पृष्ठ संख्या 273-288, „स्यूडोमोनस प्रजाति: औद्योगिक प्रयासों से सुगंधित यौगिकों की प्राकृतिक सफाई' शीर्षक से पंकज अरोड़ा द्वारा संपादित एक पुस्तक 'समाज कल्याण के लिए माइक्रोबियल टेक्नो लॉजी शीर्षक से प्रकाशित (आईएसबीएन- 978-981-13-8843-9)" स्प्रिंगर द्वारा, सितंबर 2019.
- शिखा रानी, राकेश कुमार, अध्याय 2, पृष्ठ संख्या 19-37, देवराजन थंगदुरई, जयाबालन संगीता, राम प्रसाद द्वारा संपादित „नैनोपार्टिकल- इन सोयाप्रोटीन आइसोलेट फिल्मस" शीर्षक में, „खाद्य पदार्थों, कृषि तथा पर्यावरण के लिए नैनोटेक्नो लॉजी" शीर्षक से प्रकाशित पुस्तक" (आईएसबीएन: 978-3-030-31937-3)" स्प्रिंगर द्वारा, फरवरी 2020.
- राकेश कुमार, गुलशन कुमार, अध्याय 6, पृष्ठ संख्या 85-115 'प्राकृतिक फाइबर के भूतल उपचार के माध्यम से बायोकंपोजिट के प्रदर्शन में वृद्धि' शीर्षक से प्रमेंद्र वाजपेयी द्वारा संपादित एक पुस्तक 'प्राकृतिक फाईबर की प्रक्रिया प्रबालित बायोकंपोजिट द्वारा' शीर्षक से प्रकाशित (आईएसबीएन : 978-9-388-32008-5) वुड हेड इंडिया लिमिटेड प्रकाशन द्वारा, 2020.

संगोष्ठी/ सम्मेलन/कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 27-29 फरवरी, 2020 के दौरान आईआईटी बीएचयू में अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में बायोइंजिनियरिंग एंड रीजेनरेटिव मेडिसिन (आईसीबीआर 20) में समर्थन के रूप में „स्टॉटिक फर्मेनटेशन तथा डिपोजिशन ऑफ बैक्टेरियल सेलुलोज ऑन फैब्रिक जूट तथा फ्लैक्स फैब्रिक" शीर्षक से राकेश कुमार, अदिति पाठक ने मौखिक रूप से पत्र प्रस्तुत किया।

अन्य गतिविधियां/ उपलब्धियां

- 7 मई, 2019 को वाराणसी, बीएचयू के विज्ञान संस्थान के बायोकेमिस्ट्री विभाग के स्नातकोत्तर परीक्षा में बाह्य परीक्षक के रूप में कार्य किया।

डॉ. जावेद अहसान, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- 06-10 जनवरी, 2020 के दौरान भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) पुणे द्वारा आयोजित 5वीं एशिया पैसिफिक ड्रोसोफिला शोध सम्मेलन (एपीडीआरसी 5) तथा 4थे भारतीय ड्रोसोफिला शोध सम्मेलन (आईएनडीआरसी 4) में भाग लिया तथा पत्र प्रस्तुत किया।
- 5-6 जनवरी, 2020 के दौरान नेशनल सेंटर फॉर सेल साइंस (एनसीसीएस) पुणे तथा इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर) पुणे द्वारा आयोजित 'सिग्नस (एसआईजीएनएएस) फ्रॉम द गट (जीयूटी)', ए सैटेलाइट मिनी सिम्पोसियम टू फिफ्थ (5वीं) एशिया पैसिफिक ड्रोसोफिला शोध सम्मेलन (एपीडीआरसीएस 5), में भाग लिया तथा पोस्टर प्रस्तुत किया।
- 29 अप्रैल, 2019 को बोधगया के मगध विश्वविद्यालय के बॉयोटेक्नो लॉजी विभाग में विश्व प्रतिरक्षण दिवस के अवसर पर प्रमुख वक्ता के रूप में मौखिक प्रस्तुति के रूप में शोध कार्य प्रस्तुत किया।

प्राप्त पुरस्कार / अनुदान

- 09 सितंबर, 2019 को ओडिशा, भुवनेश्वर के इंस्टीट्यूट ऑफ सेल्फ रिलायंस द्वारा „भारत विकास पुरस्कार-2019"" प्राप्त किया।

डॉ. कृष्ण प्रकाश, सहायक प्राध्यापक

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 21-24 नवंबर, 2019 के दौरान नई दिल्ली के बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग द्वारा एयरो सिटी, दिल्ली में आयोजित ग्लोबल बायो-इंडिया 2019 की बैठक में भाग लिया।

अन्य गतिविधियां/ उपलब्धियां

- महात्मा गांधी बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयूबी), मोतिहारी में बाह्य परीक्षक के रूप में कार्य किया। 05 से 08 दिसंबर, 2019 तक प्रैक्टिकल परीक्षाएं ली।
- जनवरी-अप्रैल 2020, आईआईटी बॉम्बे द्वारा आयोजित „बायोइंजीनियरिंग: एन इंटरफेस विद बायोलॉजी एंड मेडिसीन" शीर्षक से एनपीटीईएल (स्वयं/एसडब्ल्यूएवाईएएम) के ऑनलाइन पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

बायोइनफॉरमेटिक्स विभाग

क्रमांक	संकाय सदस्य के नाम	पदनाम	योग्यता
1	प्रो. आर.एस. राठौर	प्राध्यापक एवं प्रमुख	पीएचडी (आईआईएससी बैंगलुरू), पीडीएफ (टेक्सॉस गॉलवेस्टन विश्वविद्यालय)
2	डॉ. आशीष शंकर	सह प्राध्यापक	पीएचडी (बनस्थली विश्वविद्यालय)
3	डॉ. अजय कुमार सिंह	सह प्राध्यापक	पीएचडी (यूपीटीयू लखनऊ)
4	डॉ. कृष्ण कुमार ओझा	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी (बीएचयू)
5	डॉ. विजय कुमार सिंह	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी (ट्यूरिन इटली विश्वविद्यालय)
6	डॉ. दुर्ग विजय सिंह	सहायक प्राध्यापक	एमटेक एंड पीएचडी (आईआईआईटी इलाहाबाद)
7	डॉ. अनिल कुमार	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी (बायोटेक्नो लॉजी, आईआईटी, गुवाहाटी)

संकाय उपलब्धियां/गतिविधियां :-

प्रो. आर.एस. राठौर, प्राध्यापक तथा प्रमुख

प्रकाशन

- एन. दामुका, के. कुरूमूर्ती, पी. अनगम्बा मीटीई, आर.एस. राठौर, ए.के. कोंडापी तथा वी. विंदल (2020) औषधीय रिपोर्ट (स्प्रिंगर नेचर), प्रेस में। एसिटाइलकोलिनेस्टरेज के दोहरे अंकन अवरोधकों की खोज : डिज़ाईन, संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन। https://doi.org/10.1007/s43440-020-00086-2
- पी. अनगम्बा मीटीई, आर.एस. राठौर, पी. नोंगडैम, (2020), हेलियोन (सेल प्रेस) 6(2) ई० 33 78 2019, केम्फेरोल, एक प्राकृतिक फ्लेवोनाइड के लिए एक लक्ष्य एंजाईम के रूप में सल्फोन प्रतिरोधी डायहाइड्रोपेरोएट सिंथेज (डीएचपीएस) की खोज। https://doi.org/10.1016/j.heliyon.2020.e03378
- एम.ए.ई. शाइवा, एच.एस. यतीराजन, एन. मंजु, बी. कल्लुरैया, आर.एस. राठौर, क्रिस्टोफर जी. ग्लाइडेबल (2020) एक्टा क्रिस्टलोग्राफिका ई (विले/आईयूसीआर) ई 76, 48-52, टू आइसोस्ट्रक्चरल 3- (5-एरीरोक्सी-3-मिथाइल-1-फिनाइल-1 एच-पाइरोजोल-4-वाईएल(-1- (थायोफेन-2-वाईएल) प्रोप-2-एन-1-वन : विकार और सुप्रा-मॉलेक्यूलर असेंबली https://doi.org/10.1107/S205698901901658X

- एम.ए.ई. शईबा, एच.एस. यतीराजन, असमा, एन. मंजु, बी. कल्लुरैया, आर.एस. राठौर और सी.जी. ग्लाइडवेल (2020) एक्टा क्रिस्टलोग्राफिका ई (विले/आईयूसीआर) ई 76, 360-365. डायरिलकॉलकोंस का 4,5- डिहाईड्रोपिराजोल-1-कार्बोथायोआमाइडस में रूपांतरण: दो प्रीकर्जर्स तथा तीन प्रोडक्टस् की आण्विक और सुप्रा-मॉलेक्यूलर संरचनाए। https://doi.org/10.1107/S2056989020001735
- बी. पासम, के. एम. मेदीचेरला, आर.एस. राठौर, आर.एस. उपाध्यायुला (2019) केमिकल बायोलॉजी ड्रग डिज़ाइन (विली) 94(6), 2073-2083। मॉलेक्यूलर डायनामिक्स इनसाइटस् ऑन द रोल बीटा अगमेंटेशन ऑफ द पेप्टाइड एन-टर्मिनस विथ बाइन्डिंग साइट बीटा-हेयरपिन ऑफ प्रोप्रोटीन कनवरटेज़ सब्टिलिसिन/केक्सिन 9. https://doi.org/10.1111/cbdd.13612
- एच. किरण कुमार, एच.एस. यतिराजन, एन. मंजु, बी. कल्लुरैया, आर.एस. राठौर तथा सी.जी. ग्लाइडबेल (2019) एक्टा क्रिस्टलोग्राफिका धारा सी : स्ट्रक्चरल केमिस्ट्री (2019) (विले/आईयूसीआर) सी 75, 768-776 घटाए गए, 5-अरिल-ऑक्सिपाइराज़ोल-कार्बलडीहाइडस् में परिवर्तित होकर 3,4बाय-पाइराज़ोलस् : सेश्लेषण और लक्षण वर्णन तथा चार प्रीक्र्सस तथा दो प्रोडक्ट्स की संरचनाएं, शून्य, एक और दो आयामों में उनकी सुपरमॉलेक्यूलर असेंबली। https://doi.org/10.1107/S2053229619006752

डॉ. आशीष शंकर, सह-प्राध्यापक

प्रकाशन

- जैसवाल पी. के., शंकर ए., सिंह एन. के. (2019) एक्टिन के फ्लोजेनी और ट्यूबुलिन जीन विभिन्न यूकेरियोटिक प्रजातियों में होमोलॉग हैं। इंडियन जे जेनेट 79: 284-291
- आनंद के, कुमार एस, आलम ए, शंकर ए (2019) माइटोकॉन्ड्रियल जीन ऑफ आर्डर हिपनेल्स (ब्रायोपसिडा) में माइक्रोसेटेलाइटस् का खनन। प्लांट साइंस टुडे, 6: एसपी1

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 28 जून, 2019 को दार्जिलिंग में „हालिया रूझानों पर जैव सूचना विज्ञान" में प्री-कांग्रेस सैटेलाइट कार्यशाला / वर्कशॉप में आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत किया।
- 05-07 जुलाई, 2019 को पूर्णिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अगली पीढ़ी की अनुक्रमण और भविष्य की जीनोमिक्स पर पोस्ट-कांग्रेस सैटेलाइट कार्यशाला में 'अगली पीढ़ी की अनुक्रमण विधियों' शीर्षक एक आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत किया।

डॉ. अजय कुमार सिंह, सह-प्राध्यापक

प्रकाशन

- क्म्बोज एम., जैन के., सिंह डी.पी., सिंह ए.के., चतुर्वेदी, डी मॉलिक्यूलर मॉडेलिंग इन सिलिको डॉकिंग और नोवक टेम्प्लेट की जीवाणुरोधी अध्ययनों में सम्मिलित मॉक्रोसाइक्लिक कम्पलेक्सेज को सम्मिलित किया जाता है जिसमें आईसाटिन मोइटी शामिल है। जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, एलसेवियर, 2020 (1207) वॉल्यूम 1207, 5 मई 2020, 127602 (इंपैक्ट फैक्टर 2.120)
- रानी एस., सिंह ए. के., पासवान आर.आर. एट अल. नॉलीडिक्सिक एसिड से भरी सोया प्रोटीन आइसोलेट बायोपॉलीमेरिक फिल्मस की तैयारी, विशेषता, तथा जीवाणुरोधी मूल्यांकन। जे. पोलिम एनवायरन (2020) 28, 1841-1850 (2020) (इंपैक्ट फैक्टर 2.896)

एनवायरनमेंटल साइंस विभाग

क्रमांक	संकाय सदस्य के नाम	पदनाम	योग्यता
1	प्रो. राम कुमार	प्राध्यापक एवं अधिष्ठाता	पीएचडी
2	प्रो. प्रधान पार्थ सारथी	प्राध्यापक	पीएचडी
3	प्रो. उमेश कुमार सिंह	प्राध्यापक एवं प्रमुख	पीएचडी
4	डॉ. राजेश कुमार रंजन	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
5	डॉ. प्रशांत	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
6	डॉ. एन.एल. देवी	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी

संकाय उपलब्धियां/गतिविधियां :-

प्रो. प्रधान पार्थ सारथी, प्राध्यापक

प्रकाशन

- पी.पार्थ सारथी*, वर्षा गोस्वामी, अर्चिस्मन बारट, प्रवीण कुमार, सनी कुमार तथा आशुतोष के. सिन्हा "भारत के पूर्वी गंगा के मैदानी क्षेत्र में वर्षा और परिसंचरण मापदंडों के साथ ऐरोसोल ऑप्टिकल गहराई का संबंध" जर्नल ऑफ अर्थ सिस्टम साइंस, आईएसएसएन 2347-4327 (प्रिंट) 0973-774X (ऑनलाइन), इम्पैक्ट फैक्टर : 1.1, अप्रैल, **2019**
- प्रवीण कुमार तथा पी. पार्थ सारथी*, „„भूतल तापमान मूल्यांकन और भारत के भविष्य के अनुमानों का उपयोग कर सीएमआईपी 5 मॉडल"", जर्नल: शुद्ध और अनुप्रयुक्त भूभौतिकी। डीओआई: 10.1007/s00024-019-02203-6, अप्रैल, 2019, आईएसएसएन: 0033-4553 (प्रिंट) 1420-9136 (ऑनलाइन), इंपैक्ट फैक्टर: 1.652
- अर्चिस्मन बारट, पी.पार्थ सारथी*, सनी कुमार, प्रवीण कुमार तथा आशुतोष के. सिन्हा, „गुरूडोंगमार क्षेत्र, उत्तरी सिक्किम, भारत में सर्दियों के तापमान का अवलोकन और अनुकरण किया", मौसम, 71,1, जनवरी2020, 551-560, इंपैक्ट फैक्टर: 1, 2020
- प्रवीण कुमार, पी. पार्थ. सारथी, रिचा वत्स, „ओडिशा के क्योंझर जिले के लिए मलेरिया के मामलों और जलवायु घटकों के बीच एक संघ का मॉडल बनाना : एक आयोसियन दृष्टिकोण परजीवी रोगों का जर्नल, 19 मार्च, 2020, 44, 319-331 https://doi.org/10.1007/s12639-020-01210-y, इंपैक्ट फैक्टर 0.8
- प्रवीण कुमार तथा पी. पार्थ. सारथी „नासा के एनईएक्स जीडीडीपी के मूल्यांकन में भारत के सजातीय मानसून क्षेत्रों के ग्रीष्म तथा वर्षा ऋतु का मूल्यांकन", सैद्धांतिक एवं अनुप्रयुक्त जलवायु विज्ञान, मार्च 2020, https://doi.org/10.1007/s00704-020-03188-2, इंपैक्ट फैक्टर **2.67**
- पी. कुमार, पी. पार्थ. सारथी, एस. कुमार, ए. बारट, ए. के; सिन्हा, भारतीय ग्रीष्मकालीन वर्षा तथा उसके भविष्यगत संभावनाओं के सिमुलेशन में कॉर्डेक्स -आरसीएमएस तथा उनके चालक सीएमआईपीएस के जीसीएम का मूल्यांकन, अरेबियन जर्नल ऑफ जीओसाइंसेज 13 (5), 1-14, इंपैक्ट फैक्टर, 1-3 जनवरी, 2020, आईएसएसएन: 1866-7511

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 25 अप्रैल, 2019 को बिहार तथा झारखंड के जियोग्राफर के सहयोग में मगध विश्वविद्यालय, गया में „भारत के पूर्वी गंगा के मैदानी क्षेत्रों पर मौसमी सूखा / अकाल'' शीर्षक पर स्थापना दिवस पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- 11-14 दिसंबर, 2019 के दौरान, आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय, विशाखापट्टनम में मौसम तथा जलवायु के संदर्भ में भूमि महासागर और वायुमंडल इंटरएक्टिव प्रक्रियाओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में **आशुतोष के. सिन्हा**, प्रवीण कुमार, सनी कुमार, **अर्चिस्मन बारट** तथा देवेंद्र कुमार तिवारी के सहयोग से पी.पार्थ, सारथी ने चार पत्र प्रस्तुत किये जिनके शीर्षक हैं- (1) अतीत में बंगाल की खाड़ी में उष्णकटिबंधीय चक्रवाती उथल-पुथल (2) गंगा के मैदानों की घाटियों पर भारतीय ग्रीष्मकालीन मॉनसून की परिवर्तनशीलता (3) वर्तमान और भविष्य की जलवायु में पूर्वी गंगा के मैदान में सूखे तथा अकाल की स्थिति का अध्ययन तथा (4) एमटीआरोपीएमईटी-2019 में गंगा के मैदान पर भूमि उपयोग और भूमि अर्बन गर्म द्वीप समूह का अध्ययन ।
- 24-26 फरवरी, 2020 के दौरान नेशनल सेंटर फॉर मीडियम रेंज वेदर फोरकास्टिंग (एनसीएमआरडब्लयूएफ, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नोएडा यू.पी., भारत में एनसेंबल मेथडस् इन मॉडेलिंग एंड डेटा एशिमिलेशन (ईएमएमडीए) के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया।

अन्य गतिविधियां/ उपलब्धियां

- सम्न्वयक, लाइटनिंग सेंसर (भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित), भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे (एमओईएस के नोडल संस्थान, भारत सरकार) के सहयोग से पर्यावरण विज्ञान विभाग में स्थापित किया गया।

प्रो. उमेश कुमार सिंह, प्राध्यापक एवं प्रमुख

प्रकाशन

- इंद्राणी मुखर्जी, उमेश कुमार सिंह, राजीव प्रताप सिंह, अंशुमाली, दीपा कुमारी, पवन कुमार झा, पंकज मेहता (2019), „पूर्वी भारत में भारी धातु प्रदूषण और भूवैज्ञानिक रूप से अर्द्धशुष्क क्षेत्र और पारिस्थितिक का मानव पर प्रभाव तथा परिस्थितियों और मानव स्वास्थ्य के जोखिमों का मूल्यांकन' साईंस ऑफ द टोटल एनवायरनमेंट https://doi.org/10.1016/j.scitotenv.2019.135801 (आईएफ: 5.589)
- इंद्राणी मुखर्जी, उमेश कुमार सिंह (2019) 'फ्लोराइड की बहुतायत और भूजल में उनकी रिहाई के तंत्र के साथ-साथ पूर्वी भारत के भूगर्भीय रूप से विषम अर्द्धशुष्क क्षेत्र में मानव स्वास्थ्य के जोखिमों पर अध्ययन' माइक्रोकैमिकल जर्नल https://doi.org/10.1016/j.microc.2019.104304 (आईएफ: 3.206)
- संजय शिल, उमेश कुमार सिंह, पंकज मेहता (2019) 'जल गुणवत्ता सूचकांक (डब्ल्यूक्यूआई), बहुभिन्नरूपी सांख्यिकीय तकनीकों और जीआईएस का उपयोग करके एक उष्णकटिबंधीय नदी के जल का गुणवत्ता मूल्यांकन' एप्लाईड वाटर साईंस https://doi.org/10.1007/s13201-019-1045-2
- संजय शिल, उमेश कुमार सिंह (2019) ''स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन और एक उष्णकटिबंधीय नदी के तटीय प्रणाली में भारी धातुओं और धातु के स्थानिक परिवर्तन'' इकोलॉजिकल इंडीकेटर्स https://doi.org/10.1016/j.ecolind.2019.105455 (आईएफ: 4.490)
- इंद्राणी मुखर्जी, उमेश कुमार सिंह, पुलक कुमार पात्रा (2019) 'पूर्वी भारत के अर्द्धशुष्क क्षेत्र में भूजल फ्लोराइड जोखिम से संबंधित मानव स्वास्थ्य जोखिम का आकलन करने के लिए बहु-आयामी जोखिम मार्ग की खोज'' कीमोस्फीयर https://doi.org/10.1016/j.chemosphere.2019.05.278 (आईएफ: 5.108)

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 25-26 नवंबर 2019 के दौरान, भारत सरकार के उपभोक्ता विभाग द्वारा प्रायोजित तथा आईआईपीए नई दिल्ली के सहयोग से एस.एम.एस.जी. कॉलेज, शेरघाटी (गया, बिहार)के भूगोल विभाग द्वारा 'उपभोक्ता अधिकार, उपभोग पद्धति तथा पर्यावरण संबंधी चिंता' शीर्षक पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में "उपभोग पद्धति तथा पर्यावरणिक चुनौतियों" शीर्षक पर महत्वपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- 06-07 फरवरी, 2020 के दौरान एफआईसीसीआई, नई दिल्ली में पर्यावरणीय प्रदूषण तथा आपदा जोखिम न्यूनीकरण में हालिया रूझानों संबंधी शीर्षक के राष्ट्रीय सम्मेलन में "जल प्रणालियों में भारी धातु प्रदूषण" शीर्षक विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

अन्य गतिविधियां/ उपलब्धियां

- 05-09 अगस्त, 2019, 09-13 सितंबर, 2019 तथा 13-17 जनवरी, 2020 के दौरान एमएचआरडी के अंतर्गत वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली में "पर्यावरण विज्ञान की शब्दावली" के अद्यतन तथा समीक्षा हेतु आयोजित राष्ट्रीय स्तर की बैठक में विषय विशेषज्ञ (पर्यावरण विज्ञान) के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 21-23 नवंबर, 2019 के दौरान देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश का दौरा करने के लिए नैक (एनएएसी) पीयर टीम के सदस्य के रूप में नियुक्त हुए।

डॉ. राजेश कुमार रंजन, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- खान ए., गुप्ता ए., सिंह, पी. मिश्रा, ए.के., रंजन आरे.के., श्रीवास्तव ए., 2019, सिदेरोफोर-एसिस्टेड कॉडमियम हाईपरएक्यूमुलेशन इन बॉसिलस सबटीलिस. अंतर्राष्ट्रीय माइक्रोबियल https://doi.org/10.1007/s10123-019-00101-4
- अहमद आर, कौशिक एच, रंजन आर. के.* 2019 पटना, बिहार (भारत) की शहरी मिट्टी में सूक्ष्म जीव समुदायों और भारी धातुओं का आकलन। अरेबियन जर्नल ऑफ जियोसाइंसेज़ 12:20 https://doi.org/10.1007/s12517-018-4188-9
- असलम ए., रंजन आर.के.*,सिंह के.,2019,जल प्रदूषण: स्त्रोत, पर्यावरण पथ और विषाक्तता। मनोज कुमार, राजनारायण,आर. तिवारी पर्यावरण स्वास्थ्य में हालिया रूझान तथा प्रगति में (संस्करण), नोवा विज्ञान प्रकाशन, आईएसबीएन: 978-1-53615-661-4.406 पृष्ठ

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 03-07 सितंबर, 2019 के दौरान बख्तियार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पटना के सिविल इंजीनियरिंग विभाग में "भूजल संसाधनों के सतत प्रबंधन" विषय पर 5 दिवसीय व्यावसायिक विकास कोर्स में "बिहार के पटना जिले के भूजल में यूरेनियम संदूषण" शीर्षक से मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- 06-07 फरवरी, 2020 के दौरान एफआईसीसीआई फेडरेशन हाउस, तानसेन मार्ग, नई दिल्ली-110001 में पर्यावरण प्रदूषण और आपदा जोखिम न्यूनीकरण में हालिया रूझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित वक्ता के तौर पर शामिल हुए तथा महत्वपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. प्रशांत, सहायक प्राध्यापक

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 14 फरवरी, 2020 को पटना के अरण्य भवन में 'रोडमैप फॉर मिशन टू एक्शन विथ क्लाइमेट इंटीग्रेशन: जल-जीवन-हरियाली' में आमंत्रित वक्ता के रूप में शामिल हुए।

- 28 सितंबर, 2019 को पटना के होटल मौर्या में सीईईडी (सीईईडी) तथा यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो द्वारा "वायु प्रदूषण और उसके स्वास्थ्य" शीर्षक पर आयोजित कार्यशाला में आमंत्रित वक्ता के रूप में शामिल हुए।
- 03-07 सितंबर, 2019 के दौरान पटना के होटल चाणक्य में "सतत जल संसाधनों के सतत प्रबंधन" (एसएमजीआर-2019) विषय पर व्यावसायिक विकास कोर्स में आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. एन.एल. देवी, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- यादव आई.सी., देवी एन.एल., कुमार ए, ली.जे.झंग जी. (2020) भारतीय राज्य बिहार के भवनों के भीतर एयरबोर्न ब्रोमिनेटेड, क्लोरीनयुक्त और ऑर्गेनोफॉस्फेट एस्टर फ्लेम रिटार्डेन्टस्: स्त्रोत की खोज और मानव प्रदर्शन। इकोटॉक्सिकोलॉजी तथा पर्यावरणिक सुरक्षा। 191,110212.
- देवी.एन.एल. (2020) निरंतर कार्बनिक प्रदूषक (पीओपी): पर्यावरणीय जोखिम, विषैले प्रभाव तथा भविष्य के शोध के लिए पर्यावरण सुरक्षा और चुनौतियों के लिए बॉयोरेमेडिएशन, पर्यावरण सुरक्षा के लिए औद्यौगिक अपशिष्ट का बॉयोरेमेडिएशन, स्प्रिंगर, सिंगापुर, DOI:https://doi.org/10.1007/978-981-13-1891-7_4
- सानू के, यादव आई.सी., कुमार ए, देवी एन.एल. 2019, पटना भारत से अनेक पर्यावरण नमूनों में भारी धातुओं के संदूषण के आकलन पर डेटासेट संक्षिप्त डेटा 25,104079

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- जनवरी, 2020 में लंदन, यूनाइटेड किंगडम में आयोजित वायु गुणवत्ता, स्वास्थ्य तथा वायुमंडल पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

लाईफ साईंस विभाग

क्रमांक	संकाय सदस्य के नाम	पदनाम	योग्यता
1	डॉ. गौतम कुमार	सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (प्रभारी)	पीएचडी
2	डॉ. तारा काशव	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
3	डॉ. अमृता श्रीवास्तव	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
4	डॉ. मनोज पंचाल	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी

संकाय उपलब्धियां/गतिविधियां:-

डॉ. गौतम कुमार, सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (प्रभारी)

प्रकाशन

शोध तथा समीक्षा लेख

- बासू. एस., कुमार ए., बेनज़ीर आई., कुमार जी' (2020) फसल के पौधों में लवणता सहिष्णुता में सुधार के लिए आयन होमियोस्टैसिस की भूमिका का पुन: आकलन। फिजियोलॉजिया प्लांटारम. DOI: 10.1111/ppl.13112 (इंपैक्ट फैक्टर: **4.148**)

- ❖ कुमार एस., द्विवेदी एस.के., बासू एस., कुमार जी., मिश्रा जे.एस., कोले टी.के., राव के.के., चौधरी ए.के., मंडल एस., कुमार एस., भक्त एन., भट्ट बी.पी., पॉल आर.के., कुमार ए. (2020) भारत के पूर्वी क्षेत्र में संचयी और विशिष्ट सूखे की स्थिति के तहत चावल में शारीरिक, कृषि-रूपात्मक और शारीरिक परिवर्तन। खेती फसल संबंधी शोध 245(1), 107658. DOI: https://doi.org/10.1016/j.fcr.2019.107658 (इंपैक्ट फैक्टर: 4.308)
- ❖ द्विवेदी एस. के., बालू एस., कुमार एस., कुमारी एस., कुमार ए., झा एस., मिश्रा जे.एस., भट्ट बी.पी., कुमार जी* (2019) एंथेर को विकसित करने में उन्नत एंटीऑक्सिडेंट एंजाइम की गतिविधियां गर्मी के तनाव को कम करने और गेहूं फसल की पैदावार में योगदान करती है। फंक्शनल प्लांट बॉयोलॉजी। 46(12), 1090-1102 (इंपैक्ट फैक्टर: **2.62**)

पुस्तक अध्याय

- ❖ बासू एस., कुमार जी*(2020) फाईटोमाइक्रोबिओम में तनाव संकेत : चौड़ाई तथा क्षमता। कुमार एम., कुमार वी, प्रसाद आर (ईडीएस) में, तनाव नियमन में फाईटोमाइक्रोबिओम। स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर, पी.पी. 245-268
- ❖ बासू एस., कुमार जी* (2020) एक फली-राईज़ोबियम सहजीवन में नाईट्रोजन निर्धारण : एक सफलता की कहानी की जड़ें। वर्मा ए, त्रिपाठी एस, प्रसाद आर (ईडीएस) में। प्लांट माइक्रोब सिंबायोसिस। स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर,पी.पी. 35-53

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- ❖ 26-27 सितंबर, 2019 के दौरान बिहार राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी और यूनिसेफ, बिहार द्वारा युवाओं के लिए आयोजित एचआईवी / एड्स तथा अभिभावकों से बच्चों में संक्रमण संबंधी राज्य स्तरीय अभिविन्यास कार्यशाला में भाग लिया।
- ❖ 19-30 अगस्त, 2019 के दौरान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र में जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में 24वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

प्राप्त पुरस्कार / अनुदान

- ❖ 30 जून, 2019 को सामाजिक नवाचार एक्सपो, पटना में अचीवर्स गैलरी 2.0 द्वारा 'प्रेरक वक्ता पुरस्कार' प्राप्त किया।

अन्य गतिविधियां/ उपलब्धियां

- ❖ 24 दिसंबर, 2019 को राज्य स्वास्थ्य सोसायटी, बिहार और बिहार राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी द्वारा आयोजित बिहार जनसंख्या नीति के संशोधन: किशोरों और युवाओं की आवश्यकताओं को संबोधित करते हुए एक विमर्श में एक आमंत्रित के रूप में भाग लिया।

डॉ. तारा काशव, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- ❖ एमियोट्रॉपिक लैटेरल स्केलेरोसिस: वर्तमान चिकित्सीय परिप्रेक्ष्य; विजय कुमार, तारा काशव, एमडी इम्तियाज हसन, 2019, पुस्तक का शीर्षक: पैथोलॉजी, रोकथाम और न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग की चिकित्सा; पृष्ठ 207-224, स्प्रिंगर प्रकाशक, सिंगापुर।

2. स्कूल ऑफ एजुकेशन

शिक्षक शिक्षा विभाग

क्रमांक	संकाय सदस्य के नाम	पदनाम	योग्यता
1	प्रो. रेखा अग्रवाल	प्राध्यापक	पीएचडी
2	प्रो. कौशल किशोर	प्राध्यापक, अधिष्ठाता एवं प्रमुख	पीएचडी
3	डॉ. तपन कुमार बसंतिया	सह प्राध्यापक	पीएचडी
4	डॉ. रवि कांत	सह प्राध्यापक	पीएचडी
5	डॉ. मितांजलि साहू	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
6	डॉ. रिंकी	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
7	डॉ. चंद्र प्रभा पांडे	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
8	डॉ. तरुण कुमार त्यागी	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
9	डॉ. प्रज्ञा गुप्ता	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
10	डॉ. रवीन्द्र कुमार	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
11	डॉ. किशोर कुमार	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
12	डॉ. मोज़ाम्मिल हसन	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
13	डॉ. नृपेंद्र वीर सिंह	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
14	डॉ. कविता सिंह	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
15	डॉ. स्वाति गुप्ता	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
16	डॉ. मनीष कुमार गौतम	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
17	श्री अंशु भारद्वाज	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
18	सुश्री निधि नियनम	सहायक प्राध्यापक	यूजीसी-नेट
19	डॉ. रितेश कुमार	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
20	सुश्री संजना तिर्की	सहायक प्राध्यापक	यूजीसी-नेट
21	डॉ. राम अवध	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
22	डॉ. आरती मिश्रा	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
23	डॉ. शशिकांत सिंह	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी

संकाय उपलब्धियां/गतिविधियां :-

प्रो. रेखा अग्रवाल, प्राध्यापक

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 30 मार्च, 2019 को सेना के शिक्षा संस्थान, ग्रेटर नोएडा में "अभिनव और रचनात्मक शिक्षा और शिक्षण" शीर्षक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आशीर्वादात्मक व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- 02-04 मई, 2019 के दौरान स्वामी राम कृष्ण परमहंस शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, बोकारो (झारखंड) में एक पाठ पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन।
- 01-30 जून, 2019 के दौरान सीयूएसबी में एमएचआरडी की पीएमएमएमएनटीटी योजना के तहत एक महीने के फैकल्टी इंडक्शन प्रशिक्षण प्रोग्राम के दौरान 'अंडरस्टैंडिंग सेल्फ' (1 जून) और 'इनोवेशन पेडागोजी'(29 जून) विषय पर सत्रों का आयोजन किया।

- 16 फरवरी, 2020 को मुरादाबाद के श्री बालाजी अकादमी में भारतीय युवाओं के बीच अशांति विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्घाटन भाषण।

अन्य गतिविधियां / उपलब्धियां

- 3-8 दिसंबर, 2019 के दौरान प्रो. रेखा अग्रवाल द्वारा आयोजित शिक्षण तथा मूल्यांकन में नए कार्यों तथा प्रयोगों तथा इन्नोवेशन पेडागॉजी पर कार्याशाला-सह-प्रशिक्षण के लिए 'सीयूएसबी पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन शिक्षक तथा शिक्षण पुरस्कार-2019।
- 25 फरवरी 2020 से 2 मार्च 2020 तक प्रो. रेखा अग्रवाल द्वारा नवाचार पर कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- सीयूएसबी में शोध और मूल्यांकन में चिंता विषय पर शिक्षा के लिए एनआरसी के लिए एमएचआरडी के अर्पित (ARPIT) कार्यक्रम के लिए उन्नत सांख्यिकी पर वीडियो व्याख्यान रिकॉर्ड किए गए।

प्राप्त पुरस्कार / अनुदान

- 5 सितंबर, 2019 को स्वामी राम कृष्ण परमहंस शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, बोकारो (झारखंड) द्वारा 'विशिष्ट शिक्षा सम्मान'।

प्रो. कौशल किशोर, प्राध्यापक, अधिष्ठाता एवं प्रमुख

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 26-28 फरवरी, 2020 के दौरान विज़ुअल इम्पेयरमेंट, डीएसएमएनआर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा डिपार्टमेंट ऑफ़ विज़ुअल इम्पेयरमेंट (दिव्यांग) व्यक्तियों की शिक्षा तथा पुनर्वास के साथ शिक्षा और शोध के लिए नवीन व्यवहार और शोध विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा पत्र प्रस्तुत किया।
- 26-28 फरवरी, 2020 के दौरान विज़ुअल इम्पेयरमेंट, डीएसएमएनआर विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित विज़ुअल इम्पेयरमेंट (दिव्यांग) व्यक्तियों की शिक्षा तथा पुनर्वास के साथ शिक्षा और शोध के लिए नवीन व्यवहार और शोध विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में कार्य किया और एक सत्र की अध्यक्षता की।
- विभिन्न विश्वविद्यालयों / संस्थानों जैसे सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक; बीबीए विश्वविद्यालय, लखनऊ; लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ; एमजीएएच विश्वविद्यालय, वर्धा; बीएचयू, वाराणसी; इत्यादि में कई आमंत्रित व्याख्यान दिए।

प्राप्त पुरस्कार/ अनुदान

- पीएमएमएमएनएमटीटी योजना के तहत एक परियोजना प्राप्त की।
- 14.70 लाख रुपये की राशि (एआईसीटीई द्वारा) और 5.00 लाख रुपये की राशि (एमएचआरडी द्वारा - अर्पित/ARPIT 2018 के बाद से जारी अनुदान) अर्पित / ARPIT पाठ्यक्रम चलाने के लिए प्राप्त किया।

अन्य गतिविधियां / उपलब्धियां

- स्वयं (SWAYAM) के माध्यम से, भारत सरकार के एमएचआरडी के वार्षिक रिफ्रेशर प्रोग्राम के तहत 'शैक्षिक शोध तथा मूल्यांकन संबंधी प्रसंग' शीर्षक एक ऑनलाइन रिफ्रेशर पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया तथा पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में कार्य किया।

डॉ. तपन कुमार बसंतिया, सह प्राध्यापक

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 6-9 नवंबर, 2019 के दौरान क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एनसीईआरटी/NCERT), भुवनेश्वर द्वारा आयोजित 'पूर्व-सेवा शिक्षक शिक्षा में फील्ड एंगेजमेंट पर हैंड बुक का विकास' विषय पर चार दिवसीय कार्यशाला में प्रमुख व्यक्ति के रूप में कार्य किया।
- 02-08 दिसंबर, 2019 के दौरान सीयूएसबी के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा आयोजित, एमएचआरडी के पीएमएमएमएनएमटीटी योजना के तहत प्रायोजित 'सीयूएसबी पीएमएमएमएनएमटीटी पुरस्कार' संबंधी साप्ताहिक राष्ट्रीय कार्यशाला में 'सीयूएसबी पीएमएमएमएनएमटीटी पुरस्कार का चयन' शीर्षक (दो सत्रों में) में प्रमुख व्यक्ति के रूप में कार्य किया।
- 25 फरवरी से 2 मार्च, 2020 के दौरान सीयूएसबी के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा आयोजित एमएचआरडी के पीएमएमएमएनएमटीटी योजना के तहत प्रायोजित 'इनोवेशन पेडागॉगी' संबंधी साप्ताहिक राष्ट्रीय कार्यशाला में 'रचनात्मकता केन्द्रित कक्षा' शीर्षक (दो सत्रों में) में प्रमुख रूप से कार्य किया तथा व्याख्यान प्रस्तुत किए।

डॉ. रविकांत, सह प्राध्यापक

प्रकाशन

- कांत आर. (2019) विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों पर इंटरनेट की आसक्ति की खोज: दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया का एक अध्ययन, शोध तथा शिक्षा पर प्रभाव, 17 (3): 1-7
- कांत आर. (2019) भावनात्मक बुद्धिमत्ता : विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों पर एक अध्ययन, शिक्षा और शिक्षण जर्नल (एडूलर्न), 13(4):441-446, DOI: 10.11591/edulearn.v13i4.13592
- कांत आर. (2020) सोशल मीडिया: आकर्षण या आसक्ति; एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ एजुकेशन, आर्ट्स एंड साइंसेज़, 7(1): 1-8

डॉ. मीतांजलि साहू, सहायक प्राध्यापक

संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 27-28 जनवरी, 2020 के दौरान रावेनशॉ विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा आयोजित सामाजिक समावेश, सतत विकास और सशक्तीकरण विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी आईएटीई में '21वीं सदी की महिला सशक्तिकरण में शिक्षा की भूमिका' शीर्षक एक पत्र प्रस्तुत किया।
- 23-24 नवंबर, 2019 के दौरान हरि नारायण सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर एजुकेशन, बैजाला, सासाराम, बिहार द्वारा "शोध प्रस्ताव की तैयारी" और "उपलब्धि परीक्षण का निर्माण" विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

अन्य गतिविधियां / उपलब्धियां

- वर्ष 2019-20 के दौरान अर्पित/ARPIT स्कीम के तहत स्वयं/SWAYAM प्लेटफॉर्म पर सीयूएसबी द्वारा "मूल्यांकन और अनुसंधान" पर आयोजित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स के लिए प्रत्येक 3 क्वाड्रांटस् की "स्थापना विश्वसनीयता और एक पाठ की वैधता" पर एक मॉड्यूल विकसित किया।

डॉ. रिंकी, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- रिंकी, कुमार जे. (2019) पर्यावरणीय पतन: वैश्विक पर्यावरणीय समस्याएं एस. लहिड़ी (सं.) में, पर्यावरण संबंधी शिक्षा (पृष्ठ 127-144) स्टडेरा प्रेस।
- कुमार जे. तथा रिंकी (2019) पर्यावरणीय प्रदूषण: प्रकार तथा परिणाम एस. लहिड़ी (सं.) में पर्यावरण संबंधी शिक्षा (पृष्ठ- 145 - 178) स्टडेरा प्रेस।

प्राप्त पुरस्कार/ अनुदान

- काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी द्वारा एमएचआरडी की पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन शिक्षक एवं शिक्षण योजना के तहत '7वीं के विद्यार्थियों तथा उनकी खुशियों पर विज्ञान की उपलब्धियों तथा गतिविधियों का प्रभाव।'

अन्य गतिविधियां / उपलब्धियां

- सितंबर और अक्टूबर, 2019 के महीने में सीयूएसबी के आस-पास के गांवों में स्थित उच्च प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में उन्नत भारत अभियान, सीयूएसबी, गया के बैनर तले 45 दिनों तक उपचारात्मक निर्देश कार्यक्रम' के लिए कार्यक्रम संयोजक के रूप में कार्य किया।

डॉ. चन्द्रप्रभा पांडे, सहायक प्राध्यापक

प्राप्त पुरस्कार/अनुदान

- एमएचआरडी के इंप्रेस (IMPRESS/आईएमपीआरईएसएस) योजना के तहत आईसीएसएसआर द्वारा एक प्रमुख शोध परियोजना प्राप्त की। परियोजना का शीर्षक : "नागरिकता के लिए शिक्षा : नीति और उसके निहितार्थ का एक विश्लेषण"।

डॉ. तरुण कुमार त्यागी, सहायक प्राध्यापक

संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 19-21 दिसंबर, 2019 के दौरान आरआईई, अजमेर (एनसीईआरटी) द्वारा गणित में शिक्षण-अध्ययन विषय पर आयोजित 8वें राष्ट्रीय सम्मेलन में, "मध्य विद्यालय के बच्चों में गणितीय रचनात्मकता को बढ़ावा देना। कई समाधान कार्यों तथा कई तरीकों का उपयोग", शीर्षक एक शोध लेख प्रस्तुत किया।

अन्य गतिविधियां / उपलब्धियां

- सीयूएसबी द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (अर्पित/एआरपीआईटी) में चार दृश्य व्याख्यान/विडियो लेक्चर (चार क्वाड्रान्ट्स् के साथ) प्रस्तुत किए।

डॉ. प्रज्ञा गुप्ता, सहायक प्राध्यापक

संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 20 जून 2019 - 19 जुलाई 2019 के दौरान शिक्षक शिक्षा के लिए अंतर विश्वविद्यालयी केंद्र, एजुकेशन विभाग (सीएएसई तथा आईएएसई), शैक्षिक मनोविज्ञान संकाय, एमएस यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा द्वारा आयोजित एक महीने के फैक्लटी इंडक्शन प्रोग्राम में भाग लिया।

डॉ. रविन्द्र कुमार, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- कुमार, आर (सितंबर 2019)। पाचवीं कक्षा के आंख-हाथ समन्वय में विकलांगों पर उपचारात्मक शिक्षण के रूप में सीएआई पर एक अध्ययन। द प्राइमरी टीचर (आईएसएसएन 0970-9282) नई दिल्ली: राष्ट्रीय शैक्षिक शोध और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) 41(2) पृष्ठ 31-40
- कुमार. आर तथा सुरक्षा (जनवरी 2020) शिक्षण अक्षमता के प्रकार की विकलांगता में बच्चों की उपचारात्मक शिक्षण के रूप में कंप्यूटर की सहायता से अनुदेशात्मक शिक्षा का उपचारात्मक शिक्षण के लिए अभिनव उपकरण के रूप में उपयोग। इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल टेक्नो लॉजी (आईएसएसएन 2581-8325)। नई दिल्ली: केंद्रीय शैक्षिक तकनीक संस्थान (सीआईईटी), राष्ट्रीय शैक्षिक शोध और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) 2(1), पृष्ठ 73-83

संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 09-12 मार्च, 2020 के दौरान महाराष्ट्रा, मुंबई, के एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय के टीचिंग लर्निंग सेंटर (टीएलसी) द्वारा "ऑनलाइन माध्यम से आयोजित दो उपविषयों, 'आईसीटी टूल्स फॉर कोलॉबोरेशन' तथा 'कोऑपरेटिव लर्निंग' से युक्त 'ऑनलाइन और ब्लेंडेड लर्निंग" शीर्षक पर दो सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया तथा ए प्लस ग्रेड प्राप्त किया।
- 02 से 14 जनवरी, 2020 के दौरान यूजीसी-एचआरडीसी, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित दो सप्ताह के 'टीचर एजुकेशन इन रिफ्रेशर कोर्स', में भाग लिया तथा ए ग्रेड प्राप्त किया।
- 8 नवंबर 2019 को जारी किए गए प्रमाण पत्र के अनुसार केंद्रीय विश्वविद्यालय केरल द्वारा संचालित 'करिकुलम डिज़ाइन एंड ई-कंटेट डेवलपमेंट' पर करियर उन्नति योजना को बढ़ावा देने के लिए अर्पित पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।
- 02-04 सितंबर, 2019 के दौरान शिक्षक शिक्षा विभाग, एनएएस (पीजी) कॉलेज, मेरठ, यूपी में 'शिक्षा में आईसीटी संसाधनों के उपयोग' विषय पर प्रमुख व्यक्ति के तौर पर तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की।

डॉ. किशोर कुमार, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- कुमार के. तथा कुमार जे. (2019) चार वर्षीय एकीकृत शिक्षक शिक्षा प्रोग्राम के प्रति विद्यार्थी-शिक्षकों का दृष्टिकोण। थिंक इंडिया जर्नल (आईएसएसएन 0960-1261) 22 (10)।
- कुमार. के. तथा कुमारी. एम. (2019)। माध्यमिक स्तर पर संबंध उपलब्धि प्रेरणा में विद्यार्थियों के गणितीय योग्यता का अध्ययन। थिंक इंडिया जर्नल (आईएसएसएन 0960-1261) 22 (14)।
- कुमार, के. एंड कुमारी, एम. (2019) माध्यमिक स्तर पर गणितीय योग्यता के संबंध में विदयार्थियों के गणित में शैक्षणिक उपलब्धि का अध्ययन। स्टडीज़ इंडियन प्लेस नेम्स (आईएसएसएन 2394-3114)। 40 (20) |

डॉ. मो० मोज़म्मिल हसन, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- ज़ैदी. ज़ेड. आई. तथा हसन एम.एम. (2019) आईसीटी मिश्रित मूल्यांकन प्रणाली : प्रकृति, मुद्दे और चुनौतियां। जामिया जर्नल ऑफ एजुकेशन (आईएसएसएन 2348 3490), 6 (1)। नई दिल्ली : जेएमआई

डॉ. नृपेंद्र वीर सिंह, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- सिंह. एन. वी., सिंह. के. तथा कुमार पी. (2020)। प्राकृतिक कपड़ा उद्योगों के लिए एक उभरता हुआ पर्यावरण के अनुकूल समाधान। प्रदूषण शोध (आईएसएसएन 0257-8050)। 39 (फरवरी सप्लीमेंट) 80-86।
- सिंह. एन.वी. (दिसंबर 2019)। लिंग तथा क्षेत्र के संबंध में पर्यावरण के अनुकूल कार्रवाई में भावी शिक्षकों की भागीदारी का अध्ययन। थिंक इंडिया जर्नल । 22 (14)

डॉ. कविता सिंह, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- सिंह के. (2019) । हमारे विद्यालय कितने बाल सहयोगी हैं ? शिक्षकों के सहायोग, अनुदेशात्मक प्रथाओं तथा उनके विद्यालयों में सामुदायिक भागीदारी पर विद्यार्थियों की राय। थिंक इंडिया जर्नल, 22 (14), 9702-9710
- सिंह के. (2019) । हमारे विद्यालय कितने समावेशी, सुरक्षित और सुसज्जित हैं ? अपने विद्यालय के बच्चों के अनुकूल वातावरण के प्रति माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की राय, जर्नल ऑफ गुजरात रिसर्च सोसाइटी, 21 (14), 721-728 यूजीसी केयर आईएसएसएन नं. 0971-1260 तथा 0374-8588 क्रमश: के साथ सूचीबद्ध है।

डॉ. स्वाति गुप्ता, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- गुप्ता. एस. (2019) क्या शिक्षक सृजनात्मकता का विकास करना चाहते हैं ? जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लीनरी साइकल रिसर्च, वॉल्यूम XI (XII), पृष्ठ 872-888
- गुप्ता एस. (2019) सृजनात्मकता के विकास के प्रति शिक्षकों का दृष्टिकोण: मापदंड का विकास तथा मान्यता। आवर हेरिटेज, वॉल्यूम 67 (2), पृष्ठ 1287 -1308

डॉ. मनीष कुमार गौतम, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- गौतम. एम.के. (2019) उद्यमशीलता की मानसिकता को बढ़ावा देने के लिए शिक्षण अधिगम दृष्टिकोण की पहचान। गुजरात रिसर्च सोसायटी का जर्नल, 21 (14) 369-387
- गौतम , एम के. (2019). गणित शिक्षकों का जेंडर विश्वास एवं विद्यार्थियों की उपलब्धि: साहित्य का पूर्वालोकन . दृष्टिकोण, 11(6), पृष्ठ. 238-253.

विभाग स्तरीय कार्यक्रम / गतिविधियां

- प्रो. रेखा अग्रवाल की देख-रेख में तथा प्रो. कौशल किशोर तथा डा. रिंकी की संयोजकता में अन्य संकायों द्वारा सदस्यों के रूप में समर्थित स्कूल ऑफ एजुकेशन ने एमएचआरडी की पीएमएमएमएनएमटीटी योजना द्वारा प्रायोजित 01 जून 2019 से 30 जून 2019 तक 30 दिवसीय फैकल्टी इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

3. स्कूल ऑफ ह्यूमन साइंसेज़

साइकोलॉजिकल सांइसेज विभाग

क्रमांक	संकाय सदस्य के नाम	पदनाम	योग्यता
1	प्रो. तेज बहादुर सिंह	प्राध्यापक, अधिष्ठाता (प्रभारी)	पीएचडी (सीआईपी, रांची)
2	डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंह	सह प्राध्यापक एवं प्रमुख	एमफिल, पीएचडी (आरआईएनपीएएस, रांची)
3	डॉ. नरसिंह कुमार	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी (आईआईटी, गुवाहाटी)
4	डॉ. दास अंबिका भारती	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी (बीएचयू, वाराणसी)
5	डॉ. मंगलेश कुमार मंगलम	सहायक प्राध्यापक	एमफिल, पीएचडी (सीआईपी, रांची)
6	डॉ. चेतना जैसवाल	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी (राजस्थान विश्वविद्यालय)

संकाय उपलब्धियां/गतिविधियां :-

डा. धर्मेंद्र कुमार सिंह, सह प्राध्यापक एवं प्रमुख

प्रकाशन

- धर्मेंद्र कुमार सिंह (2019) नियोजित तथा गैर नियोजित महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता, मुश्किलें तथा आत्म सम्मान : एक तुलनात्मक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ सोशल वर्क, वॉल्यूम-1, अंक 2। एक सहकर्मी जर्नल (ऑनलाइन) आईएसएसएन नं. 2582/393
- धर्मेंद्र कु. सिंह (2019) सिज़ोफ्रेनिक मरीज़ों में साइकोपैथोलॉजी और कॉग्निटिव फंक्शनिंग के संदर्भ में सोशल फक्शनिंग का अध्ययन पाटलीपुत्र जर्नल ऑफ इंडोलॉजी। वॉल्यूम 13, नं.-2, नं. 41629 को यूजीसी ने सूचीबद्ध किया। आईएसएसएन नं. 232035 आईएक्स
- धर्मेंद्र कुमार सिंह (2020) शराब पर निर्भर व्यक्ति में आत्मसम्मान तथा समायोजन। पुरकला (यूजीसी केयर जर्नल) (वॉल्यूम -31, नं. -08। इंपैक्ट फैक्टर 5.60.आईएसएसएन नं. - 09712143

संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला में प्रतिभागिता

- इंडिया साइकोलॉजिकल एसोशिएशन तथा यूजीसी, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित बी.एन.मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा के साइकोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कहानी कहना : बच्चों में तनाव कम करने के लिए थेरेपी' शीर्षक एक पत्र प्रस्तुत किया (2019)।
- केन्द्रीय मनोविज्ञान संस्थान, रांची के मनोचिकित्सा सामाजिक कार्य विभाग द्वारा पेशेवर सामाजिक कार्य के भारतीय समिति के 38वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में "मानसिक स्वास्थ्य मामलों में मीडिया उपयोग तथा समाज पर उसका प्रभाव" शीर्षक सिम्पोसियम प्रस्तुत किया (फरवरी 2020) ।

डॉ. नरसिंह कुमार, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- कुमार एन. (2019) कॉल सेंटर के कर्मचारियों में तनाव तथा कल्याण के निर्धारक। प्रबंधन के जर्नल आईएईएमई 6, (2), 19-24. (यूजीसी अनुमोदित : नं. 48565).

संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 11-13 जुलाई के दौरान ताइपेई, तायवान में 13वीं द्विवार्षिक एशियाई सामाजिक एसोसिएशन (एएएसपी) सम्मेलन में „भारत में खुशी : साहित्य की समीक्षा" शीर्षक एक पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. मंगलेश कुमार मंगलम, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- मंगलम एम.के., लॉन्ग्चर. एस. (2019)। सिज़ोफ्रेनिया के रोगियों की पहली कड़ी में मौखिक स्मृति, मौखिक प्रवाह तथा मनोचिकित्सा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस रिव्यू, 6 (5), 1292-1296। इंपैक्ट फैक्टर, यूजीसी जर्नल नं. 41948
- फ़ातिमा. आर., मंगलम एम.के. (2019)। महिलाओं में प्रसवोत्तर अवसाद तथा जोखिम कारकें। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस रिव्यू (7), 366-369। इंपैक्ट फैक्टर : 2-72, आईएसएसएन : 2347- 3797, यूजीसी जर्नल नं. 41948।

डॉ. चेतना जैसवाल, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- जैसवाल सी., कुमारी. एन, कुलश्रेष्ठ. यू., गुप्ता. एस., (2019) 'एचआईवी प्लस पुरूषों तथा महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य, आत्मसम्मान तथा अफवाह संबंधी मान्यताओं का तुलनात्मक अध्ययन', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस रिव्यू 7 (4), 709-713, आईएसएसएन: 2347-3797
- जैसवाल. सी., कुमार. एन., कुलश्रेष्ठ. यू., गुप्ता. एस., (2019) 'एचआईवी प्लस के साथ रहने वाले लोगों में मैथून, मानसिक स्वास्थ्य तथा अफ़वाह के तरीकों पर लैंगिक भेद का अध्ययन' रिसर्च जर्नल ऑफ हयूमॉनिटीज़ एंड सोशल साइंसेज़ 10(2), 609-615, आईएसएसएन: 2321-5828 (ऑनलाइन (तथा 0975-6795 (प्रिंट)
- गुप्ता. एस., जैसवाल. सी. (2019) 'स्कूली किशोरों के बीच कैरियर की आकांक्षा, आत्म सम्मान तथा शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंधों का अध्ययन' इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज़ रिव्यू 7(5), 917-921, आईएसएसएन : 2347-379

संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला में प्रतिभागिता

- दिसंबर 2019 में पॉन्डिचेरी विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान को समाज के लिए उपयोगी बनाने वाले विषय पर एनएओपी अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में 'जीवन की गुणवत्ता, देखभाल करनेवाले बोझ तथा कैंसर देखभाल कर्ताओं के बीच 'लचीलापन' शीर्षक एक पत्र सह-प्रस्तुत किया।

अन्य गतिविधियां / उपलब्धियां

- प्रेग (चेक गणराज्य) में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मनोविज्ञान 2020 के इंटरनेशनल कांग्रेस में „लिंग तथा एचआईवी : मानसिक सामाजिक परिप्रेक्ष्य' शीर्षक एक पत्र प्रस्तुत करने के लिए चुना गया।

4. स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज़ एंड लिट्रेचर

अंग्रेजी विभाग

क्रमांक	संकाय सदस्य के नाम	पदनाम	योग्यता
1	प्रो. प्रभात कुमार सिंह	प्राध्यापक अधिष्ठाता (प्रभारी) एवं प्रमुख	एमए (स्वर्ण पदक), पीएचडी
2	डॉ. विपिन कुमार सिंह	सह प्राध्यापक	डीफिल
3	डॉ. अर्चना कुमारी	सह प्राध्यापक	पीएचडी
4	डॉ. सुरेश कुरापति	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी, हैदराबाद विश्वविद्यालय
5	डॉ. अर्पणा झा	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी, जेएनयू, नई दिल्ली
6	डॉ. सरोज कुमार	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी, हैदराबाद विश्वविद्यालय
7	श्री अभय लियोनार्ड एक्का	सहायक प्राध्यापक	एमएड
8	डॉ. सरोज कुमार	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी

संकाय उपलब्धियां/गतिविधियां :-

प्रो. प्रभात कु. सिंह, प्राध्यापक, प्रमुख एवं अधिष्ठाता (प्रभारी)

प्रकाशन

- ‘दत्तानीज़ ड्रामाटिक स्ट्रॉटेजीज इन फाइनल सोल्यूशंस : ए साइकोएनालिटिक रीडिंग, ‘द क्रिटिकल एनडेवर (ओडिशा की शोध संस्था का एक सहकर्मी जर्नल) वॉल्यूम 26, पृष्ठ 198-206 जनवरी 2020

संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 06-08 फरवरी, 2020 के दौरान मगध विश्वविद्यालय बोधगया में एईएसआई द्वारा आयोजित 64वें अखिल भारतीय अंग्रेजी शिक्षक सम्मेलन में, ‘साहित्य में शोध: एक वैचारिक तथा व्यावहारिक ढ़ाचा’ विषय पर एक पूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। समापन पैनल चर्चा में भी एक पैनलिस्ट के तौर पर भाग लिया।
- 13-14 फरवरी, 2020 के दौरान महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी में ‘समकालीन भारतीय अंग्रेजी उपन्यास की विषयगत तथा शैलीगत विश्लेषण’ विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में एक संबोधन प्रस्तुत किया।

डॉ. विपिन कुमार सिंह, सह-प्राध्यापक

प्रकाशन

- ‘शुद्धता, कौमार्य तथा नैतिकता : शेक्स पियर की कॉमेडियों के प्रति एक नारीवादी प्रतिक्रिया’ पृष्ठ संख्या 89-94, लंगलित, (एक अंतर्राष्ट्रीय सहकर्मी ओपन एसेस जर्नल वॉल्यूम 6, अंक -1, अगस्त, 2019 इंपैक्ट फैक्टर-5-61, आईएसएसएन-2349-5189

- ❖ स्पेल क्रिएटेड ऑफ वर्डस् : ए रीडिंग ऑफ पिक्टोरियल ईमेजेज़ इन बैगा फॉल्कसान्ग्स' पृष्ठ संख्या - 43-49, लंगलित (एक अंतर्राष्ट्रीय सहकर्मी ओपन एसेस जर्नल, वॉल्यमू 6, अंक - 2, नवंबर 2019, इम्पैक्ट फैक्टर - 5.61, आईएसएसएन- 2349-5189
- ❖ शशि देशपांडे की 'द लॉन्ग साइलेंस' में सेक्सुअल मार्जिनलाइज़ेशन' पृष्ठ संख्या - 65-70, लंगलित (एक अंतर्राष्ट्रीय सहकर्मी ओपन एसेस जर्नल, वॉल्यमू 6, अंक - 3, फरवरी, 2020, इम्पैक्ट फैक्टर - 5.61, आईएसएसएन- 2349-5189

संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला में प्रतिभागिता

- ❖ 25 मार्च से 14 अप्रैल, 2019 के दौरान एचआरडीसी के इलाहाबाद यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित „मीडिया अध्ययन पर अंत:विषयी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम।"

डॉ. अर्चना कुमारी, सह-प्राध्यापक

प्रकाशन

- ❖ "अनुवाद और वैश्वीकरण" भारत के समकालीन साहित्य की समीक्षा आईएसएसएन (ऑनलाइन) 2394- 6074, वॉल्यूम 6. नं. 2, पृष्ठ 11-24

डॉ. सरोज कुमार, सहायक प्राध्यापक

संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला में प्रतिभागिता

- ❖ 09-12 अक्टूबर, 2019 के दौरान ईएलटीएआई के स्वर्ण जयंती अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'भारत में हिंदी भाषी क्षेत्र में ईएसएल शिक्षार्थियों का एक त्रुटि विश्लेषण : अशुद्ध उच्चारण पर एक अध्ययन', शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- ❖ 11-13 दिसंबर, 2019 को क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर में भाषा शिक्षण पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में बिहार में 'माध्यमिक स्तर पर अंग्रेजी के शिक्षकों के शैक्षणिक ज्ञान का एक व्याख्यात्मक अध्ययन' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अन्य गतिविधियां / उपलब्धियां

- ❖ 15 सितंबर से 31 दिसंबर, 2019 तक अर्पित-स्वयं पर यूजीसी-एचआरडीसी गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंग्रेजी भाषा शिक्षण में वार्षिक पुनश्चर्या कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. सुनिल कुमार, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- ❖ "महिला (गैर) स्टेट आइडियोलॉजी एंड ग्लोबल पॉलिटिक्स इन अफ़गानिस्तान : ए स्टडी इन होसैनी एंड शाकिब्स फिक्शन" पोस्टकोलोनियालिटी, एन. रामा देवी मुरू द्वारा संपादित। चेन्नई : एक्स प्रेस प्रकाशन, 2020।

अन्य गतिविधियां / उपलब्धियां

- ❖ 17 फरवरी से 07 मार्च, 2020 के दौरान यूजीसी-एचआरडीसी कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र के 85वें ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लिया।

हिंदी विभाग

क्रमांक	प्राध्यापक का नाम	पदनाम	उच्चतर योग्यता
1	प्रो. सुरेश चंद्र	प्राध्यापक, विभागाध्यक्ष	पी-एच.डी.
2	डॉ. रवीन्द्र कुमार पाठक	सह-प्राध्यापक	पी-एच.डी.
3	डॉ. योगेश प्रताप शेखर	सहायक प्राध्यापक	पी-एच.डी.
4	डॉ.कर्मानंद आर्य	सहायक प्राध्यापक	पी-एच.डी.
5	डॉ. शान्ति भूषण	सहायक प्राध्यापक	पी-एच.डी.
6	डॉ. अनुज लुगुन	सहायक प्राध्यापक	पी-एच.डी.
7	डॉ. रामचन्द्र रजक	सहायक प्राध्यापक	डी.फिल

प्राध्यापकों की उपलब्धियां / गतिविधियां :-

प्रो. सुरेश चंद्र, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष

प्रकाशन

- आधी दुनिया का पूरा सच, आईएसबीएन-978-81-8370-541-7, आकांक्षा प्रकाशन संस्था, 4649 बी/21अंसारी मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली -110 002
- डॉ. मेहता नगेंद्र सिंह का पर्यावरण-साहित्य, हिंदी प्रभा, आईएसएसएन-2347-6656, अंक:जून,2019। मुख्य संपादक: डॉ. मानिक मृगेश, मृगयासयन, 22-बी, मनोरथ सोसाइटी, न्यू समा वडोडरा-390 024
- दलित साहित्य, कला संकाय शोध पत्रिका, आईएसएसएन: 237एस-9555, अंक: 2018-19, संपादक: प्रो. आरिफ़ नाजिर, अलिगढ़ मुसिल्म विश्वविद्यालय, अलिगढ़ - 2002 002, यू.पी.

प्राप्त पुरस्कार / फेलोशिप

- शताब्दी सम्मान -2019 बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन, पटना, बिहार द्वारा, 09 जून, 2019

अन्य उपलब्धियां / गतिविधियां

- 23 सितंबर, 2019 को बिहार के टिकारी,गया में जन कवि रामधारी सिंह दिनकर जयंती समरोह के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया

डॉ. रवीन्द्र कुमार पाठक, सह प्राध्यापक

प्रकाशन

- ‘हजारी प्रसाद द्विवेदी का भाषा-दर्शन’, ‘गवेषणा’ (शोध-त्रैमासिक), केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, आई.एस.एस.एन.- 0435-1460, अंक - 110 (अक्टूबर-दिसम्बर, 2017), पृष्ठ - 175-199 (अंक विलंबित, सितम्बर, 2019 में प्रकाशित) - राष्ट्रीय स्तर
- ज्ञान-आधारित वॉल्यूम में अध्याय/प्रविष्टि-लेखन :-‘हिन्दी-साहित्य-ज्ञानकोश’ [7 खण्ड/ पृष्ठ/ 2660 प्रविष्टियां/ प्रधान सम्पादक - शम्भुनाथ/भारतीय भाषा परिषद्, कोलकाता द्वारा प्रकाशित और वाणी प्रकाशन, दिल्ली द्वारा वितरित / आई.एस.बी.एन.- 978-81-940882-0-2 (हार्डबाउण्ड), 978-81-940882-1-9 (पेपरबैक)/ 2019] में 25 प्रविष्टियों का लेखन :- (राष्ट्रीय स्तर) 1.अयोगात्मक भाषा (पृष्ठ-266-267) 2.अर्थप्रकृति (पृष्ठ -288-289) [Vol.1] 3.दीमशित्स(पृष्ठ -1710) 4.देवेन्द्रनाथ शर्मा (पृष्ठ -1725-1726) 5.नाट्य-सन्धि (पृष्ठ -1896-1898) 6.पिज़िन और क्रियोल (पृष्ठ -2116-2119) 7.प्रोक्ति (पृष्ठ -2304-2305) [Vol.4] 8.फ़ारसी और उर्दू लिपि (पृष्ठ -2332-2333) 9.ब्रह्मी लिपि (पृष्ठ -2521-2523) 10.भर्तृहरि (पृष्ठ -2547-2549) 11.भाषा-व्यवस्था और भाषा-व्यवहार (पृष्ठ -2629-2631) 12.भाषाविज्ञान और भाषाशास्त्र (पृष्ठ -2640-2641) 13.मौखिक और लिखित भाषा (पृष्ठ -2973-2974) [Vol.5] 14.यास्क (पृष्ठ -3013-3015) 15.योगात्मक भाषा (पृष्ठ -3036-3038) 16.लोकोक्ति (पृष्ठ -3393-3396) 17.वाक् (पृष्ठ -3433-3435) 18.व्याकरण और पितृसत्ता (पृष्ठ -3678-3682) 19.व्याकरण का समाजशास्त्र (पृष्ठ -3682-3684) [Vol.6] 20.सार्वभौमिक व्याकरण (पृष्ठ -4087-4090) 21.सिन्धु-हड़प्पा लिपि (पृष्ठ -4147-4149) 22.सूक्ति (पृष्ठ -4202-4203) 23.स्त्री-भाषा: अभिलक्षण (पृष्ठ -4302-4304) 24.स्फोट (पृष्ठ -4317-4320) 25.हेमचन्द्र (4583-4584) [Vol.7]

कॉन्फरेन्सेस (संगोष्ठी) में सहभागिता

- सह-अध्येता (एसोशिएटशिप) का अनुभव :- ‘भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला’ में सह-अध्येतावृत्ति (एसोशिएटशिप) के प्रथम चरण (First Spell) के तहत, 1-30 सितम्बर, 2019 के दौरान ‘हिन्दी भाषा का स्त्री-सन्दर्भित विवेचन’ विषय पर लघु शोधकार्य सम्पन्न ।

डॉ. योगेश प्रताप शेखर, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

अध्याय प्रकाशन (पुस्तक में)

- खरी कसौटी की ईमानदार तलाश --- मुक्तिबोध विचार और विवेक - संपादक - वी. जी. गोपालकृष्णन , वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली, आईएसबीएन : 978-93-88684-17-0

लेख प्रकाशन (पत्रिकाओं में)

- हस्ती मिटती नहीं हमारी --- चौपाल (जनवरी-जून 2020), संपादक --- कामेश्वर प्रसाद सिंह, ISSN : 2348 - 3466
- रसखान --- समास (अंक - 19, वर्ष --- 7), संपादक --- उदयन वाजपेयी, ISSN : 2394 - 2355

लेख प्रकाशन (वेबसाइट पर)

- एलिसन बुश के स्नेह ने यह विश्वास दिलाया कि अब भी इस संसार में मन से रिश्ते बन सकते हैं - द वायर, 21 अक्टूबर 2019 ई. (https://thewirehindi.com/98713/remembering-professor-allison-busch/)

कॉन्फरेन्सेस (संगोष्ठी) में सहभागिता

- बिहार हेरिटेज डेवलपमेंट सोसायटी, पटना की ओर से आयोजित 'लैंग्वेजेज एंड स्क्रिप्ट इन बिहार थ्रू द एजेज' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (10-11 मई 2019 ई.) में आमंत्रित विशेष वक्ता के रूप में 'बिहार में अपभ्रंश का विकास' शीर्षक शोध-पत्र प्रस्तुत |
- रज़ा फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'युवा - 2019' (11 - 12 अक्टूबर 2019 ई.) में आमंत्रित विशेष वक्ता के रूप में 'हिंद स्वराज: मानव - जीवन की चरितार्थता का सवाल' शीर्षक शोध-पत्र प्रस्तुत |
- रज़ा फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा विजयदेव नारायण साही पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'साही की साखी 3 जनवरी 2020 ई.) में आमंत्रित विशेष वक्ता के रूप में 'विजयदेव नारायण साही और जायसी' शीर्षक शोध-पत्र प्रस्तुत |

डॉ.कर्मानंद आर्य, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- हंस पत्रिका दिसंबर 2019 दलित साहित्य द्वितीय सोपान में वैचारिक प्रतिबद्धता और दलित चेतना का प्रसार विषय पर आलेख प्रकाशित |
- फारवर्ड प्रेस डॉट इन दिनांक 09/08/2019 को मलखान सिंह: जिनकी कविताओं में था जीवन बदलने का ताप पर आलेख प्रकाशित |
- डिप्रेस्ड एक्सप्रेस, वर्ष 3, अंक 12 जुलाई 2019 के दलित विशेषांक का अतिथि सम्पादन |

कॉन्फरेन्सेस (संगोष्ठी) में सहभागिता

- 15 फरवरी 2020 को शासकीय महाविद्यालय, सनावल, अम्बिकापुर में जनजातीय विकास: चुनौतियां और संभावनाएंविषय पर स्रोत वक्ता के रूप में प्रतिभाग|
- मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी, भोपाल द्वारा दिनांक 24-25 फरवरी 2020 को आयोजित अनुनाद कार्यक्रम में भागीदारी |

- पटना पुस्तक मेला 12/11/2019 को हिन्दी दलित कविता का समकालीन परिदृश्यविषय पर विशेष आमंत्रित वक्तव्य दिया |
- बहीजी स्मारक महाविद्यालय, नांदेड़ दिनांक 04/10/2019 को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार नारी चेतनाविषय का विषय प्रवर्तक के रूप में आमंत्रित प्रतिभाग |
- बाबा साहब अम्बेडकर जयंती दिनांक 14 अप्रैल 2019 को ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा द्वारा आयोजित समारोह में आमंत्रित वक्तव्य |

अन्य उपलब्धियां / गतिविधियां

- भूमिका लेखन- प्रसिद्ध रचनाकार विपिन बिहारी के कविता संग्रह मिथकों के किरदार का भूमिका लेखन |
- भूमिका लेखन -प्रसिद्ध रचनाकार अजय यतीश के कविता संग्रह - स्पार्टाकस तुम्हारी मेहनत बेकार नहीं जायेगी का भूमिका लेखन |

डॉ. अनुज लुगुन, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- राष्ट्रीय मासिक पत्रिका 'सबलोग' के अंक 103, अगस्त 2019 में 'सामाजिक विमर्श से बाहर जन स्वास्थ्य' विषय पर लेख प्रकाशित

कॉन्फरेन्सेस (संगोष्ठी) में सहभागिता

- डॉ रामदयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान, रांची, झारखंड, द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'राष्ट्रीय जनजातीय अखरा' में स्रोत वक्ता के रूप में भागीदारी, दिनांक 23 अगस्त -25 अगस्त, 2019 |
- रज़ा फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'युवा - 2019' में आमंत्रितविशेष वक्ता के रूप में 'गाँधी आज : आदिवासी सवालों के साथ' शीर्षक शोध-पत्र प्रस्तुत, (11 - 12 अक्टूबर 2019 ई.) |
- शासकीय महाविद्यालय, सनावल, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'जनजातीय विकास: चुनौतियाँ और संभवनाएँ' में आधार वक्ता के रूप में भागीदारी, 15 जनवरी 2020 |

अन्य उपलब्धियां / गतिविधियां

- साहित्यिक पत्रिका 'पक्षधर' के रजत जयंती अंक 25, अगस्त 2019 ई. का अतिथि संपादन |

सेंटर फॉर इंडियन लैंग्वेजेज़ (उर्दू)

क्रमांक	संकाय सदस्य के नाम	पदनाम	योग्यता
1	डॉ. कफ़ील अहमद नसीम	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी, जेएनयू

5.स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस

लॉ विभाग

क्रमांक	संकाय सदस्य के नाम	पदनाम	योग्यता
1	प्रो. संजय प्रकाश श्रीवास्तव	प्राध्यापक	पीएचडी
2	प्रो. पवन कुमार मिश्रा	प्राध्यापक,अधिष्ठाता एवं प्रमुख	पीएचडी
3	डॉ. प्रदीप कुमार दास	सह प्राध्यापक	पीएचडी
4	श्रीमती पूनम कुमारी	सहायक प्राध्यापक	एलएलएम
5	डॉ. देव नारायण सिंह	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
6	डॉ. दिग्विजय सिंह	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी.
7	डॉ. पल्लवी सिंह	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
8	डॉ. अनंत प्रकाश नारायण	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
9	श्री मणि प्रताप	सहायक प्राध्यापक	एलएलएम
10	डॉ. कुमारी नीतू	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी

संकाय उपलब्धियां/गतिविधियां :-

प्रो. संजय प्रकाश श्रीवास्तव, प्राध्यापक

प्रकाशन

- प्रो. डॉ. एस.पी. श्रीवास्तव तथा अविनाश कुमार, 'कॉरपोरेट गवर्नेंस को मजबूत बनाने में स्वतंत्र निदेशक की उभरती भूमिका : एक भारतीय परिप्रेक्ष्य', एएमयू लॉ सोसायटी रिव्यू 2018-19 पृष्ठ 104-120
- अविनाश कुमार प्रो. (डॉ.) एस.पी. श्रीवास्तव, "फार्मा उद्योग पर पेटेंट तथा प्रतिस्पर्धा कानून का प्रभाव तथा भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य का मुद्दा : समकालीन विश्लेषण', कानून तथा समाज का महर्षि जर्नल वॉल्यूम : 2 अंक 1 एवं 2 (जनवरी-दिसंबर 2019) आईएसएसएन नं. 2581-8007, पृष्ठ- 1-15
- डॉ. एस.पी. श्रीवास्तव तथा डॉ. दिग्विजय सिंह, **"साहित्य सर्वेक्षण की समीक्षा का अवलोकन : शोध का आधार"**, संपादित पुस्तक कानूनी शोध तथा कार्यप्रणाली परिप्रेक्ष्य, प्रक्रिया तथा अभ्यास में अध्याय, संपादक बी.सी. निर्मल, रजनीश कुमार सिंह, आरती निर्मल, प्रकाशक - सत्यम लॉ इंटरनेशनल, दिल्ली, 2019

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 31 जनवरी, 2020 को शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा में "महिला सशक्तिकरण : 21वीं सदी में सामाजिक विधिक चुनौतियां" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

अन्य गतिविधियां / उपलब्धियां

- तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय के स्क्रीनिंग समिति के सदस्य एवं सविंदा संकाय चयन विशेषज्ञ।
- सीएनएलयू, पटना के एल.एल.एम. विशेषज्ञ मूल्यांकनकर्ता एवं स्थाई संकाय चयन के विशेषज्ञ।
- एसआरसीसी सदस्य, कोटा विश्वविदयालय, राजस्थान ।

डॉ. दिग्विजय सिंह, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- "भारत में फ्रान्ड शर्तों पर मानक आवश्यक पेटेंट का लाइसेंस", बौद्धिक संपदा अधिकारों के 24 जर्नल, सितंबर-नवंबर 2019, पृष्ठ-149-159
- "डिजिटल वर्ल्ड में मीडिया तथा कॉपीराइट के मुद्दे :विरोधाभास समझना" आतिश प्राशर तथा सुजीत कुमार (संस्करण) में, मीडिया तथा विकास की विचारधारा (नई दिल्ली : आरबीएच प्रकाशन, 2020)
- "शोध के आधार रूप में साहित्य समीक्षा", बी.सी. निर्मल, रजनीश के. सिंह तथा आरती निर्मल (सं.) विधिक शोध पद्धति : परिप्रेक्ष्य, प्रक्रिया और अभ्यास (नई दिल्ली : सत्यम लॉ इंटरनेशनल, 2019) पृष्ठ 339 - 350

6. स्कूल ऑफ मैनेजमेंट

कॉमर्स एंड बिज़नेस स्टडीज़ विभाग

क्रमांक	संकाय सदस्य के नाम	पदनाम	योग्यता
1	प्रो. ब्रजेश कुमार	प्राध्यापक,अधिष्ठाता एवं प्रमुख	पीएचडी
2	डॉ. सुब्रमनियन शॉनमुगम	सह प्राध्यापक	पीएचडी.
3	डॉ. पवस कुमार	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
4	डॉ. रचना विश्वकर्मा	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
5	डॉ. प्रदीप राम	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
6	सुश्री रेणु	सहायक प्राध्यापक	एमकॉम, नेट

संकाय उपलब्धियां/गतिविधियां :-

प्रो. ब्रजेश कुमार, प्राध्यापक, अधिष्ठाता एवं प्रमुख

प्रकाशन

- कुमार बी. तथा सिंघा एस., "भारत में एमएसएमई के एफडीआई और प्रदर्शन मूल्यांकन के माध्यम से वैश्वीकरण: एमएसएमई की नीतियों, लिंकेज और प्रदर्शन से साक्ष्य प्राप्त करना" आवर हेरिटेज जर्नल, अंक 68 (30), फरवरी 2020, आईएसएसएन: 0474-9030 (यूजीसी केयर ने अंतर्राष्ट्रीय अनुक्रमित और रेफरी जर्नल इम्पैक्ट फैक्टर 4.912 (एसजेआईएफ) को मंजूरी दी।
- कुमार बी. तथा सिंघा एस., "स्टॉक मार्केट, मुद्दों और परिप्रेक्ष्य के माध्यम से भारत में डिमोनेटाइजेशन के प्रभाव की जांच करना", मित्तल प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. घोष, डी एट. अल, एसबीएन : 81-8324-935-3, 2019

अन्य गतिविधियां / उपलब्धियां

- 07 फरवरी, 2020 को एप्लाइड इकोनॉमिक्स एंड कॉमर्स मगध विश्वविद्यालय, बोधगया तथा भारतीय लेखा संघ, पटना अध्याय द्वारा संयुक्त रूप से "यूजीसी एनटीए नेट / जेआरएफ इन कॉमर्स" विषय पर आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में कार्य किया।
- 11 अप्रैल, 2020 को बीएचयू, वाराणसी के वाणिज्य संकाय द्वारा आयोजित कोविड-19 के सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर प्रत्यक्ष प्रभाव के संबंध में तकनीकी सत्र II में सह अध्यक्ष के रूप में अध्यक्षता की।
- 11 अप्रैल, 2020 को बीएचयू, वाराणसी के वाणिज्य संकाय द्वारा आयोजित कोविड-19 के सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर प्रत्यक्ष प्रभाव संबंधी आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में एक पत्र प्रस्तुत किया।
- वाणिज्य और व्यवसाय अध्ययन विभाग द्वारा "माल और सेवा कर: एक व्यावहारिक दृष्टिकोण" विषय पर आयोजित अतिथि व्याख्यान में संयोजक के रूप में कार्य किया।

डॉ. सुब्रमनियन शानमुगम, सह प्राध्यापक

प्रकाशन

- यमुना डी. तथा सुब्रमनियन एस ., सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में ऋण गुणवत्ता के प्रबंधन पर बैंक स्तर की चुनौतियां, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसेंट टेक्नो लॉजी (आईजेआरटीई), वॉल्यूम 8 -अंक2-एस4, जुलाई 2019, पृष्ठ संख्या 650-655 (स्कोपस- एलसेवियर इंडेक्स्ड)
- सुब्रमनियन एसस .एंड यमुना डी .सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में परिसंपत्ति की गुणवत्ता के संदर्भ में गैरनिष्पादित परिसंपत्तियों का - प्रबंधन, आवर हेरिटेज, जनवरी 2020, वॉल्यूम 68(1) आईएसएसएन 0474-9030 पृष्ठ संख्या 6524-6531 इंपैक्ट फैक्टर 4.912 (यूजीसी-केयर सूचीबद्ध)

संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 7 फरवरी, 2020 को भारतीय लेखा संघ, पटना शाखा (अध्याय) और मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के इकोनॉमिक्स एंड कॉमर्स के विश्वविद्यालय विभाग द्वारा संयुक्त रूप से "वन-वीक ओरिएंटेशन वर्कशॉप यूजीसी एनटीए नेट / जेआरएफ इन कॉमर्स" विषय पर आयोजित समापन समारोह भाषण (विशिष्ट अतिथि) में भाग लिया।
- 17 नवंबर, 2019 को मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के इकोनॉमिक्स एंड कॉमर्स के विश्वविद्यालय विभाग द्वारा "व्यापार और अर्थव्यवस्था पर जीएसटी के प्रभाव" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'विशिष्ट अतिथि' के रूप में भाग लिया।

अन्य गतिविधियां / उपलब्धियां

- 20 जून, 2019 एवं 30 जुलाई, 2019 को शोध तथा विकास केंद्र, भारथियार विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर, तमिलनाडु के डॉक्टोरल समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया।

डॉ. रचना विश्वकर्मा, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- 22-23 जून, 2019 को बाली, इंडोनेशिया में आयोजित बहु(2019-आईसीएमएआर) शोध विषयक अकादमिक-, के दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, "विदेशी प्रत्यक्ष निवेश और आर्थिक विकास के बीच का संबंध : ब्रिक्स देशों का एक अनुभवजन्य अध्ययन" शीर्षक एक पत्र प्रस्तुत किया।

- 28-29 दिसंबर, 2019 को जोधपुर में भारतीय लेखा संघ द्वारा लेखांकन शिक्षण तथा शोध विषय पर आयोजित 42वें अखिल भारतीय लेखांकन सम्मेलन तथा अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया।

अन्य गतिविधियां / उपलब्धियां

- 4 -14 नवंबर, 2019 को, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के अनुप्रयुक्त कला विभाग, दृश्य कला संकाय द्वारा "शोध के लिए अभिनव मात्रात्मक पद्धति का परिचय" विषय पर आयोजित 10-दिवसीय कार्यशाला में व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- एप्लाइड इकोनॉमिक्स एंड कॉमर्स मगध विश्वविद्यालय, बोधगया तथा भारतीय लेखा संघ, पटना अध्याय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में रॉपोर्टेयर के रूप में कार्य किया।

डॉ. प्रदीप राम, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- 28 से 29 दिसंबर, 2019 को अखिल भारतीय लेखा संघ द्वारा आयोजित „लेखा शिक्षा और शोध"" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया।

अन्य गतिविधियां / उपलब्धियां

- 10 फरवरी, 2020 को वाणिज्य और व्यवसाय अध्ययन विभाग में एक दिवसीय वार्षिक बजट चर्चा का आयोजन किया तथा मॉडरेटर के रूप में कार्य किया।

सुश्री रेनू, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- 22 से 24 दिसंबर, 2019 तक 72 वें अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन -2019 तथा केआईआईटी, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में „एनपीए तथा उसके मैक्रोइकोनॉमिक तथा बैंक के विशिष्ट चरए क्रैम ऑन शेड्यूल कमर्शियल बैंक : इनइंडिया"" शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।
- 16-17, फरवरी, 2020 के दौरान राज स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंसेज़, वाराणसी द्वारा आयोजित दो दिनों के राष्ट्रीय संगोष्ठी में „भारतीय शिक्षा प्रणाली का वर्तमान परिदृश्यउत्तर प्रदेश और बिहार का तुलनात्मक अध्ययन :"" शीर्षक एक पत्र प्रस्तुत किया।

अन्य गतिविधियां / उपलब्धियां

- गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय, सासाराम में सहायक प्राध्यापक की नियुक्ति के लिए बोर्ड में बाह्य सदस्य तथा विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

7. स्कूल ऑफ मैथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस

कम्प्यूटर साइंस विभाग

क्रमांक	संकाय सदस्य के नाम	पदनाम	योग्यता
1	डॉ. प्रभात रंजन	सहायक प्राध्यापक, प्रमुख (प्रभारी)	पीएचडी
2	श्री नेमी चंद्र राठौर	सहायक प्राध्यापक	एमटेक
3	डॉ. जयनाथ यादव	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
4	डॉ. पियूष कुमार सिंह	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी.

संकाय उपलब्धियां/गतिविधियां :-

डॉ. प्रभात रंजन, सहायक प्राध्यापक तथा प्रमुख (प्रभारी)

प्रकाशन

- 'प्रभात रंजन, अक्षय धृयानी तथा एस. अग्रवाल, 'न्यूटन के द्वितीय, सिद्धांत आधारित फीचर चयन के लिए पीएसओ : न्यूटनियन पीएसओ, जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट एंड फज़्ज़ी सिस्टम्स, वॉल्यूम 37, नंबर 4, पृष्ठ - 4923 - 4935, इंपैक्ट फैक्टर : 1;637, 2019, डीओआई : 10.3233/ जेआईएफएस - 181177
- प्रभात रंजन तथा एस. अग्रवाल, 'टीटीपीए: ए टू टियर पीएसओ आर्किटेक्चर फॉर डायमेंशनलिटी रिडक्शन', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायो- इंस्पायर्ड कम्प्यूटेशन, वॉल्यूम. 13, नंबर 2, पृष्ठ - 119 -130, इंपैक्ट फैक्टर : 3;395, 2019, डीओआई|: 10.1504/आईजेबीआईसी. 2019 .098404
- प्रभात रंजन, हेरा शाहीन तथा एस. अग्रवाल, ,,मिनिमैक्सस्केलर बाइनरी पीएसओ फॉर फ़ीचर सेलेक्शन"", एडवांसेस इन इंटेलिजेंट सिस्टम्स एंड कम्प्यूटिंग बुक सीरीज़ (एआईएससी, वॉल्यूम 1045), पीपी 705-716, 2019, ऑनलाइन आईएसबीएन: 978-981-15-0029-9, स्प्रिंगर, सिंगापुर।

डॉ. नेमी चन्द्र राठौर, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- नेमी चन्द्र राठौर, सोमनाथ त्रिपाठी, 'इनफोरेस्ट: ऑनलाइन सोशल नेटवर्क एप पर प्राइवेसी लीकेज पर प्रतिबंध', एआरएक्स आईवी प्रीप्रिंट एआरएक्स आईवी: 1905. 06403, 15 मई 2019

डॉ. जयनाथ यादव, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- संदीप कुमार तथा जयनाथ यादव, ''जीएमएफसीसी तथा डीप एलएसटीएम का उपयोग कर भावनात्मक भाषण के लिए लिंग वर्गीकरण'', नवीन प्राद्यौगिकी तथा अन्वेषण इंजीनियरिंग के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम - 1, अंक - 2, दिसंबर 2019
- राजीव कुमार तथा जयनाथ यादव,''मल्टी-डायमेंशन मल्टीलेवल डीडब्ल्यूटी विधि पर आधारित अर्नोल्ड ट्रांसफॉर्म का उपयोग करके एक मजबूत भाषण वाटरमार्किंग तकनीक'', टेस्ट इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, वॉल्यूम 83, पृष्ठ 226661-22671,मार्च- अप्रैल 2020

डॉ. पियूष कुमार सिंह, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- वी.के. सिंह, पी.के. सिंह तथा के.एन. राय, "चिकित्सीय इमेज के लिए ग्रुप मॉड्यूलों ऑपरेशन द्वारा, पिक्स ल बिट वैल्यू में सर्कुलर शिफ्ट आधारित इमेज एनक्रिप्शन एलगोरिदम", कम्प्यूटिंग कम्यूनिकेशन एंड ऑटोमेशन (आईसीसीसीए), ग्रेटर नोएडा, भारत का चौथा (4) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईईईई पर प्रकाशित एक्स प्लोर 29 जुलाई 2019,पृष्ठ 1-7, डीओआई :10.1109/CCAA.2018.8777588. इलेक्ट्रॉनिक आईएसएसएन:2642-7354.
- वी.के. सिंह, पी.के. सिंह तथा के.एन. राय, 'चिकित्सीय एनक्रिप्शन के लिए जीएमओ तथा बीसीएस आधारित समानांतर प्रसंस्करण तकनीक", 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव टेक्नो लॉजी एंड एक्स प्लोरिंग इंजीनियरिंग (आईजेआईटीईई) वॉल्यूम - 9, अंक - 3, जनवरी 2020, डीओआई : 10.35940/आईजीआईटीईई.सी9044.019320

अन्य गतिविधियां / उपलब्धियां

- एचआरडीसी, पटना विश्वविद्यालय से एक अभिविन्यास पाठ्यक्रम और स्वयं (SAWAYAM) से एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम भी पूरा किया।

मैथेमेटिक्स विभाग

क्रमांक	संकाय सदस्य के नाम	पदनाम	योग्यता
1	प्रो. हरे कृष्ण निगम	प्राध्यापक, अधिष्ठाता एवं प्रमुख	पीएचडी
2	डॉ. रौशन कुमार	सह प्राध्यापक	पीएचडी
3	डॉ. विवेक कुमार जैन	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
4	डॉ. राजेश प्रताप सिंह	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
5	डॉ. शुभ नारायण सिंह	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
6	डॉ. पंकज मिश्रा	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी

स्टैटिस्टिक्स विभाग

क्रमांक	संकाय सदस्य के नाम	पदनाम	योग्यता
1	डॉ. सुनित कुमार	सह प्राध्यापक	पीएचडी
2	डॉ. रिचा वत्स	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
3	डॉ. मुकेश कुमार	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
4	डॉ. कमलेश कुमार	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
5	डॉ. संदीप कुमार मौर्य	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी

8. स्कूल ऑफ मीडिया आर्टस् एंड एस्थेटिक्स

मास कम्यूनिकेशन एवं मीडिया विभाग

क्रमांक	संकाय सदस्य के नाम	पदनाम	योग्यता
1	डॉ. आतिश प्राशर	प्राध्यापक, अधिष्ठाता एवं प्रमुख	पीएचडी
2	डॉ. किंशुक पाठक	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
3	डॉ. सुजीत कुमार	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
4	डॉ. अनिंद्य देब	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
5	डॉ. रवि सूर्यवंशी	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी

संकाय उपलब्धियां/गतिविधियां:-

प्रो. आतिश प्राशर, प्राध्यापक, प्रमुख एवं अधिष्ठाता

प्रकाशन

- सुजीत कुमार तथा आतिश प्राशर (2020), मीडिया एंड आइडियोलॉजी ऑफ डेवलपमेंट, आर.बी.एच. मीडिया डिज़ाइनर्स, नई दिल्ली
- उत्सव कृष्ण मुरारी तथा डॉ. प्राशर, खुले में शौच : ग्रामीण महिलाओं में जागरूकता का अभाव एवं स्वास्थ्य समस्याएं, दृष्टिकोण, (यूजीसी केयर जर्नल) आईएसएसएन 0975-119, वॉल्यूम -12- अंक - 02 फरवरी 2020।
- उत्सव कृष्ण मुरारी तथा डॉ. प्राशर , स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रो में शौचालय निर्माण में चुनौतियां : व्यक्तिगत अध्ययन, दृष्टिकोण (यूजीसी केयर जर्नल), आईएसएसएन 0975-119X, वॉल्यूम -12 - अंक - 03 मार्च-2020
- उत्सव कृष्ण मुरारी तथा डॉ. प्राशर, टॉयलेट इन ओपन डेफेकेशन फ्री मिशन : गरीब शौचालय के बराबर शौचालय, शोध संचार बुलेटिन, एक अंतर्राष्ट्रीय द्विभाषी सहकर्मी की समीक्षा की गई रिफंडेड रिसर्च जर्नल (यूजीसी केयर जर्नल), वॉल्यूम - 10, अंक-37, जनवरी - मार्च 2020, पृष्ठ संख्या 144-148
- उत्सव कृष्ण मुरारी तथा डॉ. आतिश प्राशर, सोशल मीडिया तथा ग्लोबलाइज़ेशन, "थिंक ग्लोबली एक्ट एंड लोकल", सोशल मीडिया एंड यूथ इंगेजमेंट (विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज़), संस्करण 2019, आईएसबीएन: 978-81-932035-7-6
- उत्सव कृष्ण मुरारी तथा डॉ. प्राशर असहिष्णुता तथा ध्रुवीकरण के अंधेरे पक्ष: भारत में मॉब लिचिंग, मॉब लिचिंग और सर्तकतावाद : एक मानवाधिकार परिप्रेक्ष्य (नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ, रांची) आईएसबीएन : 978-93-5396-106-0
- उत्सव कृष्ण मुरारी तथा डॉ. आतिश प्राशर, समझदारी तथा चरित्र निर्माण की अस्थिरता : खुले में शौच-महिलाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य तथा गरिमा के लिए खतरा, लिंग संवेदनशील शिक्षा : भारत में लिंग भेदभाव को मिटाने की आवश्यकता (नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ, रांची), आईएसबीएन : 978-93-5396-977-6
- उत्सव कृष्ण मुरारी तथा डॉ. प्राशर कृषि अभ्यास और जल निकायों पर इसका प्रभाव : पटना (बिहार में गंगा सफाई अभियान को बढ़ावा देने पर आधारित एक अध्ययन, मीडिया और विकास की विचारधारा (दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय) आईएसबीएन: 978-81-93244616, 2020 में प्रकाशित

- प्रवीण चन्द्र राय तथा डॉ. आतिश प्राशर, भारत में पत्रकारिता में महिलाओं की भागीदारी तथा चुनौतियां, मीडिया पत्रकारिता तथा जन संचार में परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 4, अंक- 1-2019
- प्रवीण चन्द्र राय तथा डॉ. आतिश प्राशर, पत्रकारिता लैंगिक असमानता: एक महत्वपूर्ण विश्लेषण, लिंग संवेदनशील शिक्षा: भारत में लैंगिक भेदभाव मिटाने के लिए एक आवश्यकता (नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ, रांची), आईएसबीएन :978-93-5396-977-6
- प्रवीण चंद्र राय तथा डॉ. आतिश प्राशर, लोकतंत्र का चौथा खंभा और सूचना का अधिकार अगधननयम : एक अध्ययन, सोशल मीडिया एंड यूथ एंगेजमेंट (विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज), संस्करण 2019, आईएसबीएन : 978-81-932035-7-6

अन्य गतिविधियां / उपलब्धियां

- जनसंचार विभाग, जीएनएस विश्वविद्यालय, सासाराम द्वारा आयोजित महामारी के दौरान मास मीडिया की भूमिका तथा जिम्मेदारियों के विषय पर व्याख्यान दिया।
- राष्ट्रीय सहारा, चैतन्य लोक, सोनवर्षा वाणी, बढ़ता बिहार जैसे लोकप्रिय समाचार पत्रों में नई शिक्षा नीति तथा ऑनलाइन शिक्षा पर प्रकाशित संपादकीय।
- भारत सरकार के उन्नत भारत अभियान का संयोजन किया।
- भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए योग दिवस का आयोजन कर उसमें भाग लिया तथा घर में योग 'थीम' पर प्रेरक वीडियो बनाया।
- भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत व्याख्यान ऋंखला तथा अन्य गतिविधियों का आयोजन किया।

डॉ. सुजीत कुमार, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- सुजीत कुमार तथा आतिश प्राशर (2020), मीडिया एंड आडियोलॉजी ऑफ डेवलपमेंट, आर.बी.एच. मीडिया डिज़ाइनर्स, नई दिल्ली।
- सुजीत कुमार, राष्ट्र निर्माण के लिए पत्रकारिता की पुनर्विचार प्रहरी भूमिका : एक नया मीडिया परिप्रेक्ष्य, थिंक इंडिया जर्नल, आईएसएसएन: 0971-1260, वॉल्यूम - 22, अंक-14, दिसंबर 19
- सुजीत कुमार, विश्वविद्यालय परिसरों में स्वच्छ भारत मिशन के संबंध में जागरूकता और कार्यान्वयन पर एक अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग, एप्लाईड एंड मैनेजमेंट सांइसेज़ के प्रतिमान (आईजेईएएम), आईएसएसएन: 2320-6608, वॉल्यूम - 54, अंक-2, मई 2019
- सुजीत कुमार तथा राहुल कुमार, ग्रामीण विकास में न्यू मीडिया: रणनीतियां तथा डिजिटल प्लेटफार्मों की पहुंच, शोध की समीक्षा, आईएसएसएन: 2249-894, वॉल्यूम : 8 अंक-7, अप्रैल, 2019
- राहुल कुमार तथा डॉ. सुजीत कुमार, समाचार वेबसाइट तथा ग्रामीण मुद्दे : ग्रामीण समाचार, कवरेज, उपचार और प्रस्तुति पर एक अध्ययन, प्रभाव-डिजिटल संचार पर आईसीएसएसआर प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : विकासशील देशों के लिए एक चुनौती।

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 21-22 नवंबर, 2019 के दौरान इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आईसीएसएसआर प्रायोजित वैश्विक मीडिया तथा परिवर्तनशील समाज विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में, "उरांव जनजाति के सामाजिक, सांस्कृतिक जीवन पर नवीन जनसंचार के प्रभाव का अध्ययन" शीर्षक एक पत्र प्रस्तुत किया।
- 16-17 नवंबर, 2019 को आईआईपीए, नई दिल्ली में मोदी सरकार के सामाजिक न्याय नीतियों पर आईसीएसएसआर प्रायोजित इंप्रेस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "अनुसूचित जाति समुदाय के बीच प्रधानमंत्री जनधन योजना के जागरूकता एवं अभिग्रहण के स्तर का अध्ययन" शीर्षक एक पत्र प्रस्तुत किया।

❖ 5-6 मार्च, 2020 „मीडिया प्रवचन और भारतीय सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में सामग्री की विश्वसनीयता को प्रभावित करने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन में सामग्री और सामाजिक सुरक्षा पर एक अध्ययन'' शीर्षक एक पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. किंशुक पाठक, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

❖ 10-11 नवंबर, 2019 के दौरान महाबोधी सोसायटी ऑफ इंडिया, सारनाथ द इंटरनेशनल ऑरगेनाइज़ेशन द्वारा सारनाथ में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'आध्यात्मिक संचार एवं बुद्ध' शीर्षक एक पत्र प्रस्तुत किया।

अन्य गतिविधियां/उपलब्धियां

❖ 19-23 अगस्त, 2019 तक भारत सरकार के वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग, एमएचआरडी द्वारा आयोजित नई मीडिया शब्दावली के विकास के लिए बैठक में भाग लिया।

डॉ. अनिंद्य देब, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

❖ डॉ. अनिंद्य देब, ''टेलिविज़न कार्टून तथा बच्चे-एक महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दा'', मीडिया एंड आइडियोलॉजी ऑफ डेवलपमेंट, सुजीत कुमार तथा आतिश प्राशर द्वारा संपादित, आईएसबीएन नं. - 978819 3244616, आरबीएच मीडिया डिज़ाइनर, नई दिल्ली ।

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला में प्रतिभागिता

❖ 06-07 सितंबर, 2019 को एमिटी विश्वविद्यालय में व्यवसाय प्रबंधन में पारंपरिक मामले तथा सूचना प्रौद्यौगिकी विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में, ''बच्चों के उपयोगी वस्तुओं पर कार्टून ब्रांड के पात्रों की छवि का उपयोग करना: बिक्री को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीति'', शीर्षक एक पत्र प्रस्तुत किया।

❖ 05-06 मार्च, 2020 को दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय में मीडिया संभाषण तथा भारतीय सुरक्षा : सामाजिक सरोकार तथा दृष्टिकोण, विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में, ''स्कूली बच्चों पर टेलिविज़न कार्टूनों का प्रभाव: अभिभावकों के दृष्टिकोण से एक अध्ययन,'' शीर्षक एक पत्र प्रस्तुत किया।

अन्य गतिविधियां/उपलब्धियां

❖ 01-30 नवंबर, 2019 के दौरान आईसीएआर-एनएएआरएम, हैदराबाद के तहत ''शिक्षण उत्कृष्टता'' विषय पर एक महीने के एमओओसी कोर्स में भाग लिया।

डॉ. रवि सूर्यवंशी, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

❖ रस्तोगी. एस., सूर्यवंशी. आर. (2019), टीबी से मोबाइल स्क्रीन: देखने का स्वरूप तथा कॉलेज के विद्यार्थियों पर नेटफ्लिक्स का प्रभाव, कम्युनिकेशन 4.0 आईएसबीएन: 9789353910464

❖ रस्तोगी. एस., सूर्यवंशी. आर., (2020), किसानों द्वारा स्मार्ट फोन का उपयोग : किसानों की सुविधा के लिए सरकारी मोबाइल एप्लिकेशन पर एक महत्वपूर्ण अध्ययन, मीडिया एंड आइडियोलॉजी ऑफ डेवलपमेंट, आईएसबीएन: 9788193244616.

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 2019 में दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "किसानों द्वारा स्मार्ट फोन का उपयोग : किसानों की सुविधा के लिए सरकारी मोबाइल एप्लिकेशन पर एक महत्वपूर्ण अध्ययन", शीर्षक पत्र के सह-लेखक के रूप में भाग लिया।
- 2019 में तृतीय राष्ट्रीय मीडिया कॉनक्लेव, भुवनेश्वर में, 'टीवी से मोबाइल स्क्रीन : देखने का स्वरूप तथा कॉलेज के विदयार्थियों पर नेटफ्लिक्स का प्रभाव', शीर्षक पत्र के सह-लेखक के रूप में भाग लिया।
- 2019 में दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गया में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में, 'मुख्यधारा के मीडिया द्वारा महिलाओं तथा लड़कियों के विरूद्ध अपराध की रिपोर्टिंग', शीर्षक पत्र के सह-लेखक के रूप में भाग लिया।
- 2020 में दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गया में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में, "विज्ञापन तथा एलजीबीटीक्यू अधिकारों : ब्रांड की पहचान बनाने के दौरान सामाजिक जागरूकता का प्रचार", शीर्षक पत्र के सह-लेखक के रूप में भाग लिया।

09. स्कूल ऑफ फिजिकल एंड केमिकल साइंसेज़

केमिस्ट्री विभाग

क्रमांक	संकाय सदस्य के नाम	पदनाम	योग्यता
1	प्रो. विनोद कुमार	प्राध्यापक, प्रमुख	पीएचडी
2	डॉ. अमीय प्रियम	सह प्राध्यापक	पीएचडी
3	डॉ. जगन्नाथ रॉय	सह प्राध्यापक	पीएचडी
4	डॉ. गिरीश चंद्र	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
5	डॉ. अंगद कुमार सिंह	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
6	डॉ. महेंद्र ख़तरावत	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी

संकाय उपलब्धियां/गतिविधियां :-

डॉ. अमीय प्रियम, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- बी.के. दधीच, बीप्रियम .भूषण तथा ए .*, „हॉलो सिल्वर नैनोस्ट्रक्चर्सद रोल ऑफ कॉपिंग एजेंटस् इन टेलरिंग द शेप :, स्ट्रक्चर एंड प्लासमोनिक प्रॉपर्टीज़", माइक्रोस्कोपी एंड माइक्रोएनालिसिस,2019 , डीओआई) 1431927619000473एस/10.1017 :इंपैक्ट फैक्टर : (2.49
- ए के सिन्हा, बी भूषण, आर के शर्मा, एस सेन, बी पी मंडल, एस एस मीना, पी भट्ट, सी एल प्रजापत, ए प्रियम, एस के मिश्रा, एस सी गडकरी, "Cr-doped BiFeO3 मल्टीफ़ाइरोनिक नैनोकणों के सॉलजेल मार्ग द्वारा संश्लेषित-, डीइलेक्ट्रिक, चुंबकीय और ऑप्टिकल गुण", भौतिकी में परिणाम,2019 ,13 ,) 102299 इंपैक्ट फैक्टर (3.04 :
- ए. पुहान, बीभूषण ., वीकुमार ., एचपांडा .एस., एप्रियम ., डीदास., डीराउत ., "Ba, Cr सहडोपिंग-, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग द्वारा BiFeO3 मल्टीफ़ाइरोनिक नैनोकणों के संरचनात्मक, ऑप्टिकल और चुंबकीय गुणों को एक साथ मिलानाबी :, 2019,241 ,) 54-48 इंपैक्ट फैक्टर(3.5 :

- ए के सिन्हा, बी भूषण, एन गुप्ता, एस सेन, सी एल प्रजापत, जे नुवाड, पी भट्ट, एस के मिश्रा, एस एस मीना, ए प्रियम, सोल जेल तकनीक द्वारा संश्लेषित -BiFeO3 नैनोकणों के डीइलेक्ट्रिक, चुंबकीय और ऑप्टिकल गुणों पर कोबाल्टडोपिंग का-प्रभाव, सॉलिड स्टेट साइंसेज़,0202 ,220 ,) 223231 इंपैक्ट फैक्टर (0122 :

प्राप्त पुरस्कार / अनुदान

- विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय का पहला पेटेंट दायर किया गया, आविष्कार का विवरण तथा शीर्षक है, "ज़ीरो आरपीएम-सिंथेसाइज़्ड ट्यूनेबल प्लासमोनिक हॉलो सिल्वर नैनोशेल्स इन द सेकेंड नीयर-आईआर विंडो फॉर एनहैंस्ड सोलर-कैटालिसिस", दायर करने की तारीख: 21/11/2019, पेटेंट आवेदन संख्या : 51/2019, पेज नं. 61412, प्रकाशन की तारीख : 20/12/2019 आविष्कारक : डॉ. अमिय प्रियम, श्री भावेश कुमार दधीच, डॉ. भाव्या भूषण।
- यूजीसी-डीएई-सीएसआर, कोलकाता केंद्र के सहयोगात्मक अनुसंधान योजना (सीआरएस) के तहत अनुसंधान अनुदान प्राप्त किया। परियोजना शीर्षक : ट्यूनेबल मैगनेटोप्लासमोनिक नैनोक्रिस्टल्स: सिंथेसिस एंड थेरेपेटिक एप्लीकेशन फॉर कैंसर।

डॉ. गिरीश चंद्र, सहायक प्राध्यापक

संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 28-29 फरवरी, 2020 को रसायन विज्ञान के फ्रंटियर एरियाज़ (आईसीएफएसी) के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

फिजिक्स विभाग

क्रमांक	संकाय सदस्य के नाम	पदनाम	योग्यता
1	प्रो. वैंकटेश सिंह	प्राध्यापक, अधिष्ठाता एवं प्रमुख	पीएचडी
2	डॉ. बुद्धेन्द्र कुमार सिंह	सह प्राध्यापक	पीएचडी.
3	डॉ. विजय राज सिंह	सह प्राध्यापक	पीएचडी
4	डॉ. अखिलानंद कुमार	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
5	डॉ. रोहित रंजन शाही	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
6	डॉ. नितिन चंद्रा	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी.
7	डॉ. लखविंदर सिंह	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
8	डॉ. पुनीत मिश्रा	यूजीसी-सहायक प्राध्यापक (एफआरपी)	पीएचडी

संकाय उपलब्धियां/गतिविधियां :-

प्रो. वैंकटेश सिंह, प्राध्यापक, अधिष्ठाता एवं प्रमुख

प्रकाशन

- न्यूट्रिनोलस डबल बीटा क्षय की खोजों में एक्स पोज़र-बैकग्राउंड द्वैतता, एम.के. सिंह एट.एल. भौतिकी, संशो.डी 101, 013006 (2020)
- $\sqrt{S_{NN}}$= 200 जीईवी, सी. आईडला एट एल पर p + Al तथा p + Au घर्षण में आगे तथा पीछे की ओर की गति से चार्ज किए गए हैड्रोन के परमाणु - संशोधन कारक, एट.एल. भौतिकी सं. सी 101, 034910 (2020)

- सापेक्ष उर्जा में न्यूक्लियर इमल्शन के साथ ^{84}Kr की क्रिया- प्रतिक्रिया के लिए परिधीय घर्षण में प्रक्षेप्य विखंडन का अध्ययन, एम.के. सिंह एट एल., इंटरनेशनल जर्नल, सं. भौतिकी. ई, 28(8), 1950058(2019)
- अल्ट्रारिलेटिविस्टिक हेवी-आयन घर्षन से डायरेक्ट-फोटोन उत्सर्जन का बीम उर्जा तथा केंद्रीय रूप से निर्भरता, ए. अदारे एट एल., भौतिकी सं. एलईटीटी. 123, 022301 (2019)
- वून्डेड न्यूक्लिओन मॉडल के साथ जीईवी प्रति न्यूक्लिओन 84Kr36 इमल्शन क्रिया-प्रतिक्रिया में सापेक्ष चार्जड् कण उत्पादन का अध्ययन, एन. मरीमूथू एट.एल., इंटरनेशनल जर्नल सं. भौतिकी. ई, 28(8), 1950063 (2019)
- √S= 200 जीईवी पर Au + Au घर्षण में द्वितीय तथा तृतीय आर्डर घटनाक्रम प्लेन के संदर्भ में दो-कणों के सह संबंधों का मापन। ए. अदारे एट.एल., भौतिक सं. सी 99, 054903 (2019)
- √SNN=200 जीईवी पर Au + Au घर्षण में द्वितीय तथा तृतीय आर्डर घटनाक्रम प्लेन के संदर्भ में दो-कणों के सह संबंधों का मापन। ए. अदारे एट.एल., भौतिक सं सी 99, 054903 (2019)
- कू-शेंग रिएक्टर न्यूट्रिनों प्रयोगशाला पर लो-थ्रेसहोल्ड जर्मेनियम डिटेक्टरों के साथ मिलीचार्जड् कणों पर अवरोध, एल.सिंह एट एल., भौतिकी, सं. डी 99, 032009 (2019)
- $\sqrt{S_{NN}}$=200 जीईवी प्रोटॉन-न्यूक्लियस घर्षणों में डायहेड्रोन कोणीय सहसंबंधों में गैरपरवर्ती-अनुप्रस्थ-संवेगों का विस्तार, सी.आईडाला एट.एल., भौतिकी सं.सी. 99, 044912 (2019)
- √S = 200 जीईवी पर p+p घर्षण में ओपन हेवी फ्लेवर तथा ड्रेल-यान से μμ जोड़ों का मापन सी.आइडाला एट.एल. भौतिकी सं. डी 99, 072003 (2019)
- √SNN=200 जीईवी पर Au + Au घर्षण में घटना-दर-घटना दीर्घवृताकार तथा त्रिकोणीय प्रवाह निकालने के लिए बहुकणीय अज़ीमथल सह संबंध ए.अदारे एट.एल. भौतिकी, सं. सी 99, 024903(2019)
- कू-शेंग रिएक्टर न्यूट्रीनों प्रयोगशाला में लो थ्रेसहोल्ड जर्मेनियम डिटेक्टर के साथ बोसोनिक डार्क मैटर पर अवरोध,एम.के. सिंह एट एल., चाइनीज़ जर्नल ऑफ फिजिक्स 58, 63 (2019)
- माइक्रोफोल-ई में विखंडन-खंड ट्रैक मापदंडों पर यूवी विकिरण का प्रभाव, आर.के. जैन एट.एल. इंटरनेशनल जर्नल संशो. भौतिकी, ई, 28(12), 1950110(2019)
- 1 जीईवी प्रति न्यूक्लिओन पर न्यूक्लियर इमल्शन डिटेक्टर के साथ क्रिया-प्रतिक्रिया में 84Kr36 प्रोजेक्टाइल का बहुविखंडनीय अध्ययन, एम.के. सिंह. एट.एल., जे.कोर. भौतिकी, सोसाइटी, 75(10), 764 (2019)
- हाईब्रिड न्यूट्रॉन डिटेक्टर का निरूपण, एम.के. सिंह. एट.एल., इंडियन जर्नल फिजिक्स , 93(2), 235(2019)
- प्रतिरोधक प्लेट चैंबर डिटेक्टर के लिए एक सतही प्रतिरोधकता मापने वाले उपकरण का विशेषतापूर्ण अध्ययन और विकास, ए.कुमार एट.एल., जेआईएनएसटी 14, सी 09044 (2019)
- ^{124}Sn में न्यूट्रिनोलेस डबल बीटा क्षय की खोज में आवश्यक संवेदनशीलता, एम.के. सिंह एट.एल., इंडियन जर्नल फिजिक्स . (2019), डीओआई; ओआरजी /10.1007/s12648-019-01569-6

प्राप्त पुरस्कार/अनुदान

- कम ऊर्जा वाले न्यूट्रिनो तथा डार्क मैटर फिजिक्स के लिए सब-केवी जर्मेनियम डिटेक्टर का अध्ययन, एसपीएआरसी, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली (85 लाख)
- आईआईएफसी, यूएसए, विज्ञान तथा प्रौद्यौगिकी विभाग, नई दिल्ली के साथ न्यूट्रिनो भौतिकी का अध्ययन (135 लाख)।

डॉ. बुधेन्द्र कुमार सिंह, सह-प्राध्यापक

प्रकाशन

- एल-आर्गिनाइन हाइड्रोब्रोमाईड मोनोहाईड्रेट (एलएएचबीआर) सिंगल क्रिस्टल के यांत्रिक व्यवहार का विश्लेषण यूनिडायरेक्शनल ग्रोथ तकनीक के. ठकराल, एन. झा, एन विजयन, बी. सिंह, एसएएमबी घास मेटेरियल्स रिसर्च एक्स प्रेस6(12), 126215, 2020 द्वारा विकसित किया गया।
- विभिन्न अमीनो एसिड तथा डाइपेपटाइरस ट्यूबूलर नैनोस्ट्रक्चर के. पीजोइलेक्ट्रिक तथा फेरोइलेक्ट्रिक गुण: आण्विक मॉडलिंगवी.बिस्ट्रोव, आई. बेदीकिन, बी. सिंह नैनोमेटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग 2(1), 11-24, 2020

डॉ. विजय राज सिंह, सहायक प्राध्यापक

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला में प्रतिभागिता

- वी.आर.सिंह, ""एक्स -रे मैग्नेटिक सर्कुलर डाइक्रोइज़्म स्टडी ऑफ को डॉप्ड TiO2 थिन फिल्मस"" फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ एडवांसड् मेटेरियल्स, मोतिहारी, 23 सितंबर 2019
- वी.आर. सिंह, "एक्स -रे मैग्नेटिक सर्कुलर डाइक्रोइज़्म स्टडी ऑफ ऑक्साइड-बेस्ड मैग्नेटिक मेटेरियल्स"", एडवांस्ड मेटेरियल्स एंड न्यूक्लियर साइंस, गया 29 फरवरी 2020

प्राप्त पुरस्कार/अनुदान

- आईयूएसी, नई दिल्ली, बीटीआर-3 द्वारा ""आयन बीम धुत-इनसुलेटर-ट्रांजीशन तथा वेनेडियम ऑक्साइड के चुंबकीय गुणों में प्रेरित विकार"" (वी.आर.सिंह, पीआई) (वर्ष 1 अगस्त 2019 - 01 अगस्त 2021) 10.11. लाख रूपये का अनुदान।

डॉ. रोहित रंजन शाही, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- राजेश कु. मिश्रा, रोहित आर. शाही नोबेल Co35Cr5Fe20Ni20Ti20 हाई मैग्नेटाईज़ेशन तथा कोअर्सिविटी के लिए हाई एन्ट्रॉपी एलॉय, मैग्नेटिज़्म और मैग्नेटिक मेटेरियल्स का ज़ोनल : वॉल्यूम. 283:19 अगस्त : 83-87 : https://doi.org/10.1016/j.jmmm.2019.03.129 आई.एफ. 2.83 आईएसएसएन : 0304-8853.
- राजेश कु. मिश्रा, रोहित आर. शाही चरणवार निर्माण पर असर तथा TiFeNiCrCo की चुंबकीय विशेषताओं के साथ उनके सहसंबंध, एचईए मेटेरियल्स टुडे प्रोसीडिंग्स : वॉल्यूम 18:2019 अगस्त : 1422-429 https://doi.org/10.1016/j.matpr.2019.06.610 आईएसएसएन 2214-7853
- राजेश कु. मिश्रा, रोहित शाही, CoCrFeNiTi आधारित उच्च एन्ट्रॉपी मिश्र धातुओं के चुंबकीय गुणों को बढ़ाने के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण, स्टोइकिओमेट्रिक भिन्नता तथा एनीलिंग के माध्यम से, जर्नल ऑफ एलॉयज़ एंड कंपाउंडस् दिसंबर 2019 : 153534 https://doi.org/10.1016/j.jallcom.2019.153534 आईएफ 4.2 आईएसएसएन 0925-8388

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 09-10 जनवरी, 2020 को फिजिक्स विभाग, के.एन. गवर्मेंट पी.जी. कॉलेज, ज्ञानपुर, भदोही, उ.प्र. में आयोजित सतत विकास की ओर अभिनव दृष्टिकोण पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीआईएटीएसडी-2020) में एक आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- 22-23 नवंबर, 2019 को फिजिक्स विभाग, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार में आयोजित उन्नत सामग्री के भौतिकी और रसायन विज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीपीसीएएम-2019) में एक आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

- 12-14 जून, 2019 को फिजिक्स विभाग,निर्मलागिरी कॉलेज कन्नूर केरल में आयोजित नैनोक्रिस्टलाइन FeCoNi आधारित उच्च एन्ट्रॉपी एलॉयज़ के संश्लेषण, लक्षण तथा चुंबकीय विशेषता के साथ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीएएन-2019 में पत्र प्रस्तुत किया।

प्राप्त पुरस्कार /अनुदान

- शीर्षक : रिवर्सेबल एनर्जी स्टोरेज मेटेरियल्स, फंडिंग एजेंसी : डीएसटी-एसआरबी (एसआरएस योजना), शोध अनुदान तथा अवधि के रूप में नैनोक्रिस्टलाईन हाई एन्ट्रापी ऑक्साईडस तथा हाई एन्ट्रॉपी मिश्रित एलॉय :2 वर्ष के लिए 16 लाख रूपये का अनुदान, आरंभिक तिथि : जुलाई 2019
- एक पी.एच.डी. विदयार्थी श्री राजेश कुमार मिश्रा ने एमएनएनआईटी, इलाहाबाद में संश्लेषण अध्ययन शीर्षक पर अध्ययन तथा नैनोक्रिस्टलाइन उच्च एन्ट्रॉपी मिश्र/एलॉय के चुंबकीय गुणों पर अपना थीसिस प्रस्तुत किया: अप्रैल 2019

डॉ. नितिन चंद्रा, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- 'गणित बनाम मैथेमेटिक्स : ए कंपेरेटिव स्टडी" एएनएनएस-2020 में फिजिक्स विभाग, दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (29 फरवरी, 2020)

डॉ. लखविंदर सिंह, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- मल्टीलेयर इन्सुलेशन तकनीक के साथ क्रायोस्टैट में ताप विकिरण में कमी डी .सिंह एट अल। (जेआईएनएसटी 2020 में स्वीकृत)
- न्यूट्रिनोलस डबल बीटा क्षय की खोज में द्वैत एक्सपोजरपृष्ठभूमि-, एमभौतिकी (नो कोलॉबोरेशनअल। टेक्सो .सिंह एट .के., संशो डी . 222, (0202) 223223
- चीन जिनपिंग भूमिगत प्रयोगशाला, जेड में सीडीईएक्स 22-प्रयोग के साथ डार्क फोटोन पर प्रत्यक्ष जांच प्रतिबंध। शी एट अल। सीडीईए)क्स कोलॉबोरेशन201 पत्र .भौतिकी संशो (, (0202) 222322
- प्रोफ़ाइल संभावना अनुपात विधि का उपयोग करके सीडीईएक्स 2-बी प्रयोग से सौर अक्षों और बोसोनिक डार्क मैटर संबंधी बेहतर सीमाएं। वाईसीडीईए . एट अलयॉन्ग.क्स कोलॉबोरेशन222 डी .भौतिकी संशो (,(0202) 220223
- चीन जिनपिंग भूमिगत प्रयोगशाला में प्वाईंट षण द्वारार के साथ वार्षिक मोडुलेशन विश्ले जर्मेनियम डिटेक्टक्टकॉन्टै-लाइट वीकली-इंटरेक्टिंग-पार्टिकल डार्क मैटर के लिए खोज-मॉसिव, एलसीडीईए) . एट एलयॉन्ग .टी.क्स कोलॉबोरेशन203 पत्र .भातिकी संशो (, (0229) 002322
- चीन जिनपिंग भूमिगत प्रयोगशाला में सीडीईएक्स 2-बी प्रयोग से सब जीईवी-वीकलीपार्टिकल डार्क मैटर के सा-मॉसिव-इंटरेक्टिंग-थ स्पिन -टरिंग पर प्रतिबंधक्लियस स्कॉन्यू, ज़ेडसीडीईए) .ज़ेड लिउ एट एल.क्स कोलॉबोरेशन203 पत्र .संशो .भौतिकी (,(0229) 232322
- न्यूट्रीनो इलेक्ट्रोमैगनेटिक विशेषाताओं में मल्टीटॉन ज़ेनॉन डिटेक्टर्स की खोज क्षमता, चुंग100 डी .भौतिकी संशो .चुन हशियह एट अल-, 073001 2019)

डॉ. पुनीत मिश्रा, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- सॉल्यूशन आधारित टेक्टॉन्स की-सॉलिड इंटरफेस में पाइराजिन-पॉलीमॉर्फिक सेल्फसेंबलीअ-, एजना ., पीमिश्रा .*, एनदास ., बेलस्टीन जर्नल ऑफ नॉनोटेक्नो लॉजी,22 ,(0229) 191 ।

10. स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज़ एंड पॉलिसी

डेवलपमंट स्टडीज़ विभाग

क्रमांक	संकाय सदस्य के नाम	पदनाम	योग्यता
1	प्रो. कृष्ण चलिल	प्राध्यापक	पीएचडी
2	डॉ. समापिका महापात्र	सह प्राध्यापक	पीएचडी
3	डॉ. अंजु हेलेन बारा	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
4	डॉ. फिरदौस फ़ातिमा रिज़वी	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
5	श्री आदित्य मोहंती	सहायक प्राध्यापक	एम सोशियोलॉजी
6	श्री अहमेदुल कबीर ए.पी.	सहायक प्राध्यापक	एम.फिल सोशियोलॉजी

संकाय उपलब्धियां/गतिविधियां :-

डॉ. कृष्णन चलिल, प्राध्यापक एवं प्रमुख

प्रकाशन

- ‘स्थानीय आर्थिक विकास में पर्यटन की भूमिका : मामले का एक अध्ययन’, एम.आर. दिलीप, के.सी. रॉबिंस तथा शेल्जी मैथ्यू (सं.) में, समान पर्यटन विकास : मुद्दे, रणनीतियां तथा प्रथाएं, कल्याणी पब्लिशर्स, पुणे।
- ‘ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन’, अब्दुल अजीज, एन.पी. तथा एस.एम. जावेद अख्तर (सं.) में, वित्तीय साक्षरता तथा भारत में समावेश, न्यू सेंचुरी पब्लिकेशंस, नई दिल्ली, पृष्ठ 80-94, 2019 (आईएसबीएन: 978-81-7708-484-9)
- केरल में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का प्रदर्शन, शोध क्रांति, 7(12), 1-6. आईएसएसएन: 2319-300 (अंशु अबी तथा सी. कृष्णन)

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 05 तथा 06 मार्च, 2020 को इकोनॉमिक्स विभाग, केरल केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कसारगोड में सतत विकास तथा शिक्षा विषय पर आयोजित दो-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, ‘वैश्वीकरण के संदर्भ में सतत विकास के लैंगिक आयाम : भारतीय विकास की एक समीक्षा, शीर्षक प्रस्तुति।
- 04 मार्च, 2020 को एसएनजी कॉलेज, चेलनूर, केरल द्वारा आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी में, “उच्च शिक्षा पर केन्द्रीय तथा केरल राज्य बजट का प्रभाव” शीर्षक प्रस्तुति।
- 09-11 जनवरी 2020 को केरल सरकार, केरल स्थानीय प्रशासन के सहयोग से कलिकट विश्वविद्यालय के इकोनॉमिक्स विभाग द्वारा ‘भारत में दलितों के बीच विकास और लचीलापन : राज्यों के भीतर तथा बीच अंतर और विविधता को समझना’ विषय पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में, “बिहार में दलित संबंधी परिवर्तन : शिक्षा तथा सामाजिक जीवन में मजदूर समुदाय का एक अध्ययन”, शीर्षक प्रस्तुति।

- 02 नवंबर 2019 को कुन्नमंगलम गवर्नमेंट आर्टस् एंड साइंस कॉलेज करेल में केरल सरकार के कॉलेजिएट शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रायोजित 'सामाजिक विज्ञान में शोध पद्धति' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में, 'शोध रिपोर्ट लेखन' शीर्षक पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
- 29 अक्टूबर, 2019 को केरल सरकार के कॉलेजिएट शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रायोजित श्री नीलकंठ सरकारी संस्कृत कॉलेज, पटांबी, केरल द्वारा "गंभीर आर्थिक स्थिति के समय में : अर्थशास्त्र तथा अर्थशास्त्री की भूमिका," विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में, "भारतीय आर्थिक संकट से उबारने के लिए क्या ग्रामीण अर्थव्यवस्था का पुनरूद्धार ही कुंजी है ?" शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।
- 10 दिसंबर, 2019 को कालिकट विश्वविद्यालय से संबंद्ध कुन्नामंगम सरकारी कला तथा विज्ञान महाविद्यालय में "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 तथा भारतीय उच्च शिक्षा पर इसका प्रभाव", विषय पर आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- 11 दिसंबर, 2019 को कालिकट विश्वविद्यालय से संबंद्ध गवर्नमेंट कॉलेज कोडानचेरी में "सामाजिक विज्ञान शोध के लिए बहु-आयामी विश्लेषण" विषय पर आयोजित तीन-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य भाषण तथा वकतव्य प्रस्तुत किया।
- 25 नवंबर, 2019 को मगध विश्वविद्यालय, बिहार के संघटक एसएनएसजी कॉलेज, शेरघाटी (गया) द्वारा, "उपभोक्ता अधिकार, उपभोग प्रतिरूप तथा पर्यावरण संबंधी चिंताओं", पर आयोजित दो-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में "बैंकिंग,बीमा तथा उपभोक्ता संरक्षण", पर तकनीकी सत्र में अध्यक्षीय वक्तव्य प्रस्तुत किया।
- 15 नवंबर, 2019 को दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय के डेवलपमेंट स्टडीज़ द्वारा आयोजित 'डेवलपमेंट शोध में नई दिशाएं : बनर्जी-डफ्लो-क्रेमर का योगदान' विषय पर पैनल चर्चा में पैनलिस्ट।
- 30 अक्टूबर, 2019 को गवर्मेंट कॉलेज कोदनचरी के वाणिज्य विभाग के उदघाटन समारोह के दौरान "समावेशी शोध को बढ़ावा देने में ग्रामीण संस्थानों की भूमिका", शीर्षक प्रमुख पत्र प्रस्तुत किया।
- 31 अक्टूबर 2019 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नो लॉजी, केरल में कन्नमंगलम सरकारी कला तथा विज्ञान महाविद्यालय द्वारा शोध पद्धति विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में, "सामाजिक विज्ञान में शोध पद्धति" शीर्षक प्रमुख पत्र प्रस्तुति।

अन्य गतिविधियां / उपलब्धियां

- मानव पूंजी विकास में वित्तीय संस्थानों की भूमिका इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर अल्टरनेटिव इकोनॉमिक्स , केरल विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित शोध परियोजना (अनुदान की राशि मात्र 1 लाख रूपये है)
- सदस्य, शोध परिषद, शोध निदेशालय, कालिकट विश्वविद्यालय, केरल (2017-2020)
- विशेषज्ञ समिति के सदस्य, एम.ए. डेवलपमेंट स्टडीज़ (स्थानीय शासन) मलयालयम विश्वविद्यालय, केरल (2020) के विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम का संशोधन।

डॉ. समापिका महापात्र, सह-प्राध्यापक

प्रकाशन

- 27-29 दिसंबर, 2019 तक तिरूवतंतपुरम में आयोजित 45वें अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन में आरसी-20 (मीडिया स्टडीज़) में "रियल लाईफ के साथ रील लाइफ को जोड़ना : खेल फिल्मों में महिलाओं की भागीदारी में पारंपरिक रूढियों को तोड़ने की दिशा में खेल", शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।
- 27-29 दिसंबर, 2019 तक तिरूवनंतपुरम में आयोजित 45वें अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन में आरसी-25 (खेल के समाजशास्त्र) में 'हम समान लेकिन अलग हैं : खेल की दुनिया में आंतरिक महिला एथलीट द्वारा चुनौतीपूर्ण अनिवार्य विषमता' शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।

संगोष्ठी /सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- माइक्रो एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट, "पाठ्यक्रम में खेल को शामिल करने के माध्यम से ग्रामीण बिहार में महादलित स्कूली बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा को प्रभावी बनाना" (महात्मा गांधी राष्ट्रीय परिषद ग्रामीण शिक्षा (एमजीएनसीआरई), एमएचआरडी भारत सरकार द्वारा 40,000/- रूपये का अनुदान प्राप्त किया तथा 7 मई, 2019 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की।
- एमएचआरडी, आईसीएमआर की परियोजना आईएमपीआरईएसएस (इंपैक्टफुल पॉलिसी रिसर्च इन सोशल साइंसेज़) के तहत "ग्रामीण बिहार में महिलाओं की सामाजिक आर्थिक स्थितियों पर शराब बंदी (शराब निषेध) के प्रभाव" शीर्षक परियोजना के लिए 8 जुलाई 2019 को 7 लाख रूपये प्राप्त किए।

डॉ. अंजु हेलन बारा, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- एम.सी. बेहेरा (सं.), भारत में आदिवासी तथा नृविज्ञान में 'डिकोलोनाइजिंग ट्राइबल्स', मनोहर प्रेस, नई दिल्ली (2019)
- 'पंचायती राज संस्थाओं में आदिवासी महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी : झारखंड का एक केस अध्ययन', इंडियन जर्नल ऑफ रूरल एजुकेशन एंड एंगेजमेंट, वॉल्यूम 3, मार्च 2019।

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 05-06 अप्रैल, 2019 को सशस्त्र कार्रवाई समूह राज्यों एसडीजी परिप्रेक्ष्य में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में, "संस्थागत प्रसव तथा सशर्त नकद अंतरण योजना : बिहार में जननी सुरक्षा योजना के कार्य का आकलन", शीर्षक पत्र सह-लेखक शिवानी कुमार के साथ प्रस्तुत किया।

श्री आदित्य मोहंती, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- गली ब्यॉय और उसके मूल विद्रोह, आर्थिक तथा राजनीतिक साप्ताहिक, वॉल्यूम 54, अंक संख्या 8

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 18-21 सितंबर, 2019 के दौरान सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च तथा अंबेडकर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के तत्वाधान में आयोजित शोध समिति 21 शहरी शोध तथा अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक संघ के क्षेत्रीय विकास के द्विवार्षिक सम्मेलन 2019 में, 'तुलनात्मक लेंस के माध्यम से शहरी राजनीति को फिर से कल्पना करने हेतु' 2-पैनल सत्र आयोजित किया।
- 18-21 सितंबर, 2019 के दौरान सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च तथा अंबेडकर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के तत्वाधान में आयोजित शोध समिति 21 शहरी शोध तथा अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक संघ के क्षेत्रीय विकास के द्विवार्षिक सम्मेलन 2019 में, 'नागरिक कार्रवाई तथा स्थानीय नेतृत्व तथा चुनाव में रिक्त स्थान', विषय पर आधारित सत्र में 'नेबरहुड एशोसिएशंस एंड द मेकिंग ऑफ ए टोपोलॉजिकल अर्बन सिटिजनशिप एमॉन्ग द वाल्मीकीज़ इन देलही', शीर्षक एक पत्र प्रस्तुत किया।
- 18-30 नवंबर 2019 के दौरान यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के तत्वाधान में आयोजित ग्लोबल स्टडीज़ (इंटरडिसिप्लीनरी) में 6ठा पुनश्चर्या पाठ्यक्रम/रिफ्रेशर कोर्स पूरा किया।

❖ 15 नवंबर को दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के डेवलपमेंट स्टडीज़ विभाग द्वारा, "विकास शोध में नई दिशाएं : बनर्जी डफ्लो-क्रेमर का योगदान", विषय पर आयोजित पैनल विमर्श के समन्वयक।

अन्य गतिविधियां/उपलब्धियां

❖ 21-22 जनवरी, 2020 के दौरान आईएसआईडी, दिल्ली में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के उन्नत भारत अभियान सेल के तत्वाधान में आयोजित दो-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में सीयूएसबी का प्रतिनिधित्व किया।

श्री अहमेदुल कबीर ए.पी., सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

❖ "केरल में सार्वजनिक क्षेत्र और शैक्षिक नीति परिवर्तन।" शिक्षा एवं सार्वजनिक क्षेत्र में : उत्तर उपनिवेशवादी औपनिवेशिक भारत में मध्यस्थता की संरचनाओं की खोज, सुरेश बाबू जीएस, द्वारा रूटलेज, 2019

❖ "वैश्वीकरण और शिक्षण पर इसका प्रभाव : केरलम से एक अनुभव।" शोध क्रांति 7, संख्या 11 (अगस्त 2019) : 1-8

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

❖ 22 अगस्त, 2019 को मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (एमएएनयूयू), हैदराबाद के सोशियोलॉजी विभाग में 'सार्वजनिक क्षेत्र तथा नई मीडिया : परिवर्तनशील समकालीन संभाषण तथा सामाजिक वास्तविकताएं', विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

❖ 12 फरवरी, 2019 से 12 मार्च, 2019 तक यूजीसी-एचआरडीसी, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित 124वें दिशा-निर्देश कार्यक्रम में भाग लिया।

❖ 08 से 21 अगस्त, 2019 तक यूजीसी-एचआरडीसी, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना, 500046 में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

❖ 09-11 दिसंबर, 2019 तक ज़ाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज़, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा तुलनात्मक शिक्षा समाज विषय पर आयोजित 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, "सार्वजनिक क्षेत्र तथा उच्च शिक्षा का निजीकरण : केरल में सामुदायिक संगठनों की भूमिका पर एक अध्ययन", शीर्षक एक पत्र प्रस्तुत किया।

❖ 26-29 दिसंबर, 2019 तक केरल विश्वविद्यालय, कार्यवत्तोम, तिरूवनंतपुरम द्वारा आयोजित अखिल भारतीय सोशियोलॉजिकल सोसाइटी के 45वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, "सार्वजनिक क्षेत्र तथा उच्च शिक्षा का निजीकरण: केरल के स्व-वित्तपोषित शिक्षा में राजनीतिक दलों की भूमिका पर एक अध्ययन", शीर्षक एक पत्र प्रस्तुत किया।

❖ 26-29 दिसंबर, 2019 तक केरल विश्वविद्यालय, कार्यवत्तोम, तिरूवनंतपुरम, केरल द्वारा आयोजित अखिल भारतीय सोशियोलॉजिकल सोसाइटी के 45वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, "सार्वजनिक क्षेत्र तथा नई मीडिया : समकालीन संभाषण तथा सामाजिक वास्तविकताएं", शीर्षक एक पत्र प्रस्तुत किया।

इकोनॉमिक्स विभाग

क्रमांक	संकाय सदस्य के नाम	पदनाम	योग्यता
1	प्रो. शंकर कुमार भौमिक	प्राध्यापक	पीएचडी
2	डॉ. रति कांत कुम्भार	सह प्राध्यापक	पीएचडी
3	श्री अतीश कुमार दास	सहायक प्राध्यापक	एम.फिल
4	डॉ. अबोध कुमार	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
5	डॉ. रिकिल चर्मांग	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
6	डॉ. संजय कुमार	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी

संकाय उपलब्धियां/गतिविधियां :-

डॉ. आर.के. कुंभार, सह-प्राध्यापक

प्रकाशन

- साहू.एस. तथा आर.के.कुंभार (2019) खनन औद्यौगिकीकरण तथा ओडिशा में मानव विकास पर इसका प्रभाव: राज्य में डीएमएफ की भूमिका का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण, शोध समीक्षा इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लीनरी, वॉल्यूम -41 अंक - 81 अगस्त, पृष्ठ संख्या 189-198
- कुंभार. आर.के. तथा अनिमा तिर्की (2019) ओडिशा में रोज़गार और गरीबी की एफडीआई लोच, इंडियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड डेवलपमेंट, वॉल्यूम-7, अंक-4, अप्रैल - 1-11

अन्य गतिविधियां/उपलब्धियां

- सितंबर, 2019 में एक पी.एच.डी. अध्येता को मूल्यांकन के लिए पी.एच.डी. थीसिस जमा कराने में सहायता की।

श्री अतीश कुमार दास, सहायक प्राध्यापक

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 24-26 सितंबर, 2019 के दौरान द इंडियन इकोनोमेट्रिक सोसाइटी के सहयोग से सी.एम. कॉलेज, दरभंगा के इकोनॉमिक्स विभाग द्वारा, 'शोध में डेटा विश्लेषण के लिए एसपीएसएस के अनुप्रयोग' विषय पर आयोजित कार्यशाला में 'एसपीएसएस का उपयोग करके पैरामेट्रिक तथा नॉन-पैरामेट्रिक परीक्षण' शीर्षक एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. अबोध कुमार, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- कुमार ए) .टी.2019)। द्विपक्षीय व्यापार प्रवाह किससे निर्धारित होता है? ईसीओ क्षेत्र से साक्ष्य। अर्थशास्त्र और विकास अध्ययन की समीक्षा, 5 (1), 165।

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 15 फरवरी, 2020 को इलाहाबाद विश्वविद्यालय, एस. एस. खन्ना गर्ल्स डिग्री कॉलेज, अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित "आर्थिक मंदी के बीच बजट 2020-21 और आकांक्षायुक्त भारत" विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 13 दिसंबर, 2019 को पूर्णिया विश्वविद्यालय, अर्थशास्त्र के पीजी विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारतीय कृषि और खाद्य प्रबंधन" शीर्षक आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. रिकिल चर्मांग, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- रिकिल चर्मांग (2019), उत्पल कुमार दे तथा मनोरंजन पाल (सं.) में असम के एक चयनित जिले में क्षेत्र के मूल निवासी तथा ग़ैर-क्षेत्रीय की आर्थिक असमानता, भारतीय उपमहाद्वीप में विकास तथा अभाव, अध्याय 11, पृष्ठ 234-262, कोलकाता, लेवॉन्ट बुकस्, आईएसबीएन: 978-93-88069-19-9
- रिकिल चर्मांग (2019), एस. इरुदया राजन तथा सुमीथा एम. (सं.) में, आर्थिक असमानता और प्रवासन (भाग VIII: उभरते मुद्दे), भारत में आंतरिक प्रवासन की पुस्तिका, (अध्याय 48), नई दिल्ली, सेज प्रकाशन प्रा. लि. आईएसबीएन: 9789353285609

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 20-22 सितंबर, 2019 के दौरान भारतीय सामाजिक विज्ञान शोध परिषद द्वारा प्रायोजित जी. बी. पंत सोशल साइंस इंस्टीट्यूट (ए कांस्टीट्यूएंट इंस्टीट्यूट ऑफ इलाहाबाद विश्वविद्यालय), झूसी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश में जनसंख्या, स्वास्थ्य तथा पर्यावरण विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "उत्तर पूर्व भारत के दृष्टिकोण से प्रवासन" शीर्षक एक पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. संजय कुमार, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- संजय कुमार (2019) "बीआईएमएआरयू (BIMARU) राज्यों के विशेष संदर्भ के साथ भारत में समावेशी शिक्षा के लिए सार्वजनिक प्रावधान" द इंडियन इकोनॉमिक जर्नल, जर्नल ऑफ़ द इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन (आईईए)।

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 27-29 दिसंबर, 2019 को पं. रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन के 102वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया।

हिस्टोरिकल स्टडीज़ तथा आर्केलॉजी विभाग

क्रमांक	संकाय सदस्य के नाम	पदनाम	योग्यता
1	डॉ. सुधांशु कुमार झा	सहायक प्राध्यापक, प्रमुख (प्रभारी)	पीएचडी
2	डॉ. नीरज कुमार सिंह	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
3	श्री रोहित कुमार	सहायक प्राध्यापक	एम.फिल
4	श्री अनिल कुमार	सहायक प्राध्यापक	एम.फिल

संकाय उपलब्धियां/गतिविधियां :-

डॉ. सुधांशु कुमार झा, सहायक प्राध्यापक एवं प्रमुख (प्रभारी)

प्रकाशन

- कारण तथा मतभेद : भारत में लोकतंत्र की ऐतिहासिक तथा दार्शनिक स्थापना, इतिहास अतीत एवं वर्तमान, आईएसएसएन: 22313893, पृष्ठ -205-214

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 25 अप्रैल, 2019 को पटना विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में, 'कुंवर सिंह तथा उनकी विरासत', शीर्षक पर एक आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. नीरज कुमार सिंह, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- जून 2019 में, यूजीसी द्वारा सूचीबद्ध 'सेवा चेतना' नामक जर्नल में पृष्ठ सं.126-129 तक "योग का आध्यात्मिक स्वरूप" शीर्षक लेख प्रकाशित।
- सितंबर, 2019 में यूजीसी द्वारा सूचीबद्ध 'सेवा चेतना' नामक जर्नल में पृष्ठ सं. 39-42 तक, "शास्त्र तथा लोक संग्रहीधर्म" शीर्षक लेख प्रकाशित।
- आईएसएसएन 2349-426 युक्त 'तत्व-सिंधु' जर्नल में, "भारतीय परंपरा में इतिहास व कालबोध" शीर्षक लेख प्रकाशित।

श्री अनिल कुमार, सहायक प्राध्यापक

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 23 सितंबर, 2019 को शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, महाराष्ट्र में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में, "प्रभुत्व की स्वीकृति : तीन मराठा परिवार- शिंदे, होल्कर तथा गायकवाड़ 1700-1800 ई.पू.", शीर्षक एक पत्र प्रस्तुत किया।
- 25 सितंबर, 2019 को रक्षा तथा रणनीतिक अध्ययन विभाग (डीडीएसएस), सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय, पुणे में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में, "शिंदे, होल्कर तथा गायकवाड़ की उत्पति तथा प्राधिकरण", शीर्षक एक पत्र प्रस्तुत किया।

विभाग स्तरीय आयोजन/गतिविधियां

- 23 अप्रैल, 2019 को विभाग ने, मगध विश्वविद्यालय के इतिहास के पी.जी. विभाग के प्रमुख, प्रो. मनीष सिन्हा द्वारा कुंवर सिंह पर एक वार्ता का आयोजन किया।
- 24-25 फरवरी, 2020 को विभाग ने "भारतीय इतिहास पुर्नलेखन : चुनौतियां तथा सामाजिक परिणाम", विषय पर समाजशास्त्रीय अध्ययन विभाग के सहयोग से दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी का उद्घाटन प्रो. अरविंद पी. जमखेडकर ने किया।

पॉलिटिकल साइंस विभाग

क्रमांक	संकाय सदस्य के नाम	पदनाम	योग्यता
1	प्रो. एस.एन. सिंह	प्राध्यापक	पीएचडी
2	डॉ. आलोक कुमार गुप्ता	सह प्राध्यापक	पीएचडी
3	डॉ. प्रवीन कुमार	सह प्राध्यापक	पीएचडी
4	डॉ. सुमित कुमार पाठक	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
5	डॉ. अभय कुमार	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
6	डॉ. प्रणव कुमार	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
7	श्री पवन कुमार सिंह	सहायक प्राध्यापक	एम.फिल

संकाय उपलब्धियां/गतिविधियां :-

डॉ. प्रवीण कुमार, सह प्राध्यापक

प्रकाशन

- कुमार प्रवीण (मुख्य लेखक) तथा कुमार कुंदन (द्वतीय लेखक) भारत में सामाजिक न्याय तथा लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं : 2019 के संसदीय चुनावों का संदर्भ । इंडियन जर्नल ऑफ सोसायटी एंड पॉलिटिक्स । वॉल्यूम 07 संख्या 01, फरवरी2020 (शोध पत्र)
- कुमार प्रवीण, 2020 "प्राचीन भारत : अवधारणा तथा समुदाय के रूप"। 'प्राचीन तथा मध्यकालीन भारतीय विचार : विषय वस्तु तथा परंपरा'। सं. तोमर, अंकित तथा मलिक, सूरथ के., नई दिल्ली : सेज प्रकाशन (पुस्तक अध्याय)

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 30 सितंबर-02 अक्टूबर, 2019 तक गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय : गांधीनगर में 'गांधी, संघर्ष संकल्प तथा शांति : इक्कीसवीं सदी में उभरती हुई गतिशीलता', विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, "राजनीतिक दायित्व, राष्ट्र राज्यों तथा हिंसक संघर्ष : गांधी कहां प्रासंगिक होंगे ?", शीर्षक एक पत्र प्रस्तुत किया।

अन्य गतिविधियां/ उपलब्धियां

- आईसीएसएसआर द्वारा वित्तपोषित लघु शोध परियोजना शीर्षक, "कौटिल्य सिद्धांत तथा 20वीं सदी के पश्चिमी भू-राजनीतिक सिद्धांतो के मिश्रित दृष्टिकोण के अनुप्रयोग के माध्यम से इंडो-पैसिफिक में समकालीन भू-राजनीतिक संरचनाओं का अध्ययन", को प्रवीण कुमार ने परियोजना निदेशक (पीडी) के रूप में पूरा किया तथा परियोजना रिपोर्ट को निधीयन एजेंसी (आईसीएसएसआर) द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

डॉ. सुमित पाठक, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- पाठक, सुमित कुमार, वैश्वीकरण, इकाई 11, प्रोग्राम-बी.ए. सामान्य पाठ्यक्रम- अंतर्राष्ट्रीय संबंधो का परिचय, ब्लॉक बीपीएससी 134, इंदिरा गांधी, राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, सामाजिक विज्ञान स्कूल, नई दिल्ली - 2019 (इग्नू पुस्तिका में अध्याय)

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 12-14 मार्च, 2020 के दौरान द सेंटर फॉर अफ्रीकन एंड अफ्रीकन डायस्पोरा स्टडीज, केनेसा स्टेट यूनिवर्सिटी, एटलांटा, जॉर्जिया, यूएसए द्वारा "संकट के समय में अधिकारों पर पुर्नविचार : स्थानीय तथा वैश्विक परिप्रेक्ष्य में लचीलापन तथा गरिमा", विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, "हिंसक परिस्थिति में अधिकार तथा गरिमा को समझना (मॉब लिचिंग) : भारत का एक मामला", शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. प्रणव कुमार, सहायक प्राध्यापक

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 21-22 जून 2019 के दौरान एमआईटी स्कूल ऑफ गवर्मेंट, पुणे द्वारा,'लोकसभा चुनाव परिणाम 2019 : पार्टी प्रणाली, चुनाव तथा राष्ट्रीय शासन का भविष्य', विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में, "विधानसभा चुनावों के बाद" शीर्षक एक पत्र प्रस्तुत किया।
- 03-04 सितंबर, 2019 के दौरान सपरू हाउस, नई दिल्ली में, 'वैश्विक मामलों के लिए बदलते वैश्विक आर्डर अंतर्राष्ट्रीय परिषद में भारत-अफ्रीका की भागेदारी' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में, "वैश्विक व्यापार शासन, विश्व व्यापार संगठन तथा भारत-अफ्रीका सहयोग : संभावनाएं तथा चुनौतियां", शीर्षक एक पत्र प्रस्तुत किया।
- 20 जून, 2019 को डॉ.वी.डी. करड एमआईटी विश्व शांति विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र में "बिहार की सामजिक-राजनीतिक गतिशीलता को समझना : अतीत, वर्तमान और भविष्य" विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

श्री पवन कुमार सिंह, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- सिंह.पवन कुमार(मुख्य लेखक) विकलांग व्यक्ति:भारतीय शिक्षा नीतियां तथा उनका अनुपालन।वाराणसी मैनेजमेंट रिव्यू,वॉल्यूम 4(1)

सोशियोलॉजी विभाग

क्रमांक	संकाय सदस्य के नाम	पदनाम	योग्यता
1	डॉ. अनिल कुमार सिंह झा	सह प्राध्यापक एवं प्रमुख	पीएचडी
2	डॉ. सनत कुमार शर्मा	सह प्राध्यापक	पीएचडी
3	डॉ. जितेंद्र राम	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
4	डॉ. हरेश नारायण पांडे	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
5	डॉ. परिजात प्रधान	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी
6	डॉ. प्रिय रंजन	सहायक प्राध्यापक	पीएचडी

संकाय उपलब्धियां/गतिविधियां :-

डॉ. अनिल कुमार सिंह झा, सह प्राध्यापक एवं प्रमुख

प्रकाशन

- झा. ए के एस: **"हरियाणा में घरेलू हिंसा का समाजशास्त्रीय अध्ययन",** द इंडियन जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस (आईएसएसएन: 0019-5510), वॉल्यूम-LXXX, संख्या-2, अप्रैल - जून 2019 (पृष्ठ 261-268)।

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 29 जनवरी, 2020 को संकाय विकास केंद्र, आईएस पीजी कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (21 जनवरी - 24 फरवरी, 2020) में "लिंग भेदभाव का परिमाण तथा लिंग संवेदनशीलता की आवश्यकता" विषय पर प्रमुख वक्ता के रूप में व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- 04 दिसंबर, 2019 को संकाय विकास केंद्र, आईएस पीजी कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय (यूओए), प्रयागराज द्वारा शोध पद्धति संबंधी आयोजित कार्यशाला में "अनुसंधान पद्धति के गुणात्मक दृष्टिकोण के रूप में एथनोमेथॉडोलॉजी" विषय पर प्रमुख वक्ता के रूप में एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- 11-12 अक्टूबर, 2019 के दौरान राजस्थान सोशियोलॉजिकल एसोसिएशन तथा एसडीजी कॉलेज, ब्यावर (राजस्थान) द्वारा संयुक्त रूप से 'सामाजिक-सांस्कृतिक और तकनीकी परिवर्तन: वैश्विक और भारतीय' विषय पर आयोजित 26वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की तथा "सतत विकास लक्ष्यों और बिहार में लैंगिक असमानता की स्थिति" विषय पर एक विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया।

डॉ. सनत कुमार शर्मा, सह प्राध्यापक

प्रकाशन

- „समाज निर्माण में मूल्य आधारित शिक्षा का योगदान : एक समाजशास्त्रीय विवेचन", अयन, भाग 7 संख्या 4, अक्टूबर-दिसंबर, 2019 यूजीसी संख्या 49095, आईएसएसएन 2347-4491
- „प्राचीन भारत में शिक्षा एवं समाज दर्शन के अंतरसंबंधों का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन", द इटर्निटी, भाग 10, संख्या 1-2, जनवरी-जून, आईएसएसएन 0975-8690 यूजीसी सूची संख्या 44958 इंपैक्ट फैक्टर 3.214
- „समाज निर्माण में परिवार एवं शिक्षा का योगदान : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन" रिसर्च टुडे, भाग 11, संख्या 1, जनवरी-जून, 2020, आईएसएसएन : 2319-6947
- „सामाजिक संरचना के संदर्भ में शिक्षा और शिक्षक : एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण" मानविकी, भाग 12, संख्या 1, अंक-2, जनवरी-जून, 2020, यूजीसी सूची संख्या - 42515, आईआईजेएफ इंपैक्ट फैक्टर - 3.097, आईएसएसएन 0975-7880

डॉ. जितेंद्र राम, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- 2019 "फ्रॉम स्टिगमा टू प्रोटेस्ट मूवमेंट: ट्रेसिंग दलितस् इन कंटेम्पोरेरी पीरियड" इंडियन एनथ्रोपोलॉजिस्ट, वॉल्यूम 49, नंबर 1, जनवरी-जून 2019, आईएसएसएन0970-0927, पृष्ठ 37-50।

डॉ. हरेश नारायण पांडे, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- मीडिया तथा विकास का सिद्धांत नामक पुस्तक में 'वैश्वीकरण, जीवन शैली और उपभोक्ता संस्कृति' शीर्षक अध्याय, सं. आतिश प्राशर तथा सुजीत कुमार, एबीएच प्रा. लिमि., नई दिल्ली। (प्रार्थित)

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 26-29 दिसंबर, 2019 के दौरान सोशियोलॉजी विभाग, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम द्वारा पर्यावरण, संस्कृति और विकास विषय पर आयोजित 45वें अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन: संभाषण तथा अंतर्क्रिया, में 'वैश्वीकरण, खेल, जन संचार तथा मनोरंजन' शीर्षक पर एक पत्र प्रस्तुत किया तथा समाजशास्त्र के इतिहास पर शोध समिति - 01 (आरसी-01) में एक सत्र की अध्यक्षता की।

अन्य गतिविधियां / उपलब्धियां

- 23 सितंबर से 05 अक्टूबर, 2019 के दौरान एचआरडीसी, बीएचयू, वाराणसी द्वारा आयोजित 6ठे सामाजिक विज्ञान (अंत:विषयी) में ग्रीष्मकालीन विद्यालय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. परिजात प्रधान, सहायक प्राध्यापक

प्रकाशन

- ब्लू बक प्रकाशन, नई दिल्ली (प्रार्थित) के अंतर्गत "नए भारत की ओर: रुझान तथा परिवर्तन" शीर्षक संपादित पुस्तक के एक अध्याय में योगदान दिया जिस पत्र का शीर्षक है, "लिंग तथा घरेलू हिंसा : बिहार के चुनिंदा क्षेत्रों का एक अध्ययन"।
- आरबीएच मीडिया प्रकाशन प्रा. लिमि., नई दिल्ली (प्रार्थित) के अंतर्गत "मीडिया तथा विकास का सिद्धांत" शीर्षक संपादित पुस्तक के एक अध्याय में योगदान दिया जिस पत्र का शीर्षक है, "लिंग, मीडिया तथा विज्ञापन : एक समाजशास्त्रीय संभाषण"।

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 27 से 29 दिसंबर, 2019 तक केरल विश्वविद्यालय में 45वें अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन में, "लिंग, वेब सीरीज़ तथा विज्ञापन : एक समाजशास्त्रीय संभाषण" शीर्षक एक पत्र प्रस्तुत किया।

अन्य गतिविधियां / उपलब्धियां

- 23 सितंबर से 5 अक्टूबर, 2019 तक काशी हिंदू विश्वविद्यालय में 6ठे समाज शास्त्र में ग्रीष्मकालीन विद्यालय में भाग लिया।

डॉ. प्रिय रंजन, सहायक प्राध्यापक

संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला में प्रतिभागिता

- 29 नवंबर से 1 दिसंबर, 2019 के दौरान भुवनेश्वर के कलिंगा अस्पताल (नाल्को स्क्वायर) के पास होटल सूर्यवंश में उत्कल विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ वूमेन स्टडीज़ द्वारा आयोजित जेंडर बजटिंग पर राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

अन्य गतिविधियां / उपलब्धियां

- 16 से 27 सितंबर 2019 के दौरान यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित समाजशास्त्र में 39वें पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

31 मार्च, 2020 तक विद्यार्थियों के आंकड़ें

अंडर ग्रेजुएट (यूजी) प्रोग्राम्स

पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड बी.ए.एलएलबी (ऑनर्स)

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-10 वर्ष 2015	पुरुष	20	7	4	1	0	0	0	32
	स्त्री	4	2	0	0	0	0	0	6
	कुल	**24**	**9**	**4**	**1**	**0**	**0**	**0**	**38**
सत्र-8 वर्ष 2016	पुरुष	16	13	6	0	0	0	0	35
	स्त्री	11	6	2	0	0	0	0	19
	कुल	**27**	**19**	**8**	**0**	**0**	**0**	**0**	**54**
सत्र-6 वर्ष 2017	पुरुष	11	16	3	1	0	0	0	31
	स्त्री	6	11	6	0	0	0	0	23
	कुल	**17**	**27**	**9**	**1**	**0**	**0**	**0**	**54**
सत्र-4 वर्ष 2018	पुरुष	32	31	12	2	0	0	0	77
	स्त्री	12	17	9	1	0	0	0	39
	कुल	**44**	**48**	**21**	**3**	**0**	**0**	**0**	**116**
सत्र-2 वर्ष 2019	पुरुष	30	32	16	6	1	0	15	100
	स्त्री	11	13	4	1	0	0	2	31
	कुल	**41**	**45**	**20**	**7**	**1**	**0**	**17**	**131**
कुल योग		153	148	62	12	1	0	17	393

पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड बी.एससी.एलएलबी (ऑनर्स)

सत्र-10 वर्ष 2015	पुरुष	10	6	2	0	0	0	0	18
	स्त्री	0	1	2	0	0	0	0	3
	कुल	**10**	**7**	**4**	**0**	**0**	**0**	**0**	**21**
कुल योग		**10**	**7**	**4**	**0**	**0**	**0**	**0**	**21**

चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बी.ए.बीएड. (ऑनर्स)

सत्र-8 वर्ष 2016	पुरुष	8	17	3	0	0	0	0	28
	स्त्री	9	1	2	0	0	0	0	12
	कुल	**17**	**18**	**5**	**0**	**0**	**0**	**0**	**40**
सत्र-6 वर्ष 2017	पुरुष	12	9	6	1	0	0	0	28
	स्त्री	5	11	1	1	0	0	0	18
	कुल	**17**	**20**	**7**	**2**	**0**	**0**	**0**	**46**
सत्र-4 वर्ष 2018	पुरुष	8	13	5	1	0	0	0	27
	स्त्री	8	10	3	2	0	0	0	23
	कुल	**16**	**23**	**8**	**3**	**0**	**0**	**0**	**50**
सत्र-2 वर्ष 2019	पुरुष	12	14	7	1	1	0	2	37
	स्त्री	5	9	1	2	0	0	4	21
	कुल	**17**	**23**	**8**	**3**	**1**	**0**	**6**	**58**
कुल योग		**67**	**84**	**28**	**8**	**1**	**0**	**6**	**194**

*सामाजिक श्रेणी के साथ दिव्यांग, यदि कोई (उल्लेख करें)

31 मार्च, 2020 तक विद्यार्थियों के आंकड़ें

चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बी.एससी.बीएड. (ऑनर्स)

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-8 वर्ष 2016	पुरुष	9	11	3	1	0	0	0	24
	स्त्री	4	10	1	0	0	0	0	15
	कुल	**13**	**21**	**4**	**1**	**0**	**0**	**0**	**39**
सत्र-6 वर्ष 2017	पुरुष	7	21	3	0	0	0	0	31
	स्त्री	2	5	3	0	0	0	0	10
	कुल	**9**	**26**	**6**	**0**	**0**	**0**	**0**	**41**
सत्र-4 वर्ष 2018	पुरुष	7	18	5	0	0	0	0	30
	स्त्री	10	4	3	3	0	0	0	20
	कुल	**17**	**22**	**8**	**3**	**0**	**0**	**0**	**50**
सत्र-2 वर्ष 2019	पुरुष	6	15	5	0	1	0	5	32
	स्त्री	2	12	4	3	1	0	1	23
	कुल	**8**	**27**	**9**	**3**	**2**	**0**	**6**	**55**
कुल योग		**47**	**96**	**27**	**7**	**2**	**0**	**6**	**185**

अंडरग्रेजुएट(यूजी) कुल

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-10 वर्ष 2015	पुरुष	30	13	6	1	0	0	0	50
	स्त्री	4	3	2	0	0	0	0	9
	कुल	**34**	**16**	**8**	**1**	**0**	**0**	**0**	**59**
सत्र-8 वर्ष 2016	पुरुष	33	41	12	1	0	0	0	87
	स्त्री	24	17	5	0	0	0	0	46
	कुल	**57**	**58**	**17**	**1**	**0**	**0**	**0**	**133**
सत्र-6 वर्ष 2017	पुरुष	30	46	12	2	0	0	0	90
	स्त्री	13	27	10	1	0	0	0	51
	कुल	**43**	**73**	**22**	**3**	**0**	**0**	**0**	**141**
सत्र-4 वर्ष 2018	पुरुष	47	62	22	3	0	0	0	134
	स्त्री	30	31	15	6	0	0	0	82
	कुल	**77**	**93**	**37**	**9**	**0**	**0**	**0**	**216**
सत्र-2 वर्ष 2019	पुरुष	48	61	28	7	3	0	22	169
	स्त्री	18	34	9	6	1	0	7	75
	कुल	**66**	**95**	**37**	**13**	**4**	**0**	**29**	**244**
कुल योग		**277**	**335**	**121**	**27**	**4**	**0**	**29**	**793**

अंडरग्रेजुएट(यूजी) कुल योग

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
यूजी कुल योग	पुरुष	188	223	80	14	3	0	0	530
	स्त्री	89	112	41	13	1	0	0	263
	कुल	**277**	**335**	**121**	**27**	**4**	**0**	**0**	**793**

*सामाजिक श्रेणी के साथ दिव्यांग, यदि कोई (उल्लेख करें)

31 मार्च, 2020 तक विद्यार्थियों के आंकड़ें

पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) प्रोग्राम्स

1. एम.एससी. बायोइनफॉरमेटिक्स

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-4	पुरुष	6	4	0	0	0	0	0	10
	स्त्री	12	5	0	0	0	0	0	17
	कुल	**18**	**9**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**27**
सत्र-2	पुरुष	8	4	2	0	0	0	0	14
	स्त्री	4	6	0	0	0	0	1	11
	कुल	**12**	**10**	**2**	**0**	**0**	**0**	**1**	**25**
कुल योग		30	19	2	0	0	0	1	52

2. एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-4	पुरुष	1	5	1	1	1	0	0	9
	स्त्री	8	11	2	0	0	0	0	21
	कुल	**9**	**16**	**3**	**1**	**1**	**0**	**0**	**30**
सत्र-2	पुरुष	2	12	1	0	0	0	1	16
	स्त्री	8	3	2	0	0	0	3	16
	कुल	**10**	**15**	**3**	**0**	**0**	**0**	**4**	**32**
कुल योग		19	31	6	1	1	0	4	62

3. एम.एससी. लाईफ साइंस

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-4	पुरुष	4	8	1	0	0	0	0	13
	स्त्री	13	3	1	0	0	0	0	17
	कुल	**17**	**11**	**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**30**
सत्र-2	पुरुष	3	6	2	1	0	0	2	14
	स्त्री	8	13	2	0	0	0	2	25
	कुल	**11**	**19**	**4**	**1**	**0**	**0**	**4**	**39**
कुल योग		28	30	6	1	0	0	4	69

4. एम.एससी. कंप्यूटर साइंस

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-4	पुरुष	10	9	0	1	0	0	0	20
	स्त्री	8	1	0	0	0	0	0	9
	कुल	**18**	**10**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**29**
सत्र-2	पुरुष	11	10	1	0	0	0	2	24
	स्त्री	3	3	0	0	0	0	1	7
	कुल	**14**	**13**	**1**	**0**	**0**	**0**	**3**	**31**
कुल योग		32	23	1	1	0	0	3	60

*सामाजिक श्रेणी के साथ दिव्यांग, यदि कोई (उल्लेख करें)

31 मार्च, 2020 तक विद्यार्थियों के आंकड़ें

5. एम.टेक. कंप्यूटर साइंस

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-4	पुरुष	0	3	1	0	0	0	0	4
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	**0**	**3**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**4**
कुल योग		0	3	1	0	0	0	0	4

6. एम.एससी. एनवायरनमेंटल साइंस

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-4	पुरुष	5	10	3	0	0	0	0	18
	स्त्री	7	6	0	0	0	0	0	13
	कुल	**12**	**16**	**3**	**0**	**0**	**0**	**0**	**31**
सत्र-2	पुरुष	2	4	1	0	0	0	1	8
	स्त्री	7	8	3	0	0	0	1	19
	कुल	**9**	**12**	**4**	**0**	**0**	**0**	**2**	**27**
कुल योग		21	28	7	0	0	0	2	58

7. एम.एससी. मेथेमेटिक्स

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-4	पुरुष	3	15	3	0	1	0	0	22
	स्त्री	6	4	0	0	0	0	0	10
	कुल	**9**	**19**	**3**	**0**	**1**	**0**	**0**	**32**
सत्र-2	पुरुष	7	12	1	0	0	0	3	23
	स्त्री	3	7	1	1	0	0	1	13
	कुल	**10**	**19**	**2**	**1**	**0**	**0**	**4**	**36**
कुल योग		19	38	5	1	1	0	4	68

8. एम.एससी. स्टैटिस्टिक्स

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-4	पुरुष	1	1	0	0	0	0	0	2
	स्त्री	4	1	0	0	0	0	0	5
	कुल	**5**	**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**7**
सत्र-2	पुरुष	3	1	0	0	0	0	1	5
	स्त्री	3	1	0	0	0	0	0	4
	कुल	**6**	**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**9**
कुल योग		11	4	0	0	0	0	1	16

9. एमए कम्यूनिकेशन एंड मीडिया

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-4	पुरुष	6	3	1	0	0	0	0	10
	स्त्री	9	0	0	0	0	0	0	9
	कुल	**15**	**3**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**19**
सत्र-2	पुरुष	9	5	3	0	0	0	2	19
	स्त्री	4	4	0	1	0	0	1	10
	कुल	**13**	**9**	**3**	**1**	**0**	**0**	**3**	**29**
कुल योग		28	12	4	1	0	0	3	48

*सामाजिक श्रेणी के साथ दिव्यांग, यदि कोई (उल्लेख करें)

31 मार्च, 2020 तक विद्यार्थियों के आंकड़ें

10. एमए डेवलपमेंट स्टडीज़

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-4	पुरुष	3	5	0	0	0	0	0	8
	स्त्री	1	0	0	0	0	0	0	1
	कुल	**4**	**5**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**9**
सत्र-2	पुरुष	3	4	0	0	0	0	1	8
	स्त्री	6	2	1	0	0	0	0	9
	कुल	**9**	**6**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**17**
कुल योग		13	11	1	0	0	0	1	26

11. एमए साइकोलॉजी

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-4	पुरुष	4	0	1	0	0	0	0	5
	स्त्री	7	2	0	0	0	0	0	9
	कुल	**11**	**2**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**14**
सत्र-2	पुरुष	4	1	0	0	0	0	0	5
	स्त्री	2	3	0	0	0	0	0	5
	कुल	**6**	**4**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**10**
कुल योग		17	6	1	0	0	0	0	24

12. एमए इकोनॉमिक्स

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-4	पुरुष	9	13	1	1	0	0	0	24
	स्त्री	4	2	0	0	0	0	0	6
	कुल	**13**	**15**	**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**30**
सत्र-2	पुरुष	4	11	2	0	0	0	1	18
	स्त्री	8	3	0	0	0	0	0	11
	कुल	**12**	**14**	**2**	**0**	**0**	**0**	**1**	**29**
कुल योग		25	29	3	1	0	0	1	59

13. एमए पॉलिटिकल साइंस एंड इंटरनेशनल रिलेशंस

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-4	पुरुष	2	7	1	0	0	0	0	10
	स्त्री	1	1	0	0	0	0	0	2
	कुल	**3**	**8**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**12**
सत्र-2	पुरुष	4	6	1	0	0	0	0	11
	स्त्री	3	3	0	0	0	0	1	7
	कुल	**7**	**9**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**18**
कुल योग		10	17	2	0	0	0	1	30

*सामाजिक श्रेणी के साथ दिव्यांग, यदि कोई (उल्लेख करें)

31 मार्च, 2020 तक विद्यार्थियों के आंकड़ें

14. एमए सोशियोलॉजी

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-4	पुरुष	1	0	0	0	0	0	0	1
	स्त्री	2	2	1	0	0	0	0	5
	कुल	3	2	1	0	0	0	0	6
सत्र-2	पुरुष	1	1	1	0	0	0	0	3
	स्त्री	0	2	0	0	0	0	0	2
	कुल	1	3	1	0	0	0	0	5
कुल योग		4	5	2	0	0	0	0	11

15. एमए इंग्लिश

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-4	पुरुष	8	1	0	0	0	0	0	9
	स्त्री	8	6	0	0	0	0	0	14
	कुल	16	7	0	0	0	0	0	23
सत्र-2	पुरुष	6	7	2	0	1	0	0	16
	स्त्री	8	0	2	0	0	0	0	10
	कुल	14	7	4	0	1	0	0	26
कुल योग		30	14	4	0	1	0	0	49

16. एमए हिंदी

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-4	पुरुष	2	4	0	0	0	0	0	6
	स्त्री	1	1	1	0	0	0	0	3
	कुल	3	5	1	0	0	0	0	9
सत्र-2	पुरुष	8	7	0	0	0	0	1	16
	स्त्री	0	2	0	1	0	0	1	4
	कुल	8	9	0	1	0	0	2	20
कुल योग		11	14	1	1	0	0	2	29

17. एलएलएम

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
शून्य सेमेस्टर	पुरुष	0	0	0	0	0	0	0	0
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	0	0	0	0	0	0	0	0
सत्र-2	पुरुष	7	12	3	2	1	0	2	27
	स्त्री	4	3	0	0	0	0	1	8
	कुल	11	15	3	2	1	0	3	35
कुल योग		11	15	3	2	1	0	3	35

*सामाजिक श्रेणी के साथ दिव्यांग, यदि कोई (उल्लेख करें)

31 मार्च, 2020 तक विद्यार्थियों के आंकड़ें

18. एम.एड

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-4	पुरुष	9	11	5	0	0	0	0	25
	स्त्री	10	9	2	0	0	0	0	21
	कुल	**19**	**20**	**7**	**0**	**0**	**0**	**0**	**46**
सत्र-2	पुरुष	8	5	2	0	1	0	2	18
	स्त्री	11	10	1	0	0	0	3	25
	कुल	**19**	**15**	**3**	**0**	**1**	**0**	**5**	**43**
कुल योग		38	35	10	0	1	0	5	89

19. एम.एससी. फिजिक्स

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-4	पुरुष	14	7	4	1	0	0	0	26
	स्त्री	1	5	1	1	0	0	0	8
	कुल	**15**	**12**	**5**	**2**	**0**	**0**	**0**	**34**
सत्र-2	पुरुष	8	14	0	0	0	0	2	24
	स्त्री	5	3	1	0	0	0	0	9
	कुल	**13**	**17**	**1**	**0**	**0**	**0**	**2**	**33**
कुल योग		28	29	6	2	0	0	2	67

20. एम.एससी. केमिस्ट्री

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-4	पुरुष	9	9	1	2	0	0	0	21
	स्त्री	6	4	2	0	0	0	0	12
	कुल	**15**	**13**	**3**	**2**	**0**	**0**	**0**	**33**
सत्र-2	पुरुष	9	8	0	0	0	0	1	18
	स्त्री	4	4	1	0	0	0	0	9
	कुल	**13**	**12**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**27**
कुल योग		28	25	4	2	0	0	1	60

21. एम.कॉम.

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-4	पुरुष	4	3	1	0	0	0	0	8
	स्त्री	6	5	0	0	0	0	0	11
	कुल	**10**	**8**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**19**
सत्र-2	पुरुष	7	5	0	0	0	0	0	12
	स्त्री	7	6	0	0	0	0	0	13
	कुल	**14**	**11**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**25**
कुल योग		24	19	1	0	0	0	0	44

*सामाजिक श्रेणी के साथ दिव्यांग, यदि कोई (उल्लेख करें)

31 मार्च, 2020 तक विद्यार्थियों के आंकड़ें

22. एमए सोशल वर्क

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-4	पुरुष	6	3	1	1	0	0	0	11
	स्त्री	2	3	0	0	0	0	0	5
	कुल	**8**	**6**	**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**16**
सत्र-2	पुरुष	5	5	0	0	0	0	0	10
	स्त्री	1	4	0	0	0	0	0	5
	कुल	**6**	**9**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**15**
कुल योग		14	15	1	1	0	0	0	31

23. एमए हिस्ट्री

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-4	पुरुष	2	4	1	0	0	0	0	7
	स्त्री	3	0	0	0	0	0	0	3
	कुल	**5**	**4**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**10**
सत्र-2	पुरुष	7	7	1	0	0	0	0	15
	स्त्री	3	3	0	0	0	0	0	6
	कुल	**10**	**10**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**21**
कुल योग		15	14	2	0	0	0	0	31

पोस्टग्रेजुएट (पीजी) एम.टेक. सहित कुल

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र-4	पुरुष	109	125	26	7	2	0	0	269
	स्त्री	119	71	10	1	0	0	0	201
	कुल	**228**	**196**	**36**	**8**	**2**	**0**	**0**	**470**
सत्र-2	पुरुष	126	150	24	3	3	0	22	328
	स्त्री	102	93	14	3	0	0	16	228
	कुल	**228**	**243**	**38**	**6**	**3**	**0**	**38**	**556**
कुल योग		456	439	74	14	5	0	38	1026

पोस्टग्रेजुएट (पीजी) कुल योग

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
पीजी कुल	पुरुष	235	275	50	10	5	0	22	597
	स्त्री	221	164	24	4	0	0	16	429
	कुल	**456**	**439**	**74**	**14**	**5**	**0**	**38**	**1026**

*सामाजिक श्रेणी के साथ दिव्यांग, यदि कोई (उल्लेख करें)

31 मार्च, 2020 तक विद्यार्थियों के आंकड़ें

इंटीग्रेटेड एम.फिल. - पीएच.डी

इंटीग्रेटेड एम.फिल.-पीएच.डी. बायोटेक्नोलॉजी

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 12 (2014)	पुरुष	1	1	1	0	0	0	0	3
	स्त्री	1	0	0	0	0	0	0	1
	कुल	2	1	1	0	0	0	0	4
सत्र - 9 (2015)	पुरुष	0	0	0	0	0	0	0	0
	स्त्री	0	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	0	1	0	0	0	0	0	1
कुल योग		2	2	1	0	0	0	0	5

इंटीग्रेटेड एम.फिल.-पीएच.डी. लाईफ साइंस

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 9 (2015)	पुरुष	0	0	0	0	0	0	0	0
	स्त्री	1	0	0	0	0	0	0	1
	कुल	1	0	0	0	0	0	0	1
कुल योग		1	0	0	0	0	0	0	1

इंटीग्रेटेड एम.फिल.-पीएच.डी. बायोइनफॉरमेटिक्स

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 9 (2015)	पुरुष	0	0	2	0	0	0	0	2
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	0	0	2	0	0	0	0	2
कुल योग		0	0	2	0	0	0	0	2

इंटीग्रेटेड एम.फिल.-पीएच.डी. एनवायरनमेंटल साइंस

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 12 (2014)	पुरुष	0	1	1	0	0	0	0	2
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	0	1	1	0	0	0	0	2
सत्र - 10 (2015)	पुरुष	1	0	0	0	0	0	0	1
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	1	0	0	0	0	0	0	1
कुल योग		1	1	1	0	0	0	0	3

इंटीग्रेटेड एम.फिल.-पीएच.डी. मेथेमेटिक्स

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 12 (2014)	पुरुष	1	1	0	0	0	0	0	2
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	1	1	0	0	0	0	0	2
कुल योग		1	1	0	0	0	0	0	2

*सामाजिक श्रेणी के साथ दिव्यांग, यदि कोई (उल्लेख करें)

31 मार्च, 2020 तक विद्यार्थियों के आंकड़ें

इंटीग्रेटेड एम.फिल.-पीएच.डी. स्टैटिस्टिक्स

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 12 (2014)	पुरुष	0	0	0	0	0	0	0	0
	स्त्री	0	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**
सत्र - 10 (2015)	पुरुष	1	0	0	0	0	0	0	1
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**
कुल योग		**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**

इंटीग्रेटेड एम.फिल.-पीएच.डी. कंप्यूटर साइंस

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 12 (2014)	पुरुष	1	0	0	0	0	0	0	1
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**
कुल योग		**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**

इंटीग्रेटेड एम.फिल.-पीएच.डी. डेवलपमेंट स्टडीज़

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 12 (2014)	पुरुष	1	0	1	0	0	0	0	2
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	**1**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**
कुल योग		**1**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**

इंटीग्रेटेड एम.फिल.-पीएच.डी. इकोनॉमिक्स

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 12 (2014)	पुरुष	0	0	0	0	0	0	0	0
	स्त्री	1	0	0	0	0	0	0	1
	कुल	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**
कुल योग		**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**

इंटीग्रेटेड एम.फिल.-पीएच.डी. पॉलिटिकल साइंस एंड इंटरनेशनल रिलेशंस

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 09 (2015)	पुरुष	0	0	0	0	0	0	0	0
	स्त्री	1	0	0	0	0	0	0	1
	कुल	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**
कुल योग		**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**

इंटीग्रेटेड एम.फिल.-पीएच.डी.हिंदी

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 12 (2014)	पुरुष	0	1	0	0	0	0	0	1
	स्त्री	1	0	0	0	0	0	0	1
	कुल	**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**
कुल योग		**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**2**

*सामाजिक श्रेणी के साथ दिव्यांग, यदि कोई (उल्लेख करें)

31 मार्च, 2020 तक विद्यार्थियों के आंकड़ें

इंटीग्रेटेड एम.फिल.-पीएच.डी. कुल

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 12 (2014)	पुरुष	3	3	3	0	0	0	0	9
	स्त्री	3	0	0	0	0	0	0	3
	कुल	6	3	3	0	0	0	**0**	12
सत्र - 11 (2014)	पुरुष	1	1	0	0	0	0	0	2
	स्त्री	0	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	1	2	0	0	0	0	**0**	3
सत्र - 09 (2015)	पुरुष	2	0	2	0	0	0	0	4
	स्त्री	2	1	0	0	0	0	0	3
	कुल	4	1	2	0	0	0	**0**	7
कुल योग		11	6	5	0	0	0	0	22

पीएच.डी.

1. पीएच.डी. एजुकेशन

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 7 फरवरी, 2017	पुरुष	0	0	0	0	0	0	0	0
	स्त्री	1	1	0	0	0	0	0	2
	कुल	1	1	0	0	0	0	0	2
सत्र-3 नवंबर, 2018	पुरुष	3	2	0	0	0	0	0	5
	स्त्री	2	3	0	0	0	0	0	5
	कुल	5	5	0	0	0	0	0	10
सत्र-2 जुलाई, 2019	पुरुष	3	4	1	0	0	0	0	8
	स्त्री	4	2	0	0	0	0	0	6
	कुल	7	6	1	0	0	0	0	14
कुल योग		13	12	1	0	0	0	0	26

2. पीएच.डी. लॉ

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 7 फरवरी, 2017	पुरुष	3	1	2	0	0	0	0	6
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	3	1	2	0	0	0	0	6
सत्र-3 नवंबर, 2018	पुरुष	2	1	0	0	0	0	0	3
	स्त्री	0	0	2	0	0	0	0	2
	कुल	2	1	2	0	0	0	0	5
सत्र-2 जुलाई, 2019	पुरुष	4	2	1	0	0	0	0	7
	स्त्री	3	2	1	0	0	0	0	6
	कुल	7	4	2	0	0	0	0	13
कुल योग		12	6	6	0	0	0	0	24

*सामाजिक श्रेणी के साथ दिव्यांग, यदि कोई (उल्लेख करें)

31 मार्च, 2020 तक विद्यार्थियों के आंकड़ें

3. पीएच.डी. इंग्लिश

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 7 फरवरी, 2017	पुरुष	1	0	0	0	0	0	0	1
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	1	0	0	0	0	0	0	1
सत्र-3 नवंबर, 2018	पुरुष	1	1	0	1	0	0	0	3
	स्त्री	0	2	0	0	0	0	0	2
	कुल	1	3	0	1	0	0	0	5
सत्र-2 जुलाई, 2019	पुरुष	0	1	0	0	0	0	0	1
	स्त्री	2	0	0	0	0	0	0	2
	कुल	2	1	0	0	0	0	0	3
कुल योग		4	4	0	1	0	0	0	9

4. पीएच.डी. हिंदी

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 7 फरवरी, 2017	पुरुष	1	0	0	0	0	0	0	1
	स्त्री	1	0	0	0	0	0	0	1
	कुल	2	0	0	0	0	0	0	2
सत्र-3 नवंबर, 2018	पुरुष	0	4	0	0	0	0	0	4
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	0	4	0	0	0	0	0	4
सत्र-2 जुलाई, 2019	पुरुष	0	0	0	0	0	0	0	0
	स्त्री	1	0	0	0	0	0	0	1
	कुल	1	0	0	0	0	0	0	1
कुल योग		3	4	0	0	0	0	0	7

5. पीएच.डी. पॉलिटिकल साइंस एंड आईआर

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 7 फरवरी, 2017	पुरुष	4	2	0	0	0	0	0	6
	स्त्री	2	1	0	0	0	0	0	3
	कुल	6	3	0	0	0	0	0	9
सत्र-3 नवंबर, 2018	पुरुष	1	0	0	0	0	0	0	1
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	1	0	0	0	0	0	0	1
सत्र-2 जुलाई, 2019	पुरुष	2	2	1	0	0	0	0	5
	स्त्री	0	0	1	0	0	0	0	1
	कुल	2	2	2	0	0	0	0	6
कुल योग		9	5	2	0	0	0	0	16

*सामाजिक श्रेणी के साथ दिव्यांग, यदि कोई (उल्लेख करें)

31 मार्च, 2020 तक विद्यार्थियों के आंकड़ें

6. पीएच.डी. डेवलपमेंट स्टडीज़

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 7 फरवरी, 2017	पुरुष	1	0	0	0	0	0	0	1
	स्त्री	1	0	0	0	0	0	0	1
	कुल	2	0	0	0	0	0	0	2
सत्र-3 नवंबर, 2018	पुरुष	0	1	0	0	0	0	0	1
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	0	1	0	0	0	0	0	1
सत्र-2 जुलाई, 2019	पुरुष	0	0	0	0	0	0	0	0
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल योग		2	1	0	0	0	0	0	3

7. पीएच.डी. इकोनॉमिक्स

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 7 फरवरी, 2017	पुरुष	1	0	0	0	0	0	0	1
	स्त्री	1	0	0	0	0	0	0	1
	कुल	2	0	0	0	0	0	0	2
सत्र-3 नवंबर, 2018	पुरुष	0	3	0	0	0	0	0	3
	स्त्री	1	0	0	0	0	0	0	1
	कुल	1	3	0	0	0	0	0	4
सत्र-2 जुलाई, 2019	पुरुष	1	0	0	0	0	0	0	1
	स्त्री	1	0	0	0	0	0	0	1
	कुल	2	0	0	0	0	0	0	2
कुल योग		5	3	0	0	0	0	0	8

8. पीएच.डी. सोशियोलॉजी

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 7 फरवरी, 2017	पुरुष	3	0	0	0	0	0	0	3
	स्त्री	2	0	0	0	0	0	0	2
	कुल	5	0	0	0	0	0	0	5
सत्र-3 नवंबर, 2018	पुरुष	1	2	2	0	0	0	0	5
	स्त्री	1	1	0	0	0	0	0	2
	कुल	2	3	2	0	0	0	0	7
सत्र-2 जुलाई, 2019	पुरुष	1	0	1	1	0	0	0	3
	स्त्री	1	2	0	0	0	0	0	3
	कुल	2	2	1	1	0	0	0	6
कुल योग		9	5	3	1	0	0	0	18

*सामाजिक श्रेणी के साथ दिव्यांग, यदि कोई (उल्लेख करें)

31 मार्च, 2020 तक विद्यार्थियों के आंकड़ें

9. पीएच.डी. बायोटेक्नोलॉजी

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 7 फरवरी, 2017	पुरुष	2	0	1	0	0	0	0	3
	स्त्री	3	1	0	0	0	0	0	4
	कुल	5	1	1	0	0	0	0	7
सत्र-3 नवंबर, 2018	पुरुष	0	0	0	0	0	0	0	0
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	0	0	0	0	0	0	0	0
सत्र-2 जुलाई, 2019	पुरुष	1	3	1	0	0	0	0	5
	स्त्री	2	2	0	0	0	0	0	4
	कुल	3	5	1	0	0	0	0	9
कुल योग		8	6	2	0	0	0	0	16

10. पीएच.डी. लाईफ साइंस

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 7 फरवरी, 2017	पुरुष	2	0	0	0	0	0	0	2
	स्त्री	2	1	0	0	0	0	0	3
	कुल	4	1	0	0	0	0	0	5
सत्र-3 नवंबर, 2018	पुरुष	0	1	0	0	0	0	0	1
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	0	1	0	0	0	0	0	1
सत्र-2 जुलाई, 2019	पुरुष	0	3	0	1	0	0	0	4
	स्त्री	4	0	0	0	0	0	0	4
	कुल	4	3	0	1	0	0	0	8
कुल योग		8	5	0	1	0	0	0	14

11. पीएच.डी. एनवायरनमेंटल साइंस

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 7 फरवरी, 2017	पुरुष	1	4	1	0	0	0	0	6
	स्त्री	2	0	0	0	0	0	0	2
	कुल	3	4	1	0	0	0	0	8
सत्र-3 नवंबर, 2018	पुरुष	0	0	0	0	0	0	0	0
	स्त्री	1	0	0	0	0	0	0	1
	कुल	1	0	0	0	0	0	0	1
सत्र-2 जुलाई, 2019	पुरुष	1	1	0	0	0	0	0	2
	स्त्री	0	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	1	2	0	0	0	0	0	3
कुल योग		5	6	1	0	0	0	0	12

*सामाजिक श्रेणी के साथ दिव्यांग, यदि कोई (उल्लेख करें)

31 मार्च, 2020 तक विद्यार्थियों के आंकड़ें

12. पीएच.डी. मेथेमेटिक्स

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 7 फरवरी, 2017	पुरुष	2	2	0	0	0	0	0	4
	स्त्री	1	0	0	0	0	0	0	1
	कुल	3	2	0	0	0	0	0	5
सत्र-3 नवंबर, 2018	पुरुष	0	1	1	1	0	0	0	3
	स्त्री	0	2	0	0	0	0	0	2
	कुल	0	3	1	1	0	0	0	5
सत्र-2 जुलाई, 2019	पुरुष	0	2	0	0	0	0	0	2
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	0	2	0	0	0	0	0	2
कुल योग		3	7	1	1	0	0	0	12

13. पीएच.डी. स्टैटिस्टिक्स

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 7 फरवरी, 2017	पुरुष	0	0	0	0	0	0	0	0
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	0	0	0	0	0	0	0	0
सत्र-3 नवंबर, 2018	पुरुष	0	0	0	0	0	0	0	0
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	0	0	0	0	0	0	0	0
सत्र-2 जुलाई, 2019	पुरुष	0	0	0	0	0	0	0	0
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल योग		0	0	0	0	0	0	0	0

14. पीएच.डी. सायकोलॉजी

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 7 फरवरी, 2017	पुरुष	2	0	0	0	0	0	0	2
	स्त्री	0	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	2	1	0	0	0	0	0	3
सत्र-3 नवंबर, 2018	पुरुष	0	1	0	0	0	0	0	1
	स्त्री	1	1	0	0	0	0	0	2
	कुल	1	2	0	0	0	0	0	3
सत्र-2 जुलाई, 2019	पुरुष	0	2	0	0	0	0	0	2
	स्त्री	0	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	0	3	0	0	0	0	0	3
कुल योग		3	6	0	0	0	0	0	9

*सामाजिक श्रेणी के साथ दिव्यांग, यदि कोई (उल्लेख करें)

31 मार्च, 2020 तक विद्यार्थियों के आंकड़ें

15. पीएच.डी. कम्यूनिकेशन एंड मीडिया स्टडीज़

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 7 फरवरी, 2017	पुरुष	2	1	1	0	0	0	0	4
	स्त्री	2	1	0	0	0	0	0	3
	कुल	4	2	1	0	0	0	0	7
सत्र-3 नवंबर, 2018	पुरुष	0	3	0	0	0	0	0	3
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	0	3	0	0	0	0	0	3
सत्र-2 जुलाई, 2019	पुरुष	0	2	0	0	0	0	0	2
	स्त्री	1	1	0	0	0	0	0	2
	कुल	1	3	0	0	0	0	0	4
कुल योग		5	8	1	0	0	0	0	14

16. पीएच.डी. बायोइनफॉरमेटिक्स

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 7 फरवरी, 2017	पुरुष	0	0	0	0	0	0	0	0
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	0	0	0	0	0	0	0	0
सत्र-3 नवंबर, 2018	पुरुष	0	2	3	0	0	0	0	5
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	0	2	3	0	0	0	0	5
सत्र-2 जुलाई, 2019	पुरुष	2	1	1	0	0	0	0	4
	स्त्री	3	1	0	0	0	0	0	4
	कुल	5	2	1	0	0	0	0	8
कुल योग		5	4	4	0	0	0	0	13

17. पीएच.डी. कंप्यूटर साइंस

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 7 फरवरी, 2017	पुरुष	0	0	0	0	0	0	0	0
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	0	0	0	0	0	0	0	0
सत्र-3 नवंबर, 2018	पुरुष	1	1	0	0	0	0	0	2
	स्त्री	0	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	1	2	0	0	0	0	0	3
सत्र-2 जुलाई, 2019	पुरुष	0	0	0	0	0	0	0	0
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल योग		1	2	0	0	0	0	0	3

*सामाजिक श्रेणी के साथ दिव्यांग, यदि कोई (उल्लेख करें)

31 मार्च, 2020 तक विद्यार्थियों के आंकड़ें

18. पीएच.डी. केमेस्ट्री

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 7 फरवरी, 2017	पुरुष	0	0	0	0	0	0	0	0
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
सत्र-3 नवंबर, 2018	पुरुष	0	0	0	0	0	0	0	0
	स्त्री	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
सत्र-2 जुलाई, 2019	पुरुष	0	0	0	0	0	0	0	0
	स्त्री	0	1	0	0	0	0	0	1
	कुल	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**
कुल योग		**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**

पीएच.डी. कुल

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
सत्र - 7 फरवरी, 2017	पुरुष	25	10	5	0	0	0	0	40
	स्त्री	18	6	0	0	0	0	0	24
	कुल	43	16	5	0	0	0	**0**	64
सत्र-3 नवंबर, 2018	पुरुष	9	23	6	2	0	0	0	40
	स्त्री	6	10	2	0	0	0	0	18
	कुल	15	33	8	2	0	0	**0**	58
सत्र-2 जुलाई, 2019	पुरुष	15	23	6	2	0	0	0	46
	स्त्री	22	13	2	0	0	0	0	37
	कुल	**37**	**36**	**8**	**2**	**0**	**0**	**0**	**83**
कुल योग		**95**	**85**	**21**	**4**	**0**	**0**	**0**	**205**

इंटीग्रेटेड एम.फिल.-पीएच.डी और पीएच.डी प्रोग्रामों का कुल योग

सत्र	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
कुल पीएच.डी.	पुरुष	55	60	22	4	0	0	0	141
	स्त्री	51	31	4	0	0	0	0	86
	कुल	**106**	**91**	**26**	**4**	**0**	**0**	**0**	227

यूजी, पीजी, इंटीग्रेटेड एम.फिल.-पीएच.डी और पीएच.डी प्रोग्रामों का कुल योग

	लिंग	सामान्य	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	दिव्यांग*	अन्य#	ईडब्लूएस	कुल
कुल यूजी, पीजी और पीएच.डी.	पुरुष	478	558	152	28	8	0	22	1268
	स्त्री	361	307	69	17	1	0	16	778
	कुल	839	865	221	45	9	0	38	2046

*सामाजिक श्रेणी के साथ दिव्यांग, यदि कोई (उल्लेख करें)

छात्रों को छात्रवृत्ति / छात्रवृत्तियाँ

सेमेस्टर टॉपर

सेमेस्टर टॉपर (2014 बैच - नवम सेमेस्टर)				
क्रम सं०	**विद्यार्थी का नाम**	**नामांकन संख्या**	**प्रोग्राम**	**राशि रू० में**
1	नवनीत कुमार	सीयूएसबी1413125022	बी.ए. एलएलबी	5000
2	बिन्नी कुमारी	सीयूएसबी1413115009	बी.एससी. एलएलबी	5000
सेमेस्टर टॉपर (2015 बैच - सातवां सेमेस्टर)				
क्रम सं०	**विद्यार्थी का नाम**	**नामांकन संख्या**	**प्रोग्राम**	**राशि रू० में**
1	सिंधुजा स्नेही	सीयूएसबी1511114020	बी.एससी. बी.एड.	5000
2	सौरभ प्रियदर्शी	सीयूएसबी1413115018	बी.एससी. एलएलबी	5000
3	पुष्पाजंली कुमारी	सीयूएसबी1513125032	बी.ए. एलएलबी	5000
सेमेस्टर टॉपर (2016 बैच - प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर)				
क्रम सं०	**विद्यार्थी का नाम**	**नामांकन संख्या**	**प्रोग्राम**	**राशि रू० में**
1	सुजीत कुमार	सीयूएसबी1601212018	एमए इकोनोमिक्स	5000
2	सुजीत कुमार	सीयूएसबी1601212018	एमए इकोनोमिक्स	2000
सेमेस्टर टॉपर (2016 बैच - पाचवां सेमेस्टर)				
क्रम सं०	**विद्यार्थी का नाम**	**नामांकन संख्या**	**प्रोग्राम**	**राशि रू० में**
1	निहारिका सिंह	सीयूएसबी1613125034	बी.ए. एलएलबी	2000
2	उत्तम कुमार	सीयूएसबी1613125048	बी.ए. एलएलबी	3000
3	प्रिया कुमारी	सीयूएसबी1611124032	बी.ए. बी.एड.	5000
4	मान्या राज	सीयूएसबी1611114031	बी.एससी. बी.एड.	5000
सेमेस्टर टॉपर (2017 बैच - तीसरा सेमेस्टर)				
क्रम सं०	**विद्यार्थी का नाम**	**नामांकन संख्या**	**प्रोग्राम**	**राशि रू० में**
1	कृष्ण कांत कुमार	सीयूएसबी1713125019	बी.ए. एलएलबी	2000
2	विनीत चर्तुवेदी	सीयूएसबी1713125055	बी.ए. एलएलबी	3000
3	प्रिंस कुमार	सीयूएसबी1702312009	एम.एससी. कम्प्यूटर साईंस	5000
4	फरजाना नौसीन	सीयूएसबी1703112010	एम. एससी. बायोटेक्नोलॉजी	5000
5	अंजना	सीयूएसबी1701212002	एम.ए. इकोनोमिक्स	5000
6	सौरभ तिवारी	सीयूएसबी1709112014	एम.ए. मास कम्यूनिकेशन	5000
7	ब्यूटी कुमारी	सीयूएसबी1711132009	एम.एड.	4000
8	स्निगधा कुमारी	सीयूएसबी1711114034	बी.एससी. बी.एड.	5000
9	सुकृति सिन्हा	सीयूएसबी1711124045	बी.ए. बी.एड.	5000
10	एलिजाबेथ चेरयिल	सीयूएसबी1707112002	एम.ए. साइकोलॉजी	4000
11	मोनिका	सीयूएसबी1703132005	एम.एससी. लाईफ साइंस	5000
12	मिश्रा रमण राज	सीयूएसबी1701312001	एम.ए. साइकोलॉजी	4000
13	अक्षय सिंघल	सीयूएसबी1703212001	एम.एससी. ईवीएस	5000
14	निमिशा अन्न जोश	सीयूएसबी1702212006	एम.एससी. स्टैटिस्टिक्स	5000
15	अग्नीश प्रतिम दास	सीयूएसबी1703122002	एम.एससी. बायोइन्फॉरमेटिक्स	5000
16	कृष्ण कांत कुमार	सीयूएसबी1713125019	बी.ए. एलएलबी	5000

छात्रों को छात्रवृत्ति / छात्रवृत्तियाँ

सेमेस्टर टॉपर (2018 बैच - प्रथम सेमेस्टर)

क्रम सं०	विद्यार्थी का नाम	नामांकन संख्या	प्रोग्राम	राशि रू० में
1	एस. पुर्णिमा पटनायक	सीयूएसबी1801322012	एम.ए. सोशल वर्क	5000
2	शिव राम	सीयूएसबी1801212027	एम.ए. इकोनोमिक्स	5000
3	अभिषेक कुमार	सीयूएसबी1801112002	एम.ए. डेवलपमेंट स्टडीज	4000
4	तसकीन फातिमा	सीयूएसबी1803412030	एम.एससी. लाईफ साइंस	5000
5	सृष्टि	सीयूएसबी1801312004	एम.ए. सोशियोलॉजी	5000
6	आस्था प्रिया	सीयूएसबी1801512001	एम.ए. हिस्ट्री	5000
7	अदिति	सीयूएसबी1810112002	एम. कॉम	4000
8	रवि रंजन कुमार	सीयूएसबी1809112016	एम.ए. मास कम्यूनिकेशन	5000
9	अर्पना कुमारी	सीयूएसबी1808112005	एम.ए. अंग्रेजी	5000
10	विशाल श्रीवत्स	सीयूएसबी1808212010	एम.ए. हिन्दी	5000
11	संजय कुमार मोहंती	सीयूएसबी1803312013	एम.ए. हिन्दी	4000
12	पलक सिंगला	सीयूएसबी1803312011	एम.एससी. बॉयोइन्फॉरमेक्सि	1000
13	जुही कुमारी	सीयूएसबी1811114018	बी.एससी. बी.एड.	5000
14	कृतिका मुखर्जी	सीयूएसबी1811124016	बी.ए. बी.एड.	5000
15	सोनम कुमारी	सीयूएसबी1813125103	बी.ए. एलएलबी	4000
16	प्रभात कुमार चौधरी	सीयूएसबी1813131009	एलएलएम	5000
17	शिवम पांडेय	सीयूएसबी1802312021	एम.एससी. कम्पयूटर साईंस	5000
18	सुफिया सबीर	सीयूएसबी1802112023	एम.एससी. मैथेमैटिक्स	5000
19	आकांक्षा	सीयूएसबी1802212002	एम.एससी. स्टैटिस्टिक्स	5000
20	.ऋतुर्पणा चौधरी	सीयूएसबी1804212024	एम.एससी. केमिस्ट्री	5000

मेघा सह साधन छात्रवृति

क्रम सं०	विद्यार्थी का नाम	नामांकन संख्या	प्रोग्राम	राशि रू० में
1	आस्था प्रियदर्शनी	सीयूएसबी1803412005	एम.एससी. लाईफ साईंस	1750
2	शुभेन्दु भाउ	सीयूएसबी1803412020	एम.एससी. लाईफ साईंस	1750
3	कार्तिक राउत	सीयूएसबी1803412012	एम.एससी. लाईफ साईंस	1750
4	अबिनाश स्वैन	सीयूएसबी18034412003	एम.एससी. लाईफ साईंस	1750
5	अमित कुमार जायसवाल	सीयूएसबी1802212004	एम.एससी. स्टैटिस्टिक्स	1250
6	आकृति वर्मा	सीयूएसबी1802212001	एम.एससी. स्टैटिस्टिक्स	1875
7	मुकेश कुमार	सीयूएसबी1802112015	एम.एससी. मैथेमैटिक्स	1250
8	टिवंकल गौराय	सीयूएसबी1804212033	एम.एससी. कैमिस्ट्री	1500
9	मानस रंजन पाढ़ी	सीयूएसबी1804212020	एम.एससी. कैमिस्ट्री	1500
10	रौशनी चौधरी	सीयूएसबी1803312015	एम.एससी. बॉयोइन्फॉरमेटिक्स	1750
11	प्रियंका घोष	सीयूएसबी1803312013	एम.एससी. बॉयोइन्फॉरमेटिक्स	1750
12	गौरव कुमार	सीयूएसबी1809112005	एम.ए. मॉस कम्यूनिकेशन	1750
13	सुमित कुमार	सीयूएसबी1811124046	बी.ए. बी.एड.	1500
14	श्रवण राज	सीयूएसबी1811124042	बी.ए. बी.एड.	3000
15	शालिनि कुमारी	सीयूएसबी1811124041	बी.ए. बी.एड.	1500
16	रवि कुमार	सीयूएसबी17112009	एम.ए. मॉस कम्यूनिकेशन	1750
17	जयंत ज्योति	सीयूएसबी1711124018	बी.ए. बी.एड.	2000
18	मनीष कुमार	सीयूएसबी1711124027	बी.ए. बी.एड.	1000

छात्रों को छात्रवृत्ति / छात्रवृत्तियाँ

नॉन-नेट फेलोशॉप टु पीएच.डी. स्टुडेंटस (2019 बैच इयर)

क्रम सं०	विद्यार्थी का नाम	नामांकन संख्या	प्रोग्राम
1	अभय पंडित	सीयूएसबी1903175001	पीएच.डी. बॉयोटेक्नोलॉजी
2	आशुतोष कुमार	सीयूएसबी1903175002	पीएच.डी. बॉयोटेक्नोलॉजी
3	आशुतोष सिंह	सीयूएसबी1903175003	पीएच.डी. बॉयोटेक्नोलॉजी
4	प्रीतम विश्वास	सीयूएसबी1903175004	पीएच.डी. बॉयोटेक्नोलॉजी
5	प्रिया रानी	सीयूएसबी1903175005	पीएच.डी. बॉयोटेक्नोलॉजी
6	शगुफ्ता जफर	सीयूएसबी1903175006	पीएच.डी. बॉयोटेक्नोलॉजी
7	शुभम गुडाधे	सीयूएसबी1903175007	पीएच.डी. बॉयोटेक्नोलॉजी
8	श्वेता सिन्हा	सीयूएसबी1903175008	पीएच.डी. बॉयोटेक्नोलॉजी
9	सुषमा कुमार सिंह	सीयूएसबी1903175009	पीएच.डी. बॉयोटेक्नोलॉजी
10	देवेन्द्र कुमार तिवारी	सीयूएसबी1903275002	पीएच.डी. इनवायरमेंटल साईंस
11	निगहत प्रवीण	सीयूएसबी1903275003	पीएच.डी. इनवायरमेंटल साईंस
12	जगदीप खुतिंया	सीयूएसबी1903475001	पीएच.डी. लाईफ साईंस
13	मृदुल माधुरी	सीयूएसबी1903475003	पीएच.डी. लाईफ साईंस
14	प्रियब्रत मेहर	सीयूएसबी1903475004	पीएच.डी. लाईफ साईंस
15	रविंश कुमार	सीयूएसबी1903475005	पीएच.डी. लाईफ साईंस
16	सायमा सोहेल	सीयूएसबी1903475006	पीएच.डी. लाईफ साईंस
17	सोनशी	सीयूएसबी1903475007	पीएच.डी. लाईफ साईंस
18	कृति कुमारी	सीयूएसबी1903375002	पीएच.डी. बॉयोइन्फॉरमेटिक्स
19	प्रणबेश मंडल	सीयूएसबी1903375003	पीएच.डी. बॉयोइन्फॉरमेटिक्स
20	प्रियंका रानी	सीयूएसबी1903375003	पीएच.डी. बॉयोइन्फॉरमेटिक्स
21	एसएम शायैज करीम	सीयूएसबी1903375005	पीएच.डी. बॉयोइन्फॉरमेटिक्स
22	सुचित्रा सिंह	सीयूएसबी1903375006	पीएच.डी. बॉयोइन्फॉरमेटिक्स
23	सुमंता कुमार साहु	सीयूएसबी1903375007	पीएच.डी. बॉयोइन्फॉरमेटिक्स
24	मनोज कुमार साह	सीयूएसबी1902175002	पीएच.डी. मैथेमेटिक्स
25	मनीषा पटवारी	सीयूएसबी1913175001	पीएच.डी. लॉ
26	मिहीर कुमार	सीयूएसबी1913175002	पीएच.डी. लॉ
27	मौमिता सेन	सीयूएसबी1913175003	पीएच.डी. लॉ
28	नेहा	सीयूएसबी1913175004	पीएच.डी. लॉ
29	राम दुलार सोनकर	सीयूएसबी1913175005	पीएच.डी. लॉ
30	रोहित सिन्हा	सीयूएसबी1913175007	पीएच.डी. लॉ
31	श्रेया	सीयूएसबी1913175008	पीएच.डी. लॉ
32	सुमन चन्द्रा	सीयूएसबी1913175009	पीएच.डी. लॉ
33	सुमित कुमार	सीयूएसबी1913175010	पीएच.डी. लॉ
34	सुरज रोहितेश	सीयूएसबी1913175011	पीएच.डी. लॉ
35	स्वपनिल	सीयूएसबी1913175012	पीएच.डी. लॉ
36	तन्मय रॉय	सीयूएसबी1913175013	पीएच.डी. लॉ

छात्रों को छात्रवृत्ति / छात्रवृत्तियाँ

नॉन-नेट फेलोशॉप टु पीएच.डी. स्टुडेंटस (2019 बैच इयर)

क्रम सं०	विद्यार्थी का नाम	नामांकन संख्या	प्रोग्राम
37	आशुतोष प्रभाकर	सीयूएसबी1911175002	पीएच.डी. एजुकेशन
38	बिधान गणतीत	सीयूएसबी1911175002	पीएच.डी. एजुकेशन
39	कुमारी सुचेता	सीयूएसबी1911175006	पीएच.डी. एजुकेशन
40	मदन मोहन कर्माकर	सीयूएसबी1911175007	पीएच.डी. एजुकेशन
41	मनीषा कुमारी	सीयूएसबी1911175008	पीएच.डी. एजुकेशन
42	मोहिनी त्रिपाठी	सीयूएसबी1911175009	पीएच.डी. एजुकेशन
43	नजमुस साकिप	सीयूएसबी1911175010	पीएच.डी. एजुकेशन
44	प्रतिमा गुरूंग	सीयूएसबी1911175012	पीएच.डी. एजुकेशन
45	प्रियब्रत घोष	सीयूएसबी1911175013	पीएच.डी. एजुकेशन
46	धर्मेन्द्र कुमार	सीयूएसबी1901475002	पीएच.डी. पॉलिटिकल स्टडीज
47	निशा	सीयूएसबी1901475004	पीएच.डी. पॉलिटिकल स्टडीज
48	राम कृष्णा त्रिपाठी	सीयूएसबी1901475005	पीएच.डी. पॉलिटिकल स्टडीज
49	अदिति प्रिया	सीयूएसबी1908175001	पीएच.डी. अंग्रेजी
50	विश्वजीत सरकार	सीयूएसबी1908175002	पीएच.डी. अंग्रेजी
51	जयीनी भौमिक	सीयूएसबी1908175003	पीएच.डी. अंग्रेजी
52	पूजा प्रसाद	सीयूएसबी1907175001	पीएच.डी. सायकोलॉजी
53	रवि शंकर कुमार	सीयूएसबी1907175002	पीएच.डी. सायकोलॉजी
54	सत्येन्द्र कुमार राय	सीयूएसबी1907175003	पीएच.डी. सायकोलॉजी
55	समृद्धि पटेल	सीयूएसबी1904275001	पीएच.डी. केमिस्ट्री
56	अर्शि खानम	सीयूएसबी1901375001	पीएच.डी. सोशियोलॉजी
57	केएम रितु रानी	सीयूएसबी1901375003	पीएच.डी. सोशियोलॉजी
58	शुभम तिवारी	सीयूएसबी1901375005	पीएच.डी. सोशियोलॉजी
59	तकेमाल सोलमनराज	सीयूएसबी1901375006	पीएच.डी. सोशियोलॉजी
60	आयुषी राज	सीयूएसबी1909175001	पीएच.डी. कम्यूनिकेशन एंड मीडिया
61	शताब्दी बनर्जी	सीयूएसबी1909175003	पीएच.डी. कम्यूनिकेशन एंड मीडिया
62	विरेन्द्र कुमार	सीयूएसबी1909175004	पीएच.डी. कम्यूनिकेशन एंड मीडिया

नियुक्तियां/भर्तियां

गैर-शैक्षणिक कर्मचारी कार्यग्रहण/पदोन्नति - 01.04.2019 to 31.03.2020

क्रमांक	कर्मचारी का नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि	ग्रुप	पदोन्नति तिथि
1	क. राजीव कुमार सिंह	कुलसचिव	29.08.2019	ए	
2	प्रतीश कुमार दास	उप कुलसचिव	02.08.2019	ए	
3	कुमार कौशल	उप कुलसचिव	05.08.2019	ए	
4	कुमार पंकज	आंतरिक लेखा परीक्षा अधिकारी	30.08.2019	ए	
5	कल्याण शाहा	कार्यकारी अभियंता	21.11.2019	ए	
6	लाल कृष्ण विवेकानंद	अनुभाग अधिकारी	19.03.2020	बी	
7	सागर कुमार वर्मा	सहायक	28.02.2020	बी	
8	सुनील कुमार कर्ण	सुरक्षा निरीक्षक	24.05.2019	सी	
9	राज कुमार	तकनीकी सहायक	06.02.2020	सी	
10	नवीन कुमार कन्नौजिया	उच्च श्रेणी लिपिक	29.01.2020	सी	
11	अविनाश कुमार	उच्च श्रेणी लिपिक	29.01.2020	सी	
12	निरंजन सिंह	उच्च श्रेणी लिपिक	03.02.2020	सी	
13	मृत्युंजय कुमार	उच्च श्रेणी लिपिक	14.02.2020	सी	
14	रितु कुमारी	प्रयोगशाला सहायक	06.02.2020	सी	
15	विजय प्रताप सिंह	प्रयोगशाला सहायक	05.02.2020	सी	
16	धनजी प्रसाद	अवर श्रेणी लिपिक	01.05.2012	सी	29.08.2019
17	अविनाश प्रसाद	अवर श्रेणी लिपिक	19.04.2012	सी	29.08.2019
18	राजेश कुमार	अवर श्रेणी लिपिक	19.04.2012	सी	29.08.2019
19	अनुराग मिश्रा	अवर श्रेणी लिपिक	03.02.2020	सी	
20	तेज नारायण	अवर श्रेणी लिपिक	03.02.2020	सी	
21	विंकल पाल सिंह	प्रयोगशाला परिचर	05.02.2020	सी	
22	अमरजीत कुमार	प्रयोगशाला परिचर	04.02.2020	सी	
23	विशाल कुमार	प्रयोगशाला परिचर	10.02.2020	सी	

कार्यमुक्त गैर-शैक्षणिक कर्मचारी - 01.04.2019 to 31.03.2020

क्रमांक	नाम	पदनाम	कार्यमुक्ति तिथि	ग्रुप
1	राजीव कुमार उपाध्याय	कार्यकारी अभियंता	05.05.2019	ए
2	गौरव	सहायक	21.06.2019	बी
3	प्रतीश कुमार दास	हिंदी अधिकारी/सहायक निदेशक (ओएल)	02.08.2019	ए
4	कुमार कौशल	सहायक कुलसचिव	04.08.2019	ए
5	नवीन कुमार कन्नौजिया	अवर श्रेणी लिपिक	28.01.2020	सी
6	अविनाश कुमार	अवर श्रेणी लिपिक (केयरटेकर)	28.01.2020	सी
7	राज कुमार	प्रयोगशाला सहायक	05.02.2020	सी
8	रौशन सुधाकर	अवर श्रेणी लिपिक	24.02.2020	सी
9	मनीष कुमार	अवर श्रेणी लिपिक	28.02.2020	सी
10	सागर कुमार वर्मा	उच्च श्रेणी लिपिक	27.02.2020	सी

नियुक्तियां/भर्तियां

संकाय सदस्यों की नियुक्ति - 01.04.2019 to 31.03.2020

क्रमांक	संकाय का नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि	विभाग
1	डॉ. रौशन कुमार	सह प्राध्यापक	05.08.2019 (अपराह्न)	मैथेमेटिक्स
2	डॉ. सुनित कुमार	सह प्राध्यापक	26.08.2019	स्टैटिक्स
3	डॉ. कमलेश कुमार	सहायक प्राध्यापक	07.08.2019	स्टैटिक्स
4	डॉ. संदीप कुमार मौर्य	सहायक प्राध्यापक	19.08.2019	स्टैटिक्स
5	डॉ. वेंकटेश सिंह	प्राध्यापक	14.08.2019	फिजिक्स
6	डॉ. विजय राज सिंह	सह प्राध्यापक	16.09.2019 (अपराह्न)	फिजिक्स
7	डॉ. बुधेंद्र कुमार सिंह	सह प्राध्यापक	22.08.2019 (अपराह्न)	फिजिक्स
8	डॉ. रोहित रंजन शाही	सहायक प्राध्यापक	05.08.2019	फिजिक्स
9	डॉ. नितिन चंद्र	सहायक प्राध्यापक	08.08.2019	फिजिक्स
10	डॉ. लखविंदर सिंह	सहायक प्राध्यापक	03.12.2019	फिजिक्स
11	डॉ. विनोद कुमार	प्राध्यापक	09.09.2019	केमिस्ट्री
12	डॉ. जगन्नाथ रॉय	सह प्राध्यापक	16.08.2019	केमिस्ट्री
13	डॉ. अमीय प्रियम	सह प्राध्यापक	02.08.2019 (अपराह्न)	केमिस्ट्री
14	डॉ. अंगद कुमार सिंह	सहायक प्राध्यापक	02.08.2019	केमिस्ट्री
15	डॉ. महेंद्र खतरावत	सहायक प्राध्यापक	07.08.2019	केमिस्ट्री
16	प्रो. दुर्ग विजय सिंह	प्राध्यापक	01.10.2019	बायोटेक्नोलॉजी
17	प्रो. उमेश कुमार सिंह	प्राध्यापक	19.08.2019 (पूर्वाह्न)	एनवायरनमेंटल साइंस
18	प्रो. कृष्णन चलिल	प्राध्यापक	28.08.2019	डेवलपमेंट स्टडीज़
19	डॉ. रति कांत कुंभार	सह प्राध्यापक	26.08.2019	इकोनॉमिक्स
20	डॉ. वी.आर. पोडाइल	सह प्राध्यापक	26.08.2019	इकोनॉमिक्स
21	डॉ. पवन कुमार सिंह	सहायक प्राध्यापक	13.08.2019	पॉलिटिकल स्टडीज़
22	डॉ. सुधांशु कुमार झा	सहायक प्राध्यापक	02.08.2019 (अपराह्न)	हिस्ट्री
23	डॉ. नीरज कुमार सिंह	सहायक प्राध्यापक	02.08.2019 (अपराह्न)	हिस्ट्री
24	डॉ. अनिल कुमार	सहायक प्राध्यापक	06.08.2019 (अपराह्न)	हिस्ट्री
25	डॉ. रोहित कुमार	सहायक प्राध्यापक	30.09.2019	हिस्ट्री
26	डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंह	सह प्राध्यापक	09.08.2019	साइकोलॉजी
27	डॉ. विपिन कुमार सिंह	सह प्राध्यापक	06.08.2019	अंग्रेजी
28	डॉ. अर्चना कुमारी	सह प्राध्यापक	14.08.2019	अंग्रेजी
29	डॉ. सुनील कुमार	सहायक प्राध्यापक	05.08.2019	अंग्रेजी
30	प्रो. सुरेश चंद्र	प्राध्यापक	06.09.2019	हिंदी
31	डॉ. राम चंद्र रजक	सहायक प्राध्यापक	09.08.2019	हिंदी
32	डॉ. प्रदीप कुमार दास	सह प्राध्यापक	02.08.2019 (अपराह्न)	लॉ
33	डॉ. ब्रजेश कुमार	प्राध्यापक	04.09.2019 (अपराह्न)	कॉमर्स
34	डॉ. सुब्रमनियन शानमुगम	सह प्राध्यापक	19.08.2019	कॉमर्स
35	डॉ. पवस कुमार	सहायक प्राध्यापक	02.08.2019	कॉमर्स
36	डॉ. रचना विश्वकर्मा	सहायक प्राध्यापक	02.08.2019	कॉमर्स
37	डॉ. प्रदीप राम	सहायक प्राध्यापक	02.08.2019	कॉमर्स

नियुक्तियां/भर्तियां

संकाय सदस्यों की नियुक्ति - 01.04.2019 to 31.03.2020

क्रमांक	संकाय का नाम	पदनाम	कार्यग्रहण तिथि	विभाग
38	डॉ. पल्लवी सिंह	सहायक प्राध्यापक	05.08.2019	लॉ
39	डॉ. अजय कुमार बर्नवाल	सहायक प्राध्यापक	08.08.2019	लॉ
40	डॉ. अनंत प्रकाश नारायण	सहायक प्राध्यापक	08.08.2019	लॉ
41	डॉ. राम चंद्र ओराओं	सहायक प्राध्यापक	13.08.2019	लॉ
42	श्री मणि प्रताप	सहायक प्राध्यापक	29.08.2019 (अपराह्न)	लॉ
43	डॉ. कुमारी नीतू	सहायक प्राध्यापक	03.03.2020	लॉ
44	प्रो. मनोज दयाल	प्राध्यापक	27.08.2019	मास कम्यूनिकेशन एंड मीडिया

संकाय सदस्यों की पदोन्नति - 01.04.2019 to 31.03.2020

क्रमांक	संकाय का नाम	पदनाम	कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के तहत पदोन्नत	विभाग
1	डॉ. राम कुमार	प्राध्यापक	28.09.2014	इनवायरमेंटल साईंस
2	डॉ. प्रधान पार्थ सारथी	प्राध्यापक	25.07.2015	इनवायरमेंटल साईंस
3	डॉ. रिज़वानुल हक़	प्राध्यापक	24.09.2015	बॉयोटेक्नोलॉजी
4	डॉ. पवन कुमार मिश्रा	प्राध्यापक	22.12.2018	लॉ एंड गर्वनेंस
5	डॉ. हरे कृष्ण निगम	प्राध्यापक	02.10.2014	मैथेमैटिक्स
6	डॉ. आतिश प्राशर	प्राध्यापक	01.09.2017	मास कम्यूनिकेशन एंड मीडिया
7	डॉ. अखिलानंद कुमार	सहायक प्राध्यापक (एल11)	23.08.2018	फिजिक्स
8	डॉ. गिरीश चंद्र	सहायक प्राध्यापक (एल11)	28.07.2016	केमिस्ट्री
9	डॉ. अमीय प्रियम	सहायक प्राध्यापक (एल11)	03.01.2015	केमिस्ट्री
10	डॉ. रिचा वत्स	सहायक प्राध्यापक (एल11)	25.07.2016	स्टैटिस्टिक्स
11	डॉ. मुकेश कुमार	सहायक प्राध्यापक (एल11)	07.07.2015	स्टैटिस्टिक्स
12	डॉ. मंगलेश कु. मंगलम	सहायक प्राध्यापक (एल11)	03.08.2016	साइकोलॉजिकल साईंस
13	डॉ. दास अंबिका भारती	सहायक प्राध्यापक (एल11)	19.07.2015	साइकोलॉजिकल साईंस
14	डॉ. नरसिंह कुमार	सहायक प्राध्यापक (एल11)	19.07.2015	साइकोलॉजिकल साईंस
15	डॉ. सुरेश कुरापति	सहायक प्राध्यापक (एल11)	10.06.2017	अंग्रेजी
16	डॉ. किंशुक पाठक	सहायक प्राध्यापक (एल11)	24.07.2016	मास कम्यूनिकेशन एंड मीडिया
17	डॉ. सुजीत कुमार	सहायक प्राध्यापक (एल11)	16.06.2017	मास कम्यूनिकेशन एंड मीडिया
18	डॉ. योगेश प्रताप शेखर	सहायक प्राध्यापक (एल11)	24.09.2016	हिन्दी
19	डॉ. कर्मानंद आर्य	सहायक प्राध्यापक (एल11)	26.09.2016	हिन्दी
20	डॉ. शांति भूषण	सहायक प्राध्यापक (एल11)	27.09.2016	हिन्दी
21	डॉ. अनुज लुगुन	सहायक प्राध्यापक (एल11)	01.10.2016	Hindi
22	डॉ. सुमित कुमार पाठक	सहायक प्राध्यापक (एल11)	30.07.2016	पॉलिटिकल स्टडीज
23	डॉ. अभय कुमार	सहायक प्राध्यापक (एल11)	01.08.2016	पॉलिटिकल स्टडीज
24	डॉ. प्रणव कुमार	सहायक प्राध्यापक (एल11)	14.12.2013	पॉलिटिकल स्टडीज

नियुक्तियां/भर्तियां

संकाय सदस्यों की पदोन्नति - 01.04.2019 to 31.03.2020

क्रमांक	संकाय का नाम	पदनाम	कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के तहत पदोन्नत	विभाग
25	डॉ. अंजु हेलेन बारा	सहायक प्राध्यापक (एल11)	28.09.2016	डेवलपमेंट स्टडीज
26	डॉ. फिरदौस फ़ातिमा रिज़वी	सहायक प्राध्यापक (एल11)	11.06.2015	डेवलपमेंट स्टडीज
27	श्री अतीश कुमार दास	सहायक प्राध्यापक (एल11)	14.08.2017	इकोनोमिक्स
28	डॉ. अबोध कुमार	सहायक प्राध्यापक (एल11)	02.09.2017	इकोनोमिक्स
29	डॉ. प्रदीप कुमार दास	सहायक प्राध्यापक (एल11)	19.08.2018	लॉ एंड गर्वनेंस
30	सुश्री पूनम कुमारी	सहायक प्राध्यापक (एल11)	02.09.2018	लॉ एंड गर्वनेंस
31	डॉ. रौशन कुमार	सहायक प्राध्यापक (एल11)	19.03.2014	मैथेमैटिक्स
32	डॉ. विवेक कुमार जैन	सहायक प्राध्यापक (एल11)	03.10.2014	मैथेमैटिक्स
33	डॉ. राजेश प्रताप सिंह	सहायक प्राध्यापक (एल11)	01.09.2015	मैथेमैटिक्स
34	डॉ. शुभ नारायण सिंह	सहायक प्राध्यापक (एल11)	27.08.2016	मैथेमैटिक्स
35	डॉ. पंकज मिश्रा	सहायक प्राध्यापक (एल11)	20.08.2017	मैथेमैटिक्स
36	डॉ. नितिश कुमार	सहायक प्राध्यापक (एल11)	02.10.2014	बॉयोटेक्नोलॉजी
37	डॉ. कृष्ण प्रकाश	सहायक प्राध्यापक (एल11)	02.10.2014	बॉयोटेक्नोलॉजी
38	डॉ. जावेद अहसन	सहायक प्राध्यापक (एल11)	05.09.2015	बॉयोटेक्नोलॉजी
39	डॉ. अन्तरेष कुमार	सहायक प्राध्यापक (एल11)	07.07.2015	बॉयोटेक्नोलॉजी
40	डॉ. राजेश कुमार रंजन	सहायक प्राध्यापक (एल11)	21.12.2014	इनवायरमेंटल साईंस
41	डॉ. प्रशांत	सहायक प्राध्यापक (एल11)	03.10.2014	इनवायरमेंटल साईंस
42	डॉ. एन. एल. देवी	सहायक प्राध्यापक (एल11)	17.06.2017	इनवायरमेंटल साईंस

कार्यमुक्त संकाय सदस्य - 01.04.2019 to 31.03.2020

क्रमांक	संकाय का नाम	पदनाम	कार्यमुक्ति तिथि	विभाग
1	डॉ. विनोद कुमार	प्राध्यापक	09.02.2020	केमिस्ट्री
2	डॉ. वेंकटेश्वर राव पोडाइल	सह प्राध्यापक	20.12.2019	इकोनॉमिक्स
3	प्रो. मनोज दयाल	प्राध्यापक	27.02.2020	मास कम्यूनिकेशन एंड मीडिया
4	डॉ. अजय कुमार बर्नवाल	सहायक प्राध्यापक	22.01.2020	लॉ
5	डॉ. राम चंद्र ओराओं	सहायक प्राध्यापक	31.01.2020	लॉ
6	डॉ. अमिय प्रियम	सहायक प्राध्यापक	02.08.2019 (पूर्वाह्न)	केमिस्ट्री
7	डॉ. प्रदीप कुमार दास	सहायक प्राध्यापक	02.08.2019 (पूर्वाह्न)	लॉ
8	डॉ. रौशन कुमार	सहायक प्राध्यापक	05.08.2019 (पूर्वाह्न)	मैथमैटिक्स

विश्वविद्यालय के सांविधिक निकाय

विश्वविद्यालय कोर्ट

क्रमांक	सदस्य के नाम	पदनाम
1	डॉ. सी. पी. ठाकुर	कुलाधिपति, सीयूएसबी एवं अध्यक्ष
2	प्रो. एच.सी.एस. राठौर	कुलपति, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय
3	क. राजीव कुमार सिंह	कुलसचिव, सीयूएसबी एवं सदस्य सचिव

विश्वविद्यालय न्यायालय के शेष सदस्यों के नाम शीघ्र ही अधिसूचित किए जाएंगे

कार्यकारिणी परिषद्

क्रमांक	सदस्य के नाम	पदनाम
1	प्रो. एच.सी.एस. राठौर	कुलपति, सीयूएसबी एवं पदेन अध्यक्ष
2	श्री अमित खरे	सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
3	श्री संजय कुमार	प्रमुख सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, पटना
4	डॉ. गायत्री विश्वनाथ पाटिल	यूजीसी नामांकित व्यक्ति
5	प्रो. अमरनाथ सिन्हा	पूर्व कुलपति, बीएनएमयू, मधेपुरा, बिहार
6	प्रो. सुधा सिन्हा	पटना विश्वविद्यालय, बिहार की पूर्व प्राध्यापक एवं प्रमुख
7	डॉ. मधुचंद कर	नैदानिक निदेशक, पियरलेस अस्पताल, कोलकाता
8	प्रो. सुनैना सिंह	कुलपति, नालंदा विश्वविद्यालय, बिहार
9	प्रो. कौशल किशोर	अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ एजुकेशन, सीयूएसबी
10	प्रो. संजय प्रकाश श्रीवास्तव	प्राध्यापक, लॉ एंड गवर्नेंस, सीयूएसबी
11	डॉ. आलोक कुमार गुप्ता	सह प्राध्यापक, पॉलिटिकल सटडीज़, सीयूएसबी
12	डॉ. प्रणव कुमार	सहायक प्राध्यापक, पॉलिटिकल स्टडीज़, सीयूएसबी
13	क. राजीव कुमार सिंह	कुलसचिव, सीयूएसबी एवं पदेन सचिव

शैक्षणिक परिषद्

क्रमांक	सदस्य के नाम	पदनाम
1	प्रो. एच.सी.एस. राठौर	कुलपति, सीयूएसबी एवं पदेन अध्यक्ष
2	प्रो. आर. एस. शर्मा	भूवैज्ञानिक, जयपुर
3	प्रो. अजीत कुमार मोहंती	निदेशक, बीएआरसी, मुंबई
4	प्रो. विद्या अग्रवाल	पूर्व प्रमुख एवं अधिष्ठाता, एजुकेशन विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय
5	प्रो. शैलेंद्र सराफ	भारतीय औषधि परिषद्, नई दिल्ली
6	प्रो. के.एन.पी. राजू	भूगोल विभाग, बीएचयू, वाराणसी
7	प्रो. सुषमा घिल्डियाल	शारीरिक शिक्षा विभाग, बीएचयू, वाराणसी
8	प्रो. राम कुमार	अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ अर्थ, बायोलॉजिकल एंड एनवायरनमेंटल साइंस, सीयूएसबी
9	प्रो. हरे कृष्ण निगम	अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ मैथेमेटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, सीयूएसबी
10	प्रो. कौशल किशोर	अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ एजुकेशन, सीयूएसबी
11	प्रो. आतिश प्राशर	अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ मीडिया, आर्ट्स एंड एस्थेटिक्स, सीयूएसबी
12	प्रो. पवन कुमार मिश्रा	अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस, सीयूएसबी

13	प्रो. वेंकटेश सिंह	अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ फिजिकल एंड केमिकल साइंस, सीयूएसबी

विश्वविद्यालय के सांविधिक निकाय

शैक्षणिक परिषद्

क्रमांक	सदस्य के नाम	पदनाम
14	प्रो. ब्रजेश कुमार	अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड बिज़नेस स्टडीज़, सीयूएसबी
15	प्रो. प्रभात कुमार सिंह	प्राध्यापक, अंग्रेजी विभाग, सीयूएसबी
16	डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंह	अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ ह्यूमन साइंसेज़, सीयूएसबी
17	प्रो. रिज़वानुल हक़	प्रमुख, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, सीयूएसबी
18	प्रो. आर.एस. राठौर	प्रमुख, बायोइनॅफॉरमेटिक्स विभाग, सीयूएसबी
19	प्रो. उमेश कुमार सिंह	प्रमुख, एनवायरनमेंटल साइंस विभाग, सीयूएसबी
20	प्रो. कृष्णन चलिल	अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ सोशल साइंस एंड पॉलिसी, सीयूएसबी
21	प्रो. सुरेश चंद्र	अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज़ एंड लिट्रेचर, सीयूएसबी
22	प्रो. धीरेंद्र कुमार पांडे	प्रमुख, जिओलॉजी विभाग, सीयूएसबी
23	डॉ. प्रवीन कुमार	प्रमुख, पॉलिटिकल स्टडीज़ विभाग, सीयूएसबी
24	डॉ. अनिल कुमार सिंह झा	प्रमुख, सोशियोलॉजिकल स्टडीज़ विभाग, सीयूएसबी
25	डॉ. अमिय प्रियम	प्रमुख, केमिस्ट्री विभाग, सीयूएसबी
26	डॉ. विवेक दवे	अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ हेल्थ साइंस, सीयूएसबी
27	डॉ. आशीष सिंह	प्रमुख, फिजिकल एजुकेशन विभाग, सीयूएसबी
28	डॉ. सुनित कुमार	प्रमुख, स्टैटिस्टिक्स विभाग, सीयूएसबी
29	डॉ. राम प्रताप सिंह	प्रमुख, लाइफ साइंस विभाग, सीयूएसबी
30	डॉ. प्रभात रंजन	सहायक प्राध्यापक, कंप्यूटर साइंस विभाग, सीयूएसबी
31	डॉ. सुधांशु कुमार झा	प्रमुख (प्रभारी), हिस्ट्री विभाग, सीयूएसबी
32	प्रो. दुर्ग विजय सिंह	प्राध्यापक, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, सीयूएसबी
33	डॉ. आशीष शंकर	सह प्राध्यापक, बायोइनफॉरमेटिक्स विभाग, सीयूएसबी
34	डॉ. तपन कुमार बसंतिया	सह प्राध्यापक, टीचर एजुकेशन विभाग, सीयूएसबी
35	डॉ. रवीन्द्र कुमार पाठक	सह प्राध्यापक, हिंदी विभाग, सीयूएसबी
36	डॉ. प्रणव कुमार	सहायक प्राध्यापक, पॉलिटिकल स्टडीज़ विभाग, सीयूएसबी
37	डॉ. नितिश कुमार	सहायक प्राध्यापक, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, सीयूएसबी
38	डॉ. मुकेश कुमार	सहायक प्राध्यापक, स्टैटिस्टिक्स विभाग, सीयूएसबी
39	डॉ. गिरीश चंद्र	सहायक प्राध्यापक, केमिस्ट्री विभाग, सीयूएसबी
40	डॉ. प्रमोद कुमार सिंह	पुस्तकालयाध्यक्ष, सीयूएसबी
41	अधिष्ठाता विद्यार्थी कल्याण, सीयूएसबी	प्रो. आतिश प्राशर के रूप में नामांकित
42	कुलानुशासक, सीयूएसबी	प्रो. कौशल किशोर के रूप में नामांकित
43	क. राजीव कुमार सिंह	कुलसचिव, सीयूएसबी एवं पदेन सचिव

विश्वविद्यालय के सांविधिक निकाय

वित्त समिति

क्रमांक	सदस्य के नाम	पदनाम
1	प्रो. एच.सी.एस. राठौर	कुलपति, सीयूएसबी एवं पदेन सचिव
2	संयुक्त सचिव (सीयू), एमएचआरडी	एमएचआरडी के प्रशासनिक ब्यूरो से एमएचआरडी या उसके नामिती अवर सचिव के पद से नीचे नहीं
3	संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार	एमएचआरडी के वित्त ब्यूरो से एमएचआरडी या उसके नामिती अवर सचिव के पद से नीचे नहीं
4	संयुक्त सचिव (सीयू), यूजीसी	यूजीसी या यूजीसी के अध्यक्ष द्वारा नामित किसी अन्य संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी अवर सचिव के पद से नीचे नही
5	श्री अभय कुमार ठाकुर	अपर आयुक्त, आयकर, पूर्व वित्त अधिकारी, बीएचयू
6	डॉ. के. पी. सिंह	पूर्व संयुक्त सचिव, यूजीसी
7	डॉ. गायत्री विश्वनाथ पाटिल	एनआईपीईआर (नाइपर), हाजीपुर
8	श्री गिरीश रंजन	वित्त अधिकारी, सीयूएसबी एवं पदेन सचिव

भवन एवं निर्माण समिति

क्रमांक	सदस्य के नाम	पदनाम
1	प्रो. एच.सी.एस. राठौर	कुलपति, सीयूएसबी एवं पदेन सचिव
2	प्रो. पी.के.एस. दीक्षित	सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी-बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
3	अभियंता राजीव कुमार उपाध्याय	परियोजना निर्माण प्रमुख-सिविल, बीपीसीएल, मुंबई
4	श्री विवेकानंद विवेक	मुख्य अभियंता, सीपीडब्ल्यूडी, बोध गया, परियोजना प्रभाग
5	श्री किशोरी प्रसाद	सेवानिवृत्त अभियंता, सीपीडब्ल्यूडी, पटना
6	श्री अभिनव गौतम	कार्यकारी अभियंता (विद्युत), सीपीडब्ल्यूडी, गया
7	अभियंता एस.के. सिंह	कार्यकारी अभियंता, गया परियोजना प्रभाग, सीपीडब्ल्यूडी
8	प्रो. एच.सी.एस. राठौर	कुलपति, सीयूएसबी एवं पदेन सचिव
9	श्री हिमांशु नंदी	विशेषज्ञ भूनिर्माण वास्तुकार, सीपीडब्ल्यूडी, पटना
10	प्रो. फुलेना रजक	वास्तुकार विभाग, एनआईटी, पटना
11	प्रो. एस.पी. श्रीवास्तव	प्राध्यापक, लॉ एंड गवर्नेंस विभाग, सीयूएसबी
12	प्रो. कौशल किशोर	अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ एजुकेशन, सीयूएसबी
13	श्री गिरीश रंजन	वित्त अधिकारी, सीयूएसबी
14	श्री कल्याण शाहा	कार्यकारी अभियंता, सीयूएसबी

योजना एवं विकास समिति

क्रमांक	सदस्य के नाम	पदनाम
1	प्रो. एच.सी.एस. राठौर	कुलपति, सीयूएसबी एवं पदेन सचिव
2	श्री गिरीश रंजन	वित्त अधिकारी, सीयूएसबी

योजना एवं विकास समिति के शेष सदस्यों के नाम शीघ्र ही अधिसूचित किए जाएंगे

सांविधिक निकायों की बैठकें - 01.04.2019 to 31.03.2020

क्रमांक	बैठक के नाम	बैठक तिथि	क्रमांक	बैठक के नाम	बैठक तिथि
1	39वीं कार्यकारिणी परिषद्	03.06.2019	4	26वीं वित्तीय समिति	19.06.2019

कार्यक्रम एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

पृथ्वी दिवस समारोह (22 अप्रैल, 2019)

22 अप्रैल 2019 को सीयूएसबी में विश्वविद्यालय के विज्ञान संबंधी विभागों द्वारा सामूहिक रूप से पृथ्वी दिवस मनाया गया। समारोह का आयोजन इस वर्ष के पृथ्वी दिवस के विषय (थीम), अर्थात् 'प्रजाति संरक्षण' पर ध्यान केंद्रित करते हुए मनाया गया। इस दिन विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने वर्किंग मॉडल तथा परियोजना प्रदर्शनी में भाग लिया। पृथ्वी दिवस पर वार्ता आयोजित की गई, मुख्य अतिथि टीएम भागलपुर विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रो. सुनील चौधरी ने गंगा के डॉल्फ़िन के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करने के साथ भारत में "लुप्तप्राय प्रजाति के हित कार्यक्रमों पर अपना व्याख्यान दिया" । उन्होंने गंगा के डॉल्फिन के विलुप्त होने के कारकों को प्रदर्शित और उजागर किया। जबकि प्रो. पी. के. सिंह ने पृथ्वी दिवस कार्यक्रम की सराहना की तथा विद्यार्थियों से पर्यावरण की रक्षा करने की अपील की। प्रो. आर. एस. राठौर ने "सतत विकास" पर व्याख्यान दिया और उल्लेख किया कि पृथ्वी दिवस 1990 से मनाया जाता है और इसे पृथ्वी ग्रह पर सबसे बड़े आंदोलन के रूप में जाना जाता है। डॉ. राम कुमार, अधिष्ठाता, एसईबीईएस ने इस दिन के महत्व और इसके विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया।

.

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून, 2019)

21 जून, 2019 को माननीय कुलपति, प्रो. एच. सी. एस. राठौर की देखरेख में सीयूएसबी परिवार ने विश्वविद्यालय परिसर में पूरे उत्साह के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। सुबह 7 बजे से 8:30 बजे तक सत्र का संचालन डॉ. सनत कुमार शर्मा सह प्राध्यापक, सोशियोलॉजी ने किया जो कि एक कुशल 'योग गुरू' हैं। डॉ. शर्मा ने प्रतिभागियों को योग आसन करने में मार्ग दर्शन किया। सीयूएसबी के डीएसडब्ल्यू, डॉ. आतिश पराशर द्वारा आयोजित योग सत्र का आरंभ नमस्कार मुद्रा के साथ ध्यान मुद्रा में प्रार्थना के साथ हुआ तथा विभिन्न योगासन (योग आसन) के साथ आगे बढ़ा। योग अभ्यास सत्र का समापन संकल्प के साथ हुआ।

स्वतंत्रता दिवस - 15 अगस्त, 2019

सीयूएसबी में 73वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अपने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में कुलपति प्रो. एच.सी.एस. राठौर ने विशेष रूप से देश के विद्वान वैज्ञानिकों तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिकाओं की प्रशंसा की। उन्होंने विख्यात भारतीय वैज्ञानिकों जैसे, विक्रम साराभाई, वाई.एस. रंजन, सी.एन.आर. राव तथा डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के योगदान के संबंध में अपने विचारों को साझा किया। माननीय कुलपति ने कहा कि, स्वतंत्रता मिलने के साथ ही वैज्ञानिकों ने इस देश के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है और उनकी विरासत अभी भी जारी है क्योंकि हाल ही में इसरो ने चंद्रयान - 2 को चंद्रमा के बारे में अध्ययन करने के लिए अंतरिक्ष में लॉन्च किया है। विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, लोक नृत्य, समूह नृत्य, बांसुरी वादन, इत्यादि सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

राष्ट्रीय खेल दिवस - 29 अगस्त, 2019

हॉकी के माहिर खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाने और फिट इंडिया कैंपेन (भारत सरकार की एक पहल) को बढ़ावा देने के लिए, सीयूएसबी ने 4.5 किलोमीटर की एक मिनी मैराथन दौड़ का आयोजन किया। मैराथन दौड़ में सीयूएसबी के 100 से अधिक विद्यार्थियों तथा दर्जन भर संकाय सदस्यों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन सीयूएसबी के कुलपति प्रो. एच.सी.एस. राठौर द्वारा किया गया जिन्होंने कहा कि, इस आयोजन में भाग लेने का उद्देश्य केवल तभी सफल होगा, जब हम व्यायाम की दैनिक आदत बना लेंगे और कम से कम एक खेल प्रतिदिन खेलेंगे। प्रो. राठौर ने मैराथन के विजेताओं को सम्मानित किया, लड़कों में बीएससी.बीएड. के मनीष कुमार विजेता बने, जबकि बीए.बीएड. की सुलेखा कुमारी ने लड़कियों में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर डीएसडब्ल्यू प्रो. आतिश पराशर, प्रॉक्टर डॉ. कौशल किशोर, डॉ. समापिका महापात्र, संयोजक, खेल समिति तथा अन्य संकाय सदस्य, विद्यार्थी तथा कर्मचारी उपस्थित थे।

हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाड़ा 13 सितम्बर से 27 सितम्बर, 2019

संघ की राजभाषा हिन्दी के प्रोत्साहन के लिए दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) में 15 दिनों (13 से 27 सितम्बर, 2019) तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया। 13 सितम्बर, 2019 को विश्वविद्यालय परिसर के प्रशासनिक भवन के सभागार में हिन्दी दिवस व हिन्दी पखवाड़े का औपचारिक उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह कार्यक्रम का आयोजन उप कुलसचिव श्री प्रतीश कुमार दास की देखरेख में किया गया जिसमें कुलसचिव कर्नल राजीव कुमार सिंह के साथ परीक्षा नियंत्रक श्रीमती रश्मि त्रिपाठी, वित्ताधिकारी श्री गिरीश रंजन के साथ विश्वविद्यालय के कर्मचारीगण मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरुवात में अपने स्वागत भाषण में श्री प्रतीश कुमार दास ने हिन्दी के महत्व और इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने राजभाषा हिंदी के संवैधानिक प्रावधानों, अधिनियमों और नियमों की जानकारी देते हुए सहज बोलचाल की भाषा प्रयोग पर जोर दिया। कुलसचिव कर्नल सिंह ने कहा कि हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा है इसलिए यह हमारा दायित्व है कि इसे हम सम्मान के साथ आम जीवन एवं कार्यालय में प्रयोग करें। उन्होंने कार्यालय के दैनिक कार्यों में जैसे टंकण, टिप्पण व प्रारूप में ज्यादा से ज्यादा हिन्दी के प्रयोग करने पर बल दिया। पखवाड़े के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता, काव्य-पाठ प्रतियोगिता, टिप्पण व प्रारूपण प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता इत्यादि आयोजित की गई। पखवाड़े का औपचारिक समापन 27 सितम्बर को हुआ जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरुस्कार तथा प्रमाणपत्र दिया गया। समापन समारोह में प्रॉक्टर प्रोफेसर कौशल किशोर एवं डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर (डीएसडब्लू) प्रोफेसर आतिश पराशर ने भी हिन्दी दिवस की विशेषताओं और हिन्दी भाषा से जुड़े पहलुओं को साझा किया। राजभाषा हिन्दी उपलब्धियां और चुनौतियां विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को सबसे पहले पुरस्कृत किया गया। शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. नृपेन्द्र वीर सिंह को प्रथम स्थान मिला, दूसरे स्थान पर डॉ. रितेश कुमार, सहायक प्राध्यापक, शिक्षा विभाग रहे, तीसरे स्थान पर जन संपर्क पदाधिकारी (पीआरओ) श्री मो. मुदस्सीर आलम रहे और चौथा स्थान सुनिश्चित करने के लिए श्री धीरेन्द्र सिंह, अनुभाग अधिकारी को सांत्वना पुरुस्कार दिया गया। टिप्पण-प्रारूपण प्रतियोगिता में श्री धनजी प्रसाद (अवर श्रेणी लिपिक) को प्रथम पुरुस्कार मिला, श्री विनोद कुमार (सहायक) दूसरे स्थान पर रहे, श्री अरुण कुमार (सहायक) को तीसरा पुरुस्कार मिला जबकि सांत्वना पुरुस्कार श्री छोटे लाल को मिला। प्रश्न-उत्तर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर श्री धीरेन्द्र सिंह रहे, जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर श्री धर्मेंद्र सिंह (अवर श्रेणी लिपिक) और श्री सतीश कुमार (निजी सहायक) रहे। श्री सागर कुमार वर्मा (उच्च श्रेणी लिपिक) को सांत्वना पुरुस्कार दिया गया। फाइलों पर साल भर मूल रूप से टिप्पण प्रतियोगिता में श्री धर्मेंद्र सिंह (अवर श्रेणी लिपिक) को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ, दूसरे स्थान पर श्री अमित कुमार (अवर श्रेणी लिपिक) रहे, श्री मनीष कुमार (उच्च श्रेणी लिपिक) को तृतीय पुरुस्कार प्राप्त हुआ जबकि श्री नविन कुमार कन्नोजिया (अवर श्रेणी लिपिक) को सांत्वना पुरुस्कार दिया गया। विद्यार्थियों के लिए आयोजित स्वरचित कविता पाठ में महेश कुमार प्रथम स्थान पर रहे, जबकि विनीत चतुर्वेदी एवं प्रियांशु त्रिपाठी क्रमशः दूसरे तथा तीसरे स्थान पर रहे, वहीं सांत्वना पुरुस्कार संयुक्त तौर पर भावना भारती एवं सोना दास को दिया गया।

स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी द्वारा वैदिक गणित विषय पर व्याख्यान,18 सितंबर, 2019

18 सितंबर, 2019 को सीयूएसबी में परम पूज्य पुरीपीठाधीश्वर जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी ने 'वैदिक गणित की प्रकृति तथा प्रासंगिकता' शीर्षक पर वार्ता प्रस्तुत किया। वार्ता का आयोजन सीयूएसबी के गणित विभाग द्वारा स्वामी विवेकानंद व्याख्यान परिसर में किया गया। अपनी बात में स्वामी जी ने कहा कि, संपूर्ण विश्व का विज्ञान वैदिक गणित पर आधारित है, और यह सदैव प्रासंगिक रहा है। उन्होंने कहा कि वैदिक गणित में 16 अध्याय और 22 उप-अध्याय हैं, जो अत्यंत विस्तृत हैं तथा गणित और भौतिकी से संबंधित विभिन्न पहलुओं के संबंध में विवरण देते हैं। वर्तमान जगत ज्ञान की कमी के कारण वैदिक गणित में वर्णित आवश्यक घटकों से अभिज्ञ है तथा दिशाहीन विकास की ओर अग्रसर है। कुलपति प्रो. राठौर ने उपस्थिति तथा व्याख्यान के लिए स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी के प्रति आभार व्यक्त किया। कुलाधिपति डॉ. सी. पी. ठाकुर ने अपने अध्यक्षीय भाषण में, बीते कुछ वर्षों में पटना विश्वविद्यालय की घटती प्रतिष्ठा पर चिंता व्यक्त की, जो कभी देश के शीर्ष 5 संस्थानों में शामिल हुआ करता था। डॉ. ठाकुर ने कहा कि, सीयूएसबी जैसी संस्था शिक्षा के क्षेत्र में बिहार के खोए हुए गौरव को वापस लाने की क्षमता रखती है। इस कार्यक्रम का समन्वयन प्रो. एच. के. निगम, प्रमुख, गणित विभाग द्वारा किया गया था तथा इसका संचालन डॉ. सुधांशु झा, सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग द्वारा सुचारू रूप से किया गया। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. आतिश पराशर, अधिष्ठाता विद्यार्थी कल्याण (डीएसडब्ल्यू) द्वारा प्रस्तुत किया गया।

गांधी जी की 150वीं जयंती समारोह का आयोजन

सीयूएसबी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती को एक विशेष पखवाड़े समारोह के साथ मनाया। 1 अक्टूबर 2019 को, 15-दिवसीय समारोहों के समापन के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन सीयूएसबी कुलपति प्रो. एच.सी.एस. राठौर के साथ मुख्य अतिथि प्रो. मनीष कुमार सिन्हा, अधिष्ठाता, इतिहास विभाग, मगध विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। प्रो. सिन्हा ने कहा कि हमें महात्मा गांधी जी के संबंध में पता होना चाहिए तथा सभी में राष्ट्रीयता की भावना होनी चाहिए। गांधी जी ने सभी के समक्ष एकता के आदर्श को रखते हुए इसे "समावेशी राष्ट्रवाद" के रूप में स्थापित किया। सीयूएसबी के कुलपति प्रो. राठौर ने कहा कि चरखा गांव का प्रतीक है जहां से खुशी मिलती है। उन्होंने कहा कि आदर्शवाद तथा आदर्श मूल्य मानव की शाश्वत विशेषताएं हैं। गांधी जयंती समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रार्थना नृत्य, रघुपति राघव राजा रामा तथा वैष्णव जन तो गीत तथा नाटक प्रस्तुत किए गए। डॉ. आलोक कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में "गांधी कार्यांजलि" समिति की देखरेख में महात्मा गांधी की समकालीन प्रासंगिकता विषय पर रंगोली प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, कविता पाठ तथा वृक्षारोपण जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सीयूएसबी कुलपति तथा मुख्य अतिथि प्रो. सिन्हा द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस - 11 नवंबर, 2019

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाए जाने वाले 11 नवंबर को भारत के पहले शिक्षा मंत्री, महान स्वतंत्रता सेनानी तथा राजनीतिक नेता मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की 131वीं जयंती पर सीयूएसबी में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। सीयूएसबी के कुलपति, प्रो. एच.सी.एस. राठौर ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा दिवस हमारी शिक्षा प्रणाली को आत्मसात करने और देश के शिक्षा प्रणाली के लिए गहरी चिंता रखने वाले एक महान व्यक्ति को याद करने का एक विशेष दिन है। प्रो. राठौर ने विद्यार्थियों तथा शिक्षकों से शिक्षा की प्रगतिशीलता में बेहतरी के बारे में सोचने तथा इसे अधिक लाभकारी बनाने का आग्रह किया। शिक्षक शिक्षा विभाग की प्रो. रेखा अग्रवाल ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि मौलाना आजाद भारतीय शिक्षा प्रणाली के संस्थापक थे, जिसका हम आज तक अनुपालन कर रहे हैं। 08 - 11 नवंबर, 2019 के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को कुलपति तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रमाणपत्र एंव स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

.

संविधान दिवस समारोह 21-26 नवंबर, 2019

21-26 नवंबर, 2019 के दौरान स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस ने संविधान दिवस का आयोजन किया। संविधान दिवस के अवसर पर 26 नवंबर, 2019 को समारोह में मगध के आयुक्त श्री असंगबा चुबा एओ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे तथा सीयूएसबी कुलपति प्रो. एच.सी.एस. राठौर भी उनके साथ उपस्थित थे। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया तथा भारतीय संविधान के मौलिक कर्तव्यों, महत्व और विशेषताओं के संबंध में याद दिलाया। विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जैसे वाद-विवाद, आशुभाषण प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, नाटिका प्रस्तुति, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता तथा मूट कोर्ट प्रतियोगिता। विजेताओं को मुख्य अतिथि, कुलपति, डीएसडब्ल्यू प्रो. आतिश पराशर, स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस के अधिष्ठाता प्रो. पी. के. मिश्रा, प्रो. एस. पी. श्रीवास्तव द्वारा पुरस्कार प्रदान किए। संकाय संयोजक डॉ. देव नारायण सिंह ने संविधान दिवस की सुंदरता तथा शांतिपूर्ण जीवन के लिए संविधान के महत्व के संबंध में बताया। 'द प्रीएंबल', भूमिका जिसे संविधान के दिल के रूप में भी जाना जाता है, समारोह के दौरान प्रतिभागियों द्वारा कई बार पढ़ा गया।

गणतंत्र दिवस समारोह

सीयूएसबी में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन प्रो. आतिश पराशर, अधिष्ठाता विद्यार्थी कल्याण (डीएसडब्ल्यू) के मार्गदर्शन में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक गतिविधियां समिति के सदस्य, डॉ. अनिंद्य देब, डॉ. अमृता श्रीवास्तव, डॉ. तरुण कुमार त्यागी ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। लोक नृत्य, देशभक्ति गीत, प्रहसन, इत्यादि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मुख्य आकर्षण थे। तिरंगे के ध्वजारोहण के उपरांत, कुलपति प्रो. एच.सी.एस. राठौर ने अपने संबोधन का आरंभ, 'सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तां हमारा' पंक्तियों के साथ किया। चाहे हमारे देश का समाज, हमारी धार्मिक मान्यताएं, हमारी संस्कृति एवं परंपराएं, हमारी विनम्रता, हमारे त्योहार, इत्यादि हों, भारत सबसे अच्छा है और हम भारतीय दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हैं। प्रो. राठौर ने भारतीय संविधान की महत्ता तथा एक लोकतांत्रिक देश में नागरिकों को दिए गए अधिकारों के संबंध में बताया।

कार्यशालाएं, सम्मेलन, संगोष्ठीयां, वार्ताएं, इत्यादि

वीर कुंवर सिंह पर वार्ता (23 अप्रैल, 2019)

23 अप्रैल, 2019 को सीयूएसबी के इतिहास विभाग ने वीर कुंवर सिंह जी की 161वीं जयंती के अवसर पर एक विशेष वार्ता का आयोजन किया। प्रो. मनीष सिन्हा, प्रमुख, इतिहास विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया ने वार्ता में, "कुंवर सिंह की स्मृति तथा उनका योगदान" विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रो. सिन्हा ने वीर कुंवर सिंह के जीवन इतिहास तथा उनके संघर्ष, विशेष रूप से 1857 की क्रांति में राष्ट्र के लिए उनके योगदान को साझा किया। उन्होंने वीर कुंवर सिंह के बारे में रोचक तथ्य भी साझा किया, जिसमें गया के कोसमा गांव से उनका संबंध भी शामिल है, जहां से उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम का बिगुल फूंका था । एक वीर स्वतंत्रता सेनानी तथा अपनी मातृभूमि के बेटे होने के साथ ही, वीर कुंवर में कई अद्वितीय गुण थे जिनसे ब्रिटिश साम्राज्य बहुत भयभीत रहते थे। डॉ. सुधांशु कुमार झा, पाठ्यक्रम समन्वयक, इतिहास विभाग, प्रो. कौशल किशोर, तथा डॉ. आतिश पराशर ने भी वीर कुंवर सिंह जी के संबंध में अपने विचार साझा किए।

सलमान रश्दी तथा किरण देसाई के उपन्यासों पर व्याख्यान (29 - 30 अप्रैल, 2019)

29 - 30 अप्रैल, 2019 के दौरान सीयूएसबी के अंग्रेजी विभाग द्वारा प्रतिष्ठित लेखक सलमान रश्दी तथा किरण देसाई के साहित्यिक कार्यों पर दो दिवसीय एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान पूर्णिया विश्वविद्यालय के आमंत्रित अतिथि प्रो. मुरारी प्रसाद द्वारा दिया गया। दो दिनों के दौरान प्रो. प्रसाद ने रश्दी तथा देसाई के लेखन एवं उपन्यासों के संबंध में बताया। पहले दिन पहले सत्र में, प्रो. प्रसाद ने भारतीय उपन्यास की विकास यात्रा के संबंध में बात की, जबकि दूसरे सत्र में उन्होंने विश्व प्रसिद्ध लेखक सलमान रश्दी एवं उनके 'मिडनाइट्स चिल्ड्रन' के लेखन के संबंध में विचार व्यक्त किए। दूसरे दिन उन्होंने किरण देसाई तथा उनके उपन्यास 'द इनहेरिटेंस ऑफ लॉस' के संबंध में विचार व्यक्त किए। सभागार में उपस्थित दर्शकों ने भी प्रो. प्रसाद से दोनों लेखकों तथा उनके उपन्यासों के संदर्भ में प्रश्न पूछे। अंत में, प्रो. प्रभात कुमार सिंह, अधिष्ठाता एवं प्रमुख ने व्याख्यान देने के लिए मुख्य वक्ता का धन्यवाद किया और इस आयोजन को सफल बनाने के लिए अपने सहयोगियों की प्रशंसा की।

द्वितीय फैकल्टी इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम (1-30 जून, 2019)

1 - 30 जून, 2019 के दौरान सीयूएसबी के स्कूल ऑफ एजुकेशन ने पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनएमटीटी) के तहत द्वितीय फैकल्टी इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम को केंद्र एवं राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों / उच्च शिक्षा संस्थानों / महा विद्यालयों या इसी तरह के संस्थानों के नवप्रशिक्षित संकाय सदस्यों को प्रशिक्षित करने के लिए तैयार किया गया था। 9 राज्यों के कुल 30 नए संकाय सदस्यों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। 30-दिवसीय कार्यक्रम के दौरान शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने शिक्षण शास्त्र के विभिन्न विषयों पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।

समापन समारोह सत्र में सीयूएसबी के कुलपति प्रो. एच.सी.एच. राठौर ने मुख्य अतिथि के रूप में बधाई दी तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए पीएमएमएनएमटीटी के नोडल अधिकारी तथा संकाय सदस्यों के प्रयासों की सराहना की। प्रो. राठौर ने अपने अध्यक्षीय भाषण में गौतम बुद्ध को याद किया तथा सभागार में उपस्थित दर्शकों के साथ कई तार्किक पहलुओं को साझा किया। अंत में, प्रतिभागियों को सीयूएसबी कुलपति द्वारा प्रतिभागिता प्रमाण पत्र दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रो. कौशल किशोर, अधिष्ठाता एवं प्रमुख, स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा प्रो. रेखा अग्रवाल, डॉ. रिंकी (सह-समन्वयक) तथा विभाग के अन्य संकाय सदस्यों के सहयोग से किया गया।

प्रो. सुनील रे द्वारा वार्ता - 25 जुलाई, 2019

25 जुलाई, 2019 को सीयूएसबी में सुनील रे, पूर्व निदेशक, ए.एन. सिन्हा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज, पटना द्वारा "सतत विकास एक मिथक है?" विषय पर एक वार्ता प्रस्तुत की गई। प्रो. रे ने सतत विकास की आवश्यकता पर प्रकाश डाला तथा उन पर्यावरणीय प्रसंगों के संबंध में बात की जो विकास की स्थिरता के संबंध में प्रश्न उठाते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि अस्थिरता समस्या के समाधान के लिए मौजूदा विकास प्रतिमान पर सवाल उठाने की आवश्यकता होगी। उन्होंने एक वैकल्पिक विकास प्रतिमान का सुझाव दिया जो, सामंजस्यपूर्ण विकास प्रतिमान है। इस वार्ता का आयोजन अर्थशास्त्र विभाग द्वारा किया गया तथा इसकी अध्यक्षता प्रो. एस. भौमिक, अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज़ एंड पॉलिसी ने की। इस वार्ता में विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों तथा विद्यार्थियों ने भाग लिया। धन्यवाद ज्ञापन श्री अतीश कुमार दास, सहायक प्राध्यापक, इकोनॉमिक स्टडीज़ एवं पॉलिसी विभाग द्वारा प्रस्तुत किया गया।

लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के प्रो. तीर्थंकर रॉय द्वारा वार्ता प्रस्तुति - 8 अगस्त, 2019

8 अगस्त, 2019 को लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस के प्रख्यात आर्थिक इतिहासकार प्रो. तीर्थंकर रॉय ने सीयूएसबी में एक विशेष वार्ता प्रस्तुति की। "आर्थिक इतिहासकार क्या करते हैं?" विषय पर अपनी वार्ता में, प्रो. रॉय ने मूल रूप से आर्थिक इतिहास तथा इसके मौजूदा रुझानों के बारे में संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों को विस्तार से बताया। उन्होंने विकास और असमानता के मुद्दों के बारे में महत्वपूर्ण सवाल उठाए, जैसे कि, यूरोपीय देश अधिक विकसित क्यों हैं? तथा एशिया और अफ्रीका जैसे महाद्वीप उतने विकसित क्यों नहीं हैं? उन्होंने विकास मॉडल के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री एडम स्मिथ, मार्क्स और वेबर मॉडल के संबंध में बात की तथा उनके बीच उन परिस्थितियों एवं तर्कों के संबंध में चर्चा की, जिनका एशिया और अफ्रीका ने अपने विकास की प्रक्रिया के दौरान सामना किया। इससे पहले प्रो. शंकर कुमार भौमिक, अधिष्ठाता एवं प्रमुख, इकोनॉमिक्स विभाग तथा प्रो. एस.एन.सिंह (पॉलिटिकल साइंस) ने प्रो. रॉय का स्वागत किया। इस कार्यक्रम की मेज़बानी डॉ. आदित्य मोहंती, सहायक प्रोफेसर, डेवलपमेंट स्टडीज़ विभाग द्वारा की गई, जबकि कार्यक्रम का समापन डॉ. सुधांशु कुमार झा द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

बीएआरसी के वैज्ञानिक प्रो. हरि एस. मिश्रा द्वारा वार्ता प्रस्तुति - 16 सितंबर, 2019

16 सितंबर, 2019 को प्रो. हरि एस. मिश्रा, प्रमुख, भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर (बीएआरसी), मुंबई में आणविक जीवविज्ञान प्रभाग (मोलीक्यूलर बायोलॉजी डिवीज़न), ने सीयूएसबी के डिपार्टमेंट ऑफ बायोइनफॉरमैटिक्स द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी में "डाइनोकोकस बैक्टीरिया और विकिरण पर इसके प्रभाव" विषय पर एक विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया। बीएआरसी वैज्ञानिक ने अपने व्याख्यान में कहा कि डाइनोकोकस बैक्टीरिया मानव जाति को ज्ञात सबसे अधिक विकिरण-प्रतिरोधी जीवों में से एक है, जो विकिरण के 1500 किलोग्राम वजन तक भी जीवित रह सकता है, जो कि अधिकांश जीवों की तुलना में सैकड़ों गुना अधिक स्तर और यह ठंड, डीहाईड्रेशन, वैक्यूम तथा एसिड में भी जीवित रह सकता है। प्रो. मिश्रा ने रोमांचक शोध निष्कर्षों को साझा किया और कहा कि दुनिया के सबसे विकिरण-प्रतिरोधी डाइनोकोकस बैक्टीरिया विकिरण प्रदूषण को समाप्त कर सकता है। उन्होंने अपने 25 वर्ष के लंबे करियर से कई महत्वपूर्ण निष्कर्षों को साझा किया और कई विषयों पर बात की। बायोइनफॉरमैटिक्स के संकाय सदस्यों एवं प्रमुख प्रो. आर.एस. राठौर के साथ-साथ लाइफ साइंस,बायोटेक्नो लॉजी एवं ईवीएस के संकय सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने संगोष्ठी में भाग लिया।

प्रो. वी. सुब्रमण्यन द्वारा वार्ता प्रस्तुति - 14 अक्टूबर, 2019

14 अक्टूबर, 2019 को प्रो. वी. सुब्रमण्यन, सेवानिवृत्त प्राध्यापक, पूर्व अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ एनवायरनमेंटल साइंस , जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने "जल क्षेत्र एवं जल विज्ञान संबंधी मुद्दे" विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया। पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित वार्ता में, प्रो. सुब्रमण्यन ने दुनिया भर में जल प्रदूषण और पानी के घटते स्तर के संबंध में चर्चा की और इसे संरक्षित करने के उपायों के संबंध में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि अनमोल पानी को संरक्षित करने के लिए जल प्रबंधन एक आदर्श हो सकता है लेकिन इसके समक्ष बड़ी चुनौतियां हैं। प्रो. सुब्रमण्यन ने कहा कि वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं के साथ-साथ आम नागरिकों को भी जल प्रबंधन और संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने की आवश्यकता है। वार्ता में एसईबीईएस के अधिष्ठाता प्रो. राम कुमार तथा प्रमुख प्रो. उमेश कुमार सिंह तथा पर्यावरण विज्ञान विभाग के अन्य संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों तथा अन्य विभागों के साथ उपस्थित थे।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह 15-16 अक्टूबर, 2019

15-16 अक्टूबर, 2019 के दौरान सीयूएसबी के मनोवैज्ञानिक विज्ञान विभाग द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। डब्ल्यूएचओ द्वारा घोषित इस वर्ष के उत्सव का विषय (थीम) "मानसिक स्वास्थ्य वृद्धि तथा आत्महत्या की रोकथाम" था। इन दो दिनों के दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें विद्यार्थियों के लिए वार्ताएं तथा प्रतियोगिताएं शामिल थीं। "प्रभावी जीवन तथा तनाव प्रबंधन के लिए व्यवहार कौशल" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन

सीयूएसबी के कुलपति प्रो. एच.सी.एस. राठौर द्वारा किया गया।

सत्र की अध्यक्षता करते हुए उद्घाटन दिवस पर, कुलपति महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि, आज मानसिक स्वास्थ्य दुनिया के सामने एक बड़ी चुनौती है तथा उपचार के उपलब्ध उपाय किन्हीं भी कारणों से पूरी तरह से कुशल नहीं हैं। मुझे लगता है कि पारंपरिक भारतीय उपचार, विशेष रूप से आयुर्वेद मानसिक बीमारी के उपचार के लिए बहुत प्रभावी है। प्रो. टी.बी.सिंह, अधिष्ठाता (प्रभारी), स्कूल ऑफ ह्यूमन साइंसेज़ तथा डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंह, प्रमुख, साइकोलॉजी ने भी मानसिक स्वास्थ्य के बारे में अपने विशेषज्ञ विचार साझा किए। इस कार्यशाला के बाद प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हुई जिसमें नौ टीमों ने भाग लिया। मनोविज्ञान विभाग के श्री पीयूष तथा श्री रोहित ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता जीती। इसके बाद रस्साकशी खेल का भी आयोजन किया गया जिसमें 6 टीमों ने भाग लिया। चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें ईवीएस विभाग की आस्था वर्मा, श्वेता लता तथा प्रिया ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

विकास अनुसंधान में नई दिशाओं पर पैनल चर्चा - 15 नवंबर, 2019

15 नवंबर, 2019 को सीयूएसबी के डेवलपमेंट स्टडीज़ विभाग ने "विकास अनुसंधान में नई दिशाएं: बनर्जी, डफ़्लो तथा क्रेमर का योगदान", विषय पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया। इस चर्चा का आयोजन अर्थशास्त्र में माइकल क्रेमर, अभिजीत बनर्जी और एस्तेर डफ़्लो को नोबल पुरस्कार प्रदान करने की पृष्ठभूमि में किया गया था। प्रो.एस.के. भौमिक, अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज़ ने वैश्विक गरीबी को कम करने के लिए नोबेल पुरस्कार विजेताओं द्वारा अपनाई गई नई पद्धति पर विस्तार से चर्चा की। प्रो. कृष्णन चलिल, प्रमुख, डीवीएस ने भारतीय संदर्भ में गरीबी उन्मूलन रणनीतियों के इतिहास तथा नोबल विजेताओं के योगदान का सूक्ष्म रूप से आकलन किया। जबकि, प्रो. ब्रजेश कुमार, प्रमुख, वाणिज्य विभाग आर्थिक विकास के सिद्धांतों तथा विकास अर्थशास्त्र की शाखा के विकास के लिए अनियमित नियंत्रण प्रयोग कितना दूर है, इसकी समीक्षा की। श्री आदित्य मोहंती, सहायक प्राध्यापक, डीवीएस ने चर्चा को मॉडरेट किया। प्रस्तुति के बाद प्रश्न उत्तर सत्र तथा चर्चा हुई। सुश्री प्रेरणा, एम.ए. डेवलपमेंट स्टडीज़ की छात्रा ने दर्शकों का स्वागत किया तथा श्री आदित्य मोहंती ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्ताव दिया।

मेजर जनरल सी. मणि द्वारा भारत की सामरिक संस्कृति पर विशेष व्याख्यान - 30 नवंबर, 2019

“मेजर जनरल सी. मणि, जो कि वर्तमान में मध्य प्रदेश, मऊ, के सैन्य कॉलेज, दूरसंचार इंजीनियरिंग कॉलेज में डिप्टी कमांडेंट के रूप में सेवारत हैं, ने सीयूएसबी में एक विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया। "भारत की सामरिक संस्कृति" विषय पर इस व्याख्यान का आयोजन विश्वविद्यालय के राजनीतिक अध्ययन विभाग द्वारा किया गया था। मेजर मणि ने अपने व्याख्यान में भारत की सामरिक संस्कृति के संबंध में बताया जो देश की संस्कृति के माध्यम से निर्धारित की जाती है और भारत की रक्षा रणनीति समय के साथ बदल गई है। उन्होंने विश्व इतिहास में 21 युद्ध को उदाहरणों के रूप में उद्धृत किया जिनका रक्षा अध्ययन की दृष्टिकोण से बहुत महत्व है। मेजर मणि जी ने 1965, 1971 और 1999 में पाकिस्तान तथा 1962 में चीन के साथ भारत द्वारा लड़े गए युद्धों में इस्तेमाल की गई रक्षा रणनीति को भी साझा किया। मेजर मणि जी ने कहा कि भारत की रणनीतिक संस्कृति की जड़ें उसकी सम्मानीय विविधता, विकास, उपनिवेशवाद तथा लोकतंत्र में हैं। इस अवसर पर सीयूएसबी के कुलसचिव कर्नल आर के सिंह (सेवानिवृत्त), विश्वविद्यालय के राजनीतिक अध्ययन विभाग के संकाय सदस्यों के साथ विभिन्न विभागों के संकायगण तथा विद्यार्थी उपस्थित थे।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद पर पैनल चर्चा, 03 दिसंबर, 2019

राज्य समन्वयकारी विश्वविद्यालय के रूप में सीयूएसबी द्वारा भारत के प्रथम राष्ट्रपति, भारत रत्न, डॉ. राजेंद्र प्रसाद की 135 वीं जयंती के अवसर पर, "भारत के संविधान: मौलिक कर्तव्य, मूल्य और नैतिकता डॉ. राजेंद्र प्रसाद के विचारों में", विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई। यह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के निर्देशन में संविधान दिवस की 70वीं वर्षगांठ के साथ-साथ वर्ष भर चलने वाले समारोह के अंतर्गत आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का आयोजन नोडल अधिकारी प्रो. संजय प्रकाश श्रीवास्तव के निर्देशन में किया गया, जबकि समन्वयक श्री मणि प्रताप, सहायक प्राध्यापक, विधि विभाग। पैनलिस्ट अर्थात् डॉ. सनत कुमार शर्मा, डॉ. आलोक कुमार गुप्ता, डॉ. सुधांशु कुमार झा तथा डॉ.नितिन चंद्रा ने भारतीय संविधान तथा नागरिकों के अधिकारों के आलोक में डॉ. राजेंद्र प्रसाद के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

.

शिक्षण शास्त्र में नवोत्थान पर 6 दिवसीय कार्यशाला, 03-08 दिसंबर, 2019

स्कूल ऑफ एजुकेशन ऑफ सीयूएसबी द्वारा 03-08 दिसंबर, 2019 के दौरान नवाचार पर छह दिवसीय कार्यशाला-सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यशाला में देश भर के विभिन्न क्षेत्रों अर्थात् मेघालय, विशाखापट्टनम, नालंदा, बेगूसराय आदि से प्रतिभागियों ने भाग लिया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. राजेश सिंह, कुलपति, पूर्णिया विश्वविद्यालय ने किया और अध्यक्षता सीयूएसबी के कुलपति प्रो. एच.सी.एस. राठौर ने की। कार्यक्रम का आयोजन विभाग के संकाय सदस्यों के सहयोग से प्रो. कौशल किशोर, अधिष्ठाता एवं प्रमुख, स्कूल ऑफ़ एजुकेशन, सीयूएसबी तथा प्रो. रेखा अग्रवाल, कार्यक्रम समन्वयक एवं पीएमएमएमएनएमटीटी के नोडल अधिकारी की देखरेख में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता (विशेषज्ञ) थे, प्रो राजेश सिंह, कुलपति, पुर्णिया विश्वविद्यालय, श्री दिलीप कुमार, प्रधान अध्यापक, सीएमसीएल विद्या भारती स्कूल, प्रो. विनिता सहाय, निदेशक, आईआईएम, बोध गया, प्रो. सिद्दिक मो.,मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद, प्रो. एस.पी. श्रीवास्तव, प्राध्यापक, लॉ, सीयूएसबी, प्रो. ओ.पी.राय, अधिष्ठाता एवं प्रमुख, वाणिज्य संकाय, बी.एच.यू., वाराणसी तथा सैयद अब्दुल मोइन, पूर्व निदेशक,एससीईआरटी, पटना।

भारत के संविधान के आदर्श पर व्याख्यान, 28 जनवरी, 2020

28 जनवरी 2020 को सीयूएसबी ने, राज्य के समन्वयक विश्वविद्यालय के रूप में, भारतीय संविधान के 70 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, “भारत के संविधान के आदर्श तथा मौलिक कर्तव्यों के न्यायशास्त्र” विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी से विधि संकाय के प्रोफेसर शैलेन्द्र कुमार गुप्ता द्वारा अतिथि व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रो. (डॉ.) संजय प्रकाश श्रीवास्तव, नोडल अधिकारी की देखरेख में किया गया, जिन्होंने सभागार में उपस्थित मुख्य अतिथि तथा दर्शकों जिसमें अधिष्ठाता, प्रमुख, संकाय सदस्य और विभिन्न विभागों के विद्यार्थी शामिल थे, का स्वागत किया।

प्रो. गुप्ता ने भारतीय संविधान के आदर्शों के महत्व पर चर्चा की जिसमें न्याय, स्वतंत्रता, समानता तथा बंधुत्व की अवधारणाएं शामिल हैं। उन्होंने 1976 में 42 वें संवैधानिक संशोधन और संविधान के डी.पी.एस.पी. के माध्यम से भारत के संविधान के तहत भाग IV ए, अनुच्छेद 51 ए में शामिल मौलिक कर्तव्यों के महत्व और कानूनी प्रवर्तनीयता पर अपने विचार व्यक्त किए।

महिला सशक्तिकरण पर पैनल चर्चा, 13 फरवरी, 2020

13 फरवरी, 2020 को, "महिला सशक्तिकरण और भारतीय संविधान की भूमिका" विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई। पैनल चर्चा का आयोजन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देशानुसार भारतीय संविधान के 70वें वर्ष को पूरा करने पर, संविधान दिवस कार्यक्रम के 1 वर्ष से चल रहे उत्सव के तहत किया गया। राज्य के समन्वयक विश्वविद्यालय के रूप में नोडल अधिकारी प्रो.एसपी श्रीवास्तव, प्राध्यापक, लॉ विभाग, सीयूएसबी ने सह-समन्वयक डॉ. अनंत प्रकाश नारायण के सहयोग से पैनल चर्चा का आयोजन किया। पैनल चर्चा में स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस विभाग के संकाय सदस्यों तथा विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय के अन्य विभागों के संकाय सदस्यों तथा विद्यार्थियों ने भाग लिया। पैनल चर्चा के औपचारिक उद्घाटन के उपरंत चर्चा डॉ. चंद्र प्रभा पांडे (सहायक प्राध्यापक, एजुकेशन) के वक्तव्य के साथ आगे बढ़ी, जिन्होंने समाज में महिलाओं के उत्थान के लिए शिक्षा के महत्व के संबंध में बताया। डॉ. पारिजात प्रधान, (सहायक प्राध्यापक, सोशियोलॉजी) ने भारतीय संविधान के संदर्भ में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए सरोजिनी नायडू का उदाहरण देते हुए उनके काम की प्रासंगिकता के संबंध में बताया। श्रीमती पूनम कुमारी (सहायक प्राध्यापक, लॉ) ने महिलाओं के अधिकारों के लिए विधिक और संवैधानिक पहलुओं पर प्रकाश डाला। संविधान दिवस के नोडल अधिकारी के रूप में प्रो. एस. पी. श्रीवास्तव ने भी इस विषय पर अपने विचार साझा किए और महिलाओं के अधिकारों के बारे में सुझाव दिए। डॉ. देव नारायण सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया|

भारत में मौलिक कर्तव्यों के महत्व और भूमिका पर पैनल चर्चा, 20 फरवरी, 2020

20 फरवरी, 2020 को, "भारत में मौलिक कर्तव्यों का महत्व और भूमिका" विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई। पैनल चर्चा का आयोजन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देशानुसार भारतीय संविधान के 70वें वर्ष को पूरा करने पर, संविधान दिवस कार्यक्रम के 1 वर्ष से चल रहे उत्सव के तहत किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रो संजय प्रकाश श्रीवास्तव, नोडल अधिकारी, राज्य समन्वयक विश्वविद्यालय तथा डॉ. पल्लवी सिंह द्वारा किया गया। कार्यशाला में प्रमुख वक्ताओं के रूप में डॉ. पी.पी. राव, सीएनएलयू और श्री कुमार गौरव, सीएनएलयू उपस्थित थे। डॉ. पी. पी. राव ने अपने वक्तव्य में स्वतंत्रता संग्राम की स्मृति को याद किया जिसका उद्देश्य न केवल एक समाज बल्कि एक स्वतंत्र समाज की स्थापना करना था। उन्होंने प्रस्तावना के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला जिससे मौलिक कर्तव्यों के विचार को एक स्वरूप प्राप्त हुआ।

कार्यशाला के दूसरे वक्ता श्री कुमार गौरव ने हमारे मौलिक कर्तव्यों के साथ साइबर लॉ के संबंध को बताया। उन्होंने बताया कि पहले से ही संविधान में प्रस्तावना के उल्लेख के बाद भी मौलिक कर्तव्यों की आवश्यकता क्यों थी। धन्यवाद ज्ञापन श्री मणि प्रताप द्वारा प्रस्तुत किया गया जिन्होंने कार्यक्रम में भाग लेने के लिए उपस्थित सभी अतिथियों और विद्यार्थियों का धन्यवाद किया।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस, 21 फ़रवरी, 2020

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष में सीयूएसबी में 21 फ़रवरी को विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए । इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए " मातृभाषा की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता " विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया । इस प्रतियोगिता में क्रमश: छात्रा अभिजीता कुजुर को प्रथम, छात्र प्रसून भास्कर को द्वितीय, छात्रा दीपा कुमारी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ । छात्रा आस्था सिन्हा को सांत्वणा श्रेणी में नामांकित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफेसर आतिश पराशर एवं उपकुलसचिव श्री प्रतिश कुमार दास सहित अन्य संकायगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे। समारोह में अपना संबोधन देते हुए प्रो० आतिश पराशर ने कहा कि हम मां के सबसे करीब होते हैं और अपनी जिंदगी का प्रथम पाठ मां की गोद में ही सीखते हैं, इसलिए हमारी मातृभाषा हमारे दिल के सबसे करीब होती है। हमें अपनी मातृभाषा का प्रयोग बेहिचक, बेझिझक और दिल से करनी चाहिए। श्री प्रतीश कुमार दास ने कहा कि मातृभाषा वह भाषा है जो हम प्रथम बार अपनी तुतली बोलियों में हम सीखते हैं और यही वह भाषा है जो हमें उन्नति के मार्ग पर ले जाएगा। वहीं सभागार में मौजूद लोगों एवं विद्यार्थियों ने अपने रोज़मर्रा की ज़िन्दगी में ज़्यादा से ज़्यादा मातृभाषा के प्रयोग करने का प्रण लिया |

भारतीय इतिहास का पुनर्लेखन: चुनौतियां और सामाजिक परिणाम, 24-25 फरवरी, 2020

24-25 फरवरी, 2020 के दौरान सीयूएसबी के सोशियोलॉजिकल स्टडीज़ विभाग तथा हिस्टोरिकल स्टडीज़ एंड आर्केलॉजी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से, "भारतीय इतिहास: चुनौतियां और सामाजिक परिणाम" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन सीयूएसबी के माननीय कुलपति प्रो. एच. सी. एस. राठौर की अध्यक्षता में उपस्थित मुख्य अतिथि प्रो. अरविंद पी. जमखेडकर और श्री स्वांत रंजन जी के दीप-प्रज्ज्वलन समारोह के साथ हुआ। संगोष्ठी के माननीय मुख्य अतिथि, प्रो. अरविंद पी. जमखेडकर, अध्यक्ष, आईसीएचआर, ने भारतीय संस्कृत व्याकरण और उनके कार्यों पर जोर दिया, और कहा कि भारतीय व्याकरण की अवधारणाएं को विभिन्न अन्य भाषाओं में भी पाया जा सकता है। इसके अलावा, माननीय कुलपति प्रो. एच. सी. एस. राठौर ने उपनिवेशवादियों द्वारा इतिहास की अपनी भावना को स्थापित करने के लिए ऐतिहासिक साक्ष्यों को नष्ट करने वाले विचारों को साझा किया। गेस्ट ऑफ ऑनर, श्री स्वांत रंजन जी ने दर्शकों को इस धारणा के साथ संबोधित किया कि आम जनता को कहानियों के माध्यम से इतिहास के बारे में सीखना चाहिए।

संगोष्ठी के आरंभ में, स्वागत भाषण संगोष्ठी के संयोजक डॉ. अनिल कुमार सिंह झा द्वारा दिया गया, जबकि डॉ. सुधांशु कुमार झा ने संगोष्ठी के प्रमुख विषयों और दृष्टिकोणों पर अपने विचार व्यक्त किए। इस दो दिवसीय संगोष्ठी में इस विषय पर गहन बातचीत के लिए सौ से अधिक राष्ट्रीय विद्वान एक साथ उपस्थित थे। प्रमुख वक्ता प्रो.बी.के. नगला, प्रो शंकर सरन और प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी ने समाज और इतिहास के विभिन्न पहलुओं के संबंध में बताया। दूसरे दिन समापनसत्र की अध्यक्षता कुलसचिव कर्नल आर.के.सिंह ने की।

नए शिक्षण शास्त्र पर कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण, 25 फरवरी - 2 मार्च, 2020

25 फरवरी से 2 मार्च, 2020 तक स्कूल ऑफ एजुकेशन (एसओई), सीयूएसबी द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के तहत सात दिवसीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन प्रो. रेखा अग्रवाल (एसओई) द्वारा किया गया था और इसमें देश भर के विभिन्न क्षेत्रों यानी मेघालय,सिक्किम,ओडिशा, नालंदा, बेगूसराय, भागलपुर, पटना, प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. प्रभात कुमार सिंह तथा अध्यक्षता कर्नल राजीव रंजन सिंह, कुलसचिव, सीयूएसबी द्वारा किया गया। प्रो. कौशल किशोर, अधिष्ठाता एवं प्रमुख, स्कूल ऑफ एजुकेशन, ने मेहमानों का स्वागत किया और पीएमएमएमएनएमटीटी के प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर और नोडल ऑफिसर प्रो.रेखा अग्रवाल ने 'इनोवेशन पेडागॉजी' पर कार्यक्रम का विषय (थीम) प्रस्तुत किया। सात दिवसीय कार्यशाला में प्रो प्रभात कुमार सिंह, श्री शिव कुमार सिंह, संस्थापक, बिहार शिक्षक संघ, डॉ. सैयद अब्दुल मोईन, पूर्व-निदेशक दूरस्थ शिक्षा-सह-संयुक्त निदेशक एससीईआरटी, बिहार, डॉ. राजेश कुमार सिन्हा, प्रधान अध्यापक, अपग्रेडेड हाई स्कूल आदमपुर खिज़रसराय, श्री जी.वी.एस.आर. प्रसाद, कंसल्टेंट एजुकेशन, रांची प्रमुख वक्ताओं के रूप में उपस्थित थे। समापन सत्र की अध्यक्षता सीयूएसबी के कुलपति प्रो. एच. सी. एस. राठौर द्वारा किया गया जिन्होंने शिक्षाशास्त्र में नवाचार के महत्व के बारे में अपने विचार साझा किए। एसओई के संकाय सदस्यों ने कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण के आयोजन तथा संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्नत सामग्री और परमाणु विज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 27-29, फरवरी, 2020

27 - 29 फरवरी, 2020 के दौरान सीयूएसबी में "उन्नत सामग्री और परमाणु विज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एएमएनएस - 2020)" पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का आयोजन फिजिक्स विभाग द्वारा किया गया था जिसमें देश भर के विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, शोधकर्ता तथा विद्यार्थी शामिल हुए थे। सम्मेलन के मुख्य अतिथि डॉ. आलोक बनर्जी, वैज्ञानिक शोध इंदौर के यूजीसी-डीएई कंसोर्टियम के केंद्र निदेशक थे तथा सम्मानीय अतिथि प्रो.ब्रजेश सी चौधरी, फिजिक्स और खगोल भौतिकी विभाग, एस्ट्रोफिजिक्स , दिल्ली विश्वविद्यालय थे। सीयूएसबी के कुलपति प्रो. एच.सी.एस. सिंह राठौर ने अपने अध्यक्षीय भाषण में मानव विकास को प्रभावित करने वाली सामग्रियों और परमाणु विज्ञान के महत्व तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी इन मुद्दों को कैसे दूर कर सकते हैं के संबंध में बताया। डॉ. आलोक बनर्जी ने भारत के विश्वविद्यालय के शोधकर्ता के लिए अपने केंद्र में उपलब्ध सुविधा के संबंध में बताया। उन्होंने चुंबकीय प्रथम-क्रम चरण परिवर्तनों से संबंधित रोचक घटना तथा कार्यात्मकताओं पर अपनी मुख्य बात भी प्रस्तुत की।

सम्मानीय अतिथि ब्रजेश सी चौधरी ने ब्रह्माण्ड की मौलिक बात को समझते हुए अपनी मुख्य बात को परत-दर-परत उल्लेखित किया। तीन दिनों के लिए 3 महत्वपूर्ण व्याख्यान तथा राष्ट्रीय प्रसिद्धि प्राप्त वक्ताओं, जो कि सामग्री और परमाणु विज्ञान के क्षेत्र में कार्यरत थे, द्वारा 17 आमंत्रित वार्ताएं प्रस्तुत की गई। समापन समारोह के मुख्य अतिथि वासेडा विश्वविद्यालय, जापान के प्रो. अत्शुषी फुजीमोरी थे, उन्होंने उल्लेख किया कि पिछले तीन दिनों में उन्होंने प्रसिद्ध वक्ताओं द्वारा बहुत ही महत्वपूर्ण व्याख्यानों को सुना। भौतिकी विभाग के प्रमुख प्रो. वेंकटेश सिंह ने उपस्थित दर्शकों को विभाग से अवगत कराया तथा हाल के दिनों में विभाग की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। सम्मेलन के संयोजक डॉ. रोहित आर. शाही ने उद्घाटन समारोह के दौरान सम्मेलन के विषय तथा महत्व का वर्णन किया। अंत में डॉ. भूदेंद्र सिंह ने औपचारिक रूप से धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तावित किया। मो. अरज़िल सीयूएसबी, गया को एएमएनएस-2020 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार प्राप्त किया।

राष्ट्रीय सुरक्षा के मीडिया संभाषण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 05-06 मार्च, 2020

05-06 मार्च, 2020 के दौरान विश्वविद्यालय के मीडिया तथा सोशियोलॉजिकल विभाग ने संयुक्त रूप से "राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक सरोकारों पर मीडिया संभाषण" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस आयोजन के मुख्य अतिथि पूर्व प्रधान संपादक और प्रख्यात पत्रकार श्री सतीश के. सिंह थे तथा मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर डॉ. सी.पी. सिंह, इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय उपस्थित थे। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी को आयोजित करने का उद्देश्य 21वीं सदी के विकासशील समाजों में आवश्यक सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देने तथा राष्ट्र की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा की दिशा में एक प्रयास करना है।।

सीयूएसबी के माननीय कुलपति प्रो. एच.सी.एस. राठौर ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक मुद्दों के संबंध में मीडिया एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह लोगों के दिमाग को प्रभावित करने का सबसे मजबूत माध्यम है। अन्य उपस्थित प्रसिद्ध वक्ता थे प्रो. वी.के. लाल, पूर्व विभागाध्यक्ष, पटना विश्वविद्यालय, प्रो.दीपक कुमार, समाजशास्त्र विभाग के प्रमुख, मगध विश्वविद्यालय और डॉ.रघुवेंद्र मिश्र, आईजीएनटीयू, अमरकंटक, श्री मयंक सिंह, संयुक्त कुलसचिव, बीएचयू तथा डॉ. राजेश झा, दिल्ली विश्वविद्यालय। बाद में समापन समारोह में प्रो. आतिश प्राशर ने उपस्थित अतिथियों प्रो. ए.के. कौल, प्रो. एमेरिटस, बीएचयू तथा श्री राजेश कुमार, डीआईजी का स्वागत किया तथा उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि मीडिया मात्र सूचना प्रसार के लिए एक उपकरण नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र के एकीकरण और सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संगोष्ठी की सारांश रिपोर्ट, सीयूएसबी के सहायक प्राध्यापक डॉ.सुजीत कुमार द्वारा प्रस्तुत की गई। समापन सत्रीय संबोधन प्रो.ए.के. कौल तथा अध्यक्षीय संबोधन श्री राजेश कुमार ने प्रस्तुत किया। धन्यवाद ज्ञापन सोशियोलॉजिकल स्टडीज़ विभाग के प्रमुख डॉ. अनिल कुमार सिंह झा द्वारा प्रस्तुत किया गया।

उपलब्धियाँ

इंडिया टुडे रैंकिंग में सीयूएसबी का पूरे भारत में 22वां स्थान

सीयूएसबी ने इंडिया टुडे रैंकिंग सूची में देश के शीर्ष 36 सरकारी विश्वविद्यालयों में 22 वां स्थान प्राप्त किया। यह रैंकिंग देश इंडिया टुडे पत्रिका द्वारा की 1 जुलाई, 2019 संस्करण में प्रकाशित की गई।

सीयूएसबी का पेटेंट, 'पेटेंट कार्यालय की आधिकारिक पत्रिका' में प्रकाशित

रसायन विज्ञान विभाग के सह प्राध्यापक, डॉ. अमिय प्रियम तथा उनके समूह द्वारा नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में किए गए एक आविष्कार को 'ऑफिशियल जर्नल ऑफ द पेटेंट ऑफिस' (http://www.ipindia.nic.in/journal-patents.html) में स्वीकार किया गया तथा 20 दिसंबर को प्रकाशित किया गया। भारतीय पेटेंट कार्यालय में विश्वविद्यालय द्वारा दायर किया गया यह पहला पेटेंट था। यह प्रतिष्ठित शोध, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया गया था। डॉ. प्रियम के मार्गदर्शन में, शोध अध्येता श्री भावेश कुमार दधीच ने नैनोमटेरियल्स 'हॉलो सिल्वर नैनोशेल्स' के एक नए वर्ग का संश्लेषण किया, जो निकट-आईआर क्षेत्र में अद्वितीय ऑप्टिकल संपत्ति, 'सतह प्लासमोन प्रतिध्वनि' दिखाता है। इस कार्य में सहयोगी, डॉ. भव्य भूषण, कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर का भी उल्लेखनीय योगदान है। डॉ. प्रियम ने दावा किया कि, यह खोज कैंसर के उपचार में एक मील का पत्थर साबित होगा। इसके अतिरिक्त, नैनोमेटेरियल्स का उपयोग कपड़ा उद्योग में उत्पादित डाई-अपशिष्ट के पर्यावरणीय उपशमन के लिए सौर ऊर्जा के उत्पादन के लिए भी किया जा सकता है।

सीयूएसबी लॉ विभाग के 12 विद्यार्थी बिहार न्यायिक सेवा परीक्षा में उत्तीर्ण

सीयूएसबी के लॉ एंड गवर्नेंस विभाग के 12 विद्यार्थी 30वीं बिहार न्यायिक सेवा प्रतियोगिता, जिसे बिहार सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा आयोजित किया गया था, में उत्तीर्ण हुए हैं। 21 से 27 अक्टूबर, 2019 की अवधि में आयोजित न्यायिक सेवा परीक्षा में कुल 1080 उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया था तथा अंतिम परिणाम 29 नवंबर, 2019 को घोषित किया गया। रोहित सिन्हा, विश्वविद्यालय के एक पीएच.डी. विद्यार्थी ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में 11वां स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, 11 और विद्यार्थियों ने न्यायपालिका में शीर्ष पदों के लिए आयोजित राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में उत्तीर्ण किया। विश्वविद्यालय के लॉ विभाग से पी.एचडी. कर रहे कुमार शशि, नेहा, सुमन चंद्रा तथा अंकित रंजन इस परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। जबकि एलएलएम के विद्यार्थी अभिषेक कुमार, प्रशांत कुमार रंजन, वैभव कुमार, मिट्टू रानी, अजय कुमार मिश्रा और आशीष नारायण ने भी इस प्रतिष्ठित परीक्षा में परिश्रम से सराहनीय उपलब्धि हासिल की।

उपलब्धियाँ

संकाय की उपलब्धियां

डॉ. (श्रीमती) एन.एल. देवी, सहायक प्राध्यापक, एनवायरनमेंटल साइंस विभाग, सीयूएसबी को लंदन में एक सम्मेलन के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति का पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्होंने जनवरी, 2020 में लंदन में, 'वायु गुणवत्ता, स्वास्थ्य और वायुमंडल' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया था। अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक समिति के सदस्यों ने उन्हें सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया।

सीयूएसबी के प्राध्यापक भारतीय मौसम विज्ञान संस्था, बिहार के अध्यक्ष नियुक्त

प्रो. प्रधान पार्थ सारथी, सह प्राध्यापक, एनवायरनमेंटल साइंस विभाग, सीयूएसबी को भारतीय मौसम विज्ञान संस्था (आईएमएस), बिहार के अध्यक्ष के रूप में चुना गया। भारत सरकार के इस राष्ट्रीय निकाय का मुख्यालय नई दिल्ली के मौसम भवन में है, तथा प्रत्येक राज्य सहित बिहार में भी इसकी कार्यालय है। यह संस्था अपने सभी पहलुओं में मौसम विज्ञान और संबद्ध विज्ञान की प्रगति पर काम कर रही है, तथा वैज्ञानिक श्रमिकों और जनता के बीच इस तरह के विज्ञान के ज्ञान का प्रसार भी कर रही है।

सीयूएसबी के डॉ. रिज़वानुल हक को कैंसर उपचार संबंधी शोध के अनुदान

डॉ. रिज़वानुल हक, सह प्राध्यापक एवं प्रमुख, बायोटेक्नो लॉजी विभाग ने यकृत कैंसर के उपचार का अध्ययन करने के लिए अनुदान प्राप्त किया। कैंसर पर उच्च गुणवत्ता के शोध करने के लिए विज्ञान एवं अभियांत्रिकी शोध समिति, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा अनुदान प्रदान किया गया। कैंसर के लिए कुछ नई और सुलभ चिकित्सा खोजने हेतु शोध परियोजना को तीन साल के लिए वित्त पोषित किया गया है। कैंसर के लिए जिम्मेदार टेलोमेरेस जीन के मॉड्यूलेशन में आर्सेनिक की भूमिका की जांच के लिए परियोजना को वित्त पोषित किया गया था।

सीयूएसबी में बायोइनफॉरमेटिक्स प्राध्यापक स्तन कैंसर तथा हर्बल दवाओं के लिए सफलतापूर्ण शोध

सीयूएसबी के बायोइनफॉरमेटिक्स विभाग के दो प्राध्यापकों ने स्तन कैंसर तथा हर्बल दवाओं के लिए सफलतापूर्ण शोध किया। प्रो. आर.एस. राठौर (प्रमुख, बायोइनफॉरमेटिक्स) ने आणविक दवा डिजाइन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण आविष्कार किया, जबकि डॉ. विजय कुमार (सहायक प्राध्यापक, बायोइनफॉरमेटिक्स) ने स्तन कैंसर को प्रभावित करने वाले एक जीन की पहचान की।

शोध परियोजना के लिए अनुदान

- डॉ. अजय कुमार सिंह, सह प्राध्यापक, बायोइनफॉरमेटिक्स विभाग ने भारतीय चिकित्सा शोध परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली से 34 लाख रुपए का शोध अनुदान प्राप्त किया। अनुदान थैलेसेमिया बीमारी तथा इसके उपचार पर काम करने के लिए दिया गया है।
- डॉ. समापिका महापात्र, सह-प्राध्यापक, डेवलपमेंट स्टडीज़ विभाग को भारत सरकार की इंप्रेस (IMPRESS) योजना के तहत "ग्रामीण बिहार में महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक मामलों पर 'शराब बंदी' (मद्य निषेध) का प्रभाव", शीर्षक पर शोध के लिए अनुदान मिला|
- डॉ. चंद्र प्रभा पांडे, सहायक प्राध्यापक, एजुकेशन विभाग को भारत सरकार की इंप्रेस(IMPRESS) योजना के तहत ने भारत सरकार की इंप्रेस(IMPRESS) योजना के तहत "शिक्षा के लिए नागरिकता: नीति का विश्लेषण और इसके निहितार्थ" शीर्षक पर शोध करने के लिए अनुदान मिला |

उपलब्धियाँ

विद्यार्थियों की उपलब्धियां

सीयूएसबी इकोनॉमिक्स के विद्यार्थी ने आरबीआई नीति चुनौती जीती

लगातार तीसरी बार सीयूएसबी के इकोनॉमिक्स विभाग के विद्यार्थियों की टीम ने 'आरबीआई नीति चुनौती-2020' के क्षेत्रीय राउंड में जीत हासिल की। विश्वविद्यालय ने वर्ष 2018, 2019 और 2020 में लगातार प्रतियोगिताओं को जीतकर आरबीआई चुनौती के क्षेत्रीय दौर में हैट्रिक बनाई। विजेता टीम में एमए इकोनॉमिक्स के विद्यार्थी शामिल थे जिनका नाम अनुराधा, अतुल कुमार, शिव राम और अतहर इमाम रज़ा है। उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की निबंध लेखन प्रतियोगिता में इकोनॉमिक्स के सहायक प्राध्यापक श्री अतीश कुमार दाश के नेतृत्व में भाग लिया। टीम ने "नॉन-बैंकिंग फाइनेंस इन इंडिया: रेगुलेटरी चैलेंजेस एंड कंसर्न" विषय पर एक निबंध लिखा और अगले दौर के लिए क्वालिफाई किया।

सीयूएसबी के लॉ के विद्यार्थियों ने बीएचयू में राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता (05-07 अप्रैल, 2019) जीती

05-07 अप्रैल, 2019 के दौरान सीयूएसबी के लॉ एंड गवर्नेंस विभाग के विद्यार्थियों की एक टीम ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में आयोजित 7 वीं महामना मालवीय राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता, 2019 जीती। सीयूएसबी की टीम ने फाइनल में आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ, मोहाली को हराया। पूरे भारत के लॉ स्कूलों की कुल 24 टीमों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। राष्ट्रीय मूट प्रतियोगिता में भाग लेने वाले कुछ प्रमुख टीमों के नाम हैं, दिल्ली विश्वविद्यालय, एमिटी लॉ स्कूल, दिल्ली, एनयूएएलएस, कोच्चि, एमएनएलयू, औरंगाबाद, यूएलसी, बैंगलोर और लॉयड लॉ कॉलेज, नोएडा। श्रीमती पूनम कुमारी, सहायक प्राध्यापक, लॉ विभाग तथा सीयूएसबी की मूट कोर्ट सोसाइटी के समन्वयक की देखरेख में, विश्वविद्यालय की टीम में तनय आकाश, आनंद शुक्ला और गार्गी उपाध्याय शामिल थे, ने यूएलसी बैंगलोर और सस्त्र यूनिवर्सिटी, तमिलनाडु को पूर्व दौर में, सिम्बायोसिस, पुणे को क्वार्टर फाइनल में, लॉयड लॉ कॉलेज, नोएडा को सेमीफाइनल में हराया। न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) गिरधर मालवीय, बीएचयू के कुलपति ने प्रतियोगिता के समापन समारोह में विजेताओं को सम्मानित किया।

विद्यार्थियों की उपलब्धियां

सीयूएसबी के लॉ विद्यार्थियों ने सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता का पुरस्कार जीता, फरवरी 2020

सीयूएसबी के लॉ के विद्यार्थियों ने सिलीगुड़ी में उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता का पुरस्कार जीता । श्रीमती पूनम कुमारी और डॉ. देव नारायण सिंह लॉ विभाग के सहायक प्राध्यापक तथा मूट कोर्ट सोसाइटी के समन्वयक की देखरेख में विद्यार्थियों की एक टीम जिसमें दिव्या मेघना, अनुपम प्रभात श्रीवास्तव और दीपक कुमार (चतुर्थ वर्ष) ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लिया। पूरे भारत के लॉ स्कूलों की कुल 28 टीमों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया । दिव्या मेघना ने सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता का पुरस्कार जीता, जबकि उनकी टीम ने सर्वश्रेष्ठ स्मारक पुरस्कार में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

लॉ के विद्यार्थियों ने चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (सीएनएलयू) में स्किट प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार जीता

27 से 29 सितंबर, 2019 के दौरान सीयूएसबी के लॉ एंड गवर्नेंस विभाग के विद्यार्थियों के एक समूह ने पटना में चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (सीएनएलयू) द्वारा आयोजित विधि उत्सव (लीगल फेस्ट) में स्किट प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार जीता। प्रतियोगिता में विभिन्न संस्थानों की सात टीमों ने भाग लिया। महत्वपूर्ण विषय 'मोटर संबंधी अधिनियम' पर सीयूएसबी की स्किट को न्यायपीठ द्वारा दूसरे स्थान पर रखा गया। नाटक का निर्देशन सिद्धान्तिका और प्रियांशु त्रिपाठी ने किया तथा शिवानी, अनीश, अदिति, अपर्णा, राज, अग्निमित्र, आशीष, सिद्धनाथ, शिव और केशव ने इसे प्रस्तुत किया। पूर्व मुख्य न्यायाधीश माननीय दीपक मिश्रा ने टीम को ट्रॉफी, प्रमाण पत्र तथा 15,000/- रुपए की राशि पुरस्कार के रूप में प्रदान किया।

सीयूएसबी की बायोटेक्नो लॉजी की छात्रा अर्चना को कोलकाता में आईआईएसएफ 2019 में युवा वैज्ञानिक पुरस्कार मिला

7 नवंबर, 2019 को सुश्री अर्चना, बायोटेक्नो लॉजी, सीयूएसबी की एक शोध अध्येता को कोलकाता के विश्व बांग्ला पारंपरिक केंद्र में आयोजित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान उत्सव (आईआईएसएफ) में युवा वैज्ञानिक पुरस्कार मिला। उन्हें भारत सरकार की योजना - स्वच्छ भारत अभियान के तहत प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रोफेसर आशुतोष शर्मा, सचिव, डीएसटी द्वारा सुश्री अर्चना को प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह और 5000/-रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया । अर्चना, सीयूएसबी के बायोटेक्नो लॉजी विभाग के प्रमुख प्रो. रिज़वानुल हक के मार्गदर्शन में पीएचडी कर रही हैं।

सीयूएसबी की बायोटेक्नो लॉजी की छात्रा शिखा को केरल में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ

08 दिसंबर, 2019 को केरल के कोट्टायम में महात्मा गांधी विश्वविद्यालय द्वारा प्राकृतिक पॉलिमर (आईसीएनपी19) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सुश्री शिखा रानी, बायोटेक्नो लॉजी विभाग की पीएचडी छात्रा को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। शिखा, सहायक प्राध्यापक डॉ. राकेश कुमार के मार्गदर्शन में शोध कर रही हैं तथा उनकी प्रस्तुति का विषय था "एंटीमाइक्रोबियल और जल अपघटित गुण नलीडिक्सिक एसिड तथा बायपिरिडिल की औसत पोषित सोया प्रोटीन बायोपॉलीमरिक फिल्म: एक तुलनात्मक अध्ययन"।

सीयूएसबी की लाइफ साइंस की छात्रा प्रतिका सिंह ने बीएचयू में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार जीता

11-13 अक्टूबर, 2019 के दौरान बीएचयू में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में लाइफ साइंस विभाग की पीएचडी की छात्रा सुश्री प्रतिका ने सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति का पुरस्कार जीता। रॉयल एसोसिएशन फॉर साइंस के नेतृत्व वाले सामाजिक-सांस्कृतिक उन्नति (आरएएसएसए), नई दिल्ली तथा काशी हिंदू विश्वविद्यालय के आईईएसडी द्वारा संयुक्त रूप से "सतत कृषि विकास में परिवर्तनशील वैश्विक परिदृश्य" शीर्षक सम्मेलन में उन्हें अपने शोध कार्य के शानदार प्रदर्शन के लिए पुरस्कार मिला।

प्लेसमेंट गतिविधियां

सीयूएसबी के 80 विद्यार्थी यूजीसी-नेट में उत्तीर्ण हुए

दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के विभिन्न विभागों के लगभग 80 विद्यार्थियों ने यूजीसी-नेट/जेआरएफ में अर्हता प्राप्त किया। एजुकेशन विभाग शीर्ष पर हैं जिसमें से 20 विद्यार्थियों ने दिसंबर 2019 में आयोजित लेक्चररशिप (सहायक प्राध्यापक) तथा जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) के लिए राष्ट्रीय स्तर की पात्रता परीक्षा में उत्तीर्ण किया है। लॉ विभाग के 14, इकोनॉमिक्स विभाग के 15, अंग्रेजी के 6, साइकोलॉजी के 4, हिंदी के 3 तथा इतिहास, वाणिज्य और कंप्यूटर विज्ञान के एक-एक विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की है।

65 विद्यार्थियों ने सीटीईटी के लिए अर्हता प्राप्त की

स्कूल ऑफ एजुकेशन के 65 विद्यार्थियों ने सीटीईटी (केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा) में अर्हता प्राप्त की है। बी.एससी.-बी.एड. प्रोग्राम से 32 विद्यार्थियों ने, बीए.-बीएड. प्रोग्राम से 27 विद्यार्थियों ने तथा एमएड प्रोग्रामसे 6 विद्यार्थियों ने सीटीईटी परीक्षा में अर्हता प्राप्त की। राष्ट्रीय स्तर पर (श्रोत समाचार पत्र) बीए.-बीएड. तथा बीएससी.-बीएड. -7वें सत्र के वर्तमान बैच के सीटीईटी में अर्हता प्राप्त विद्यार्थियों का परिणाम 83%(71 में से 59 विद्यार्थी) था जबकि सीटीईटी अर्हता प्राप्त विद्यार्थियों का परिणाम 22.5% (लगभग) था।

12 फरवरी, 2020 को पिरामल फाउंडेशन द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव

12 फरवरी, 2020 को पिरामल फाउंडेशन, एक गैर-लाभकारी संगठन ने सीयूएसबी में गांधी फैलोशिप के लिए प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया। प्लेसमेंट ड्राइव जन संपर्क अधिकारी सह प्लेसमेंट कोऑर्डिनेटर मो. मुदस्सिर आलम की देखरेख में किया गया। वरिष्ठ कार्यक्रम नेता श्री परीक्षित मुंडा ने पीरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधियों के साथ-साथ सोमनाथ पॉल, मुकेश सिंह शेखावत, राजू सिंह, मिथिलेश सिंह और सियाराम शर्मा ने प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया और कहा कि यह संगठन देश के विभिन्न राज्यों में सामाजिक और विकास क्षेत्र में काम करता है। फेलोशिप के उद्देश्यों और लक्ष्यों के बारे में बताते हुए श्री मुंडा ने कहा कि, स्कूल में बदलाव के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में, प्रत्येक साथी 5 स्कूलों में बदलाव लाता है, जो स्कूल के प्रधान अध्यापकों के लिए एक संसाधन व्यक्ति होता है और संभावित रूप से 1,000 बच्चों के जीवन को प्रभावित करता है। अध्येता शिक्षकों की सहायता करते हैं और यह पहचान करते हैं कि कब और कहां हेडमास्टरों को (प्रधान अध्यापक) को अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता है। श्री मुंडा ने साथ में यह भी कहा कि, सहयोगी (फेलो) मॉडल स्कूल बनाने के लक्ष्य के लिए शिक्षकों, समुदाय के सदस्यों और शिक्षा अधिकारियों के साथ बातचीत और साथ काम करते हैं। दो साल की फेलोशिप अवधि के दौरान एक सहयोगी (फेलो) को 14,000/-रुपए की पेशकश के साथ-साथ मोबाइल भत्ता, मुफ्त आवास, यात्रा भत्ता, चिकित्सा बीमा, इत्यादि सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के यूजी (स्नातक) और पीजी (स्नातकोत्तर) स्तर के लगभग 60 अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव

19 नवंबर, 2019 को प्रसिद्ध आईटी कंपनी विप्रो के गैर-लाभकारी संगठन अजीम प्रेमजी फाउंडेशन ने सीयूएसबी में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया। प्लेसमेंट ड्राइव जन संपर्क अधिकारी सह प्लेसमेंट कोऑर्डिनेटर मो. मुदस्सिर आलम की देखरेख में किया गया। फाउंडेशन द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन नए स्नातकोत्तर (पीजी) विद्यार्थियों की भर्ती के लिए किया गया था। प्लेसमेंट ड्राइव में एमएससी केमिस्ट्री, एमएससी फिजिक्स , एमएससी गणित, एमए अंग्रेजी, एमए हिंदी, एमए पॉलिटिकल साइंस और एमए इतिहास के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्लेसमेंट ड्राइव का संचालन अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन के सदस्य / प्रतिनिधि श्री पीयूष शुक्ला ने अपनी टीम के सदस्यों के साथ मिलकर किया।

CENTRAL UNIVERSITY OF SOUTH BIHAR
(Established under the Central Universities Act, 2009)
SH-7, Gaya - Panchanpur Road,
P.O. - Fatehpur, Gaya - 824326 (Bihar)
pstoregistrar@cusb.ac.in www.cusb.ac.in 0631-2229507